राजस्थान पुरातन ग्रन्थ माला
क्रमांक 207

हिन्दी-राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ सूचीपत्र

भाग-20 (बीकानेर संग्रह)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

2007

राजस्थान पुरातन ग्रन्थ माला
क्रमांक 207

हिन्दी-राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थ सूचीपत्र

भाग-20 (बीकानेर संग्रह)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

2007

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला
ग्रथांक 207

हिन्दी-राजस्थानी हस्तलिखित ग्रंथ सूचीपत्र

भाग-20 (बीकानेर संग्रह)

प्रधान सम्पादक

वीना लाहोटी (आर.ए.एस.)
(निदेशक, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान)

सम्पादक

डॉ. कृष्णलाल विश्नोई

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
2007

प्रकाशक

दूरभाषः 0291-2430244

वेबसाईट : www.rori.nic.in

प्रथम संस्करण : 2007 ई.
500 प्रतियां

मूल्य 180.00

निदेशकीय

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान का बीकानेर ग्रंथ-संग्रह संस्कृत-प्राकृत एवम् हिन्दी-राजस्थानी भाषा में रचित ग्रन्थों की दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध है। यहाँ पर खजाँची, श्री पूज्य, उपाध्याय जयचंद, महोपाध्याय, आनन्द विजय, उपाध्याय विवेकवर्द्धन, आर्या मगनश्री, छगन श्री एवम् हिम्मत विजयादि अभिधान से, कई ग्रन्थ संग्रह संरक्षित हैं। सम्पूर्ण ग्रन्थ दान में प्राप्त हैं।

प्रस्तुत जिनचरित्र सूरि संग्रह में 2160 ग्रंथों की प्रविष्टियों का समावेश है जिसमें दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, तंत्र, काव्य जैन एवम् काव्यशास्त्रादि विविध 23 विषयों में विभाजित हैं। इस संग्रह की पुराण विषयक कृतियों में भोजराज द्विजतीर्थ प्रणीत 'कार्तिक माहात्म्य एवम् 'नासिकेत री कथा', काव्य ग्रन्थों में वि.सं. 1660 की 'ढोला मरवण चउपई' वि.सं. 1669 में रचित 'गज सुकुमाल चउपई', कोश विषयक ग्रन्थों में वि.सं. 1691 की 'भारतीय नाममाला' के साथ ही नन्ददास प्रणीत 'मानमंजरीनाममाला', रघुनाथकृत 'धनजी नाममाला' हैं। पुनः देवचंद रचित 'अध्यात्म गीता', नंदलाल प्रणीत 'ज्ञान प्रकाश' एवम् दलपतराय रचित 'तत्ववचनिका' आदि कई उल्लेखनीय ग्रन्थों की परिगणना की जा सकती है। इन ग्रन्थों के माध्यम से हमें तत्कालीन भाषा के स्वरूप की जानकारी तो मिलती ही है, साथ ही उसमें निहित विविध-विषयक शोधसूत्रों का भी परिज्ञान होता है।

सूची पत्र को शोध-अध्येताओं के लिए उपादेय बनाने हेतु इसमें ग्रन्थकर्ता एवम् टीकाकारों का अनुक्रम जोड़ा गया है, साथ ही एक ही गुटके में निहित अनेक अवान्तर कृतियों के कई परिशिष्ट भी जोड़े गये है यथा देवी-देवताओं के छंद, उपदेशी स्तवन संग्रह, चौबीसी स्तवन, जिन स्तवन, दादाजी स्तवन, दूहा, पदस्तवन, नमिनाथ-राजीमति गीत पद चउपई संग्रह, रागपद संग्रह, बिहरमान, बीसी गीत आदि परिशिष्टों के जोड़ने से प्रस्तुत सूचीपत्र शोध जगत-हेतु महत्त्वपूर्ण एवम् उपयोगी हो गया है। मुझे आशा है कि, प्रस्तुत सूची-पत्र शोध-क्षेत्र एवम् विद्वज्जगत में समान रूप से समादृत होगा।

निदेशक

वीना लाहोटी (आर.ए.एस.)

विषय तालिका

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

हस्तलिखित ग्रन्थों का सूची-पत्र

भाग-20

विषय-दर्शन

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता	नाप सेमी लाईन/अक्षर प्रतिपृष्ठ	पत्रसं.	पूर्ण/अपूर्ण	दशा एवं काल	विशेष विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	18315	कायाजीव ऊपर सवद	ज्ञानभारती	17.5×15 16×20	68वां	पूर्ण	1849	-
2.	16930	छह दर्शन	-	26.2×11.5 17×37	14वां	पूर्ण	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था.जैतारण
पुराण								
3.	15689	कर्म विपाक	-	25×11.6 15×35	2	"	1853	लि.स्था. वाहलपुर भाषा संस्कृत गर्भित

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
4.	15660	कार्तिक माहात्म्य	भोजदेव द्विजतीर्थ	26.8×12.2 14-35	47	पूर्ण	1839	र.का. 1726 लि.क.कीर्तिविजय हर्षसेन लि.स्था. पूगल
5.	15668	कार्तिक माहात्म्य	-	26×11.1 12×18	49	पूर्ण	1817	लि.स्था. मकसूदाबाद
6.	18108	चौथमाता री कथा	-	16×11.5 12×18	135-143	पूर्ण	1890	-
7.	16373	नासिकेत-कथा	-	24.4×10.8 14×33	38-77	पूर्ण	1858	लि.क. गंगप्रमोद गोड़ी दास लि. कुचोर
8.	18109	शनिश्चर कथा	जोरावरमल माथुर	16×11.5 12×18	143-161	पूर्ण	1890	-
9.	18227	शनिश्चर-कथा	जोरावरमल माथुर	15.7×10.5 9-16	72-87	अपूर्ण	1855	र.का. 1824 र.स्थान लि.क. ताराचन्द आदि
4 इतिहास								
10.	16366	कुतुवदीन री वात	-	24.4×10.8 14×33	1-6	पूर्ण	1858	लि.क.गंगप्रमोद गौड़ी दास लि.स्था. कुचोर
11.	15083	खरतरगच्छ पट्टावली	-	11.2×5.7 12×30	8	पूर्ण	1804	लि.क. भाग्य विलास
12.	15084	"	-	11.8×25 16×40	5	"	1763	लि.क.नयनभद्र, लि.स्था. जैसलमेर (सुधर्मा से जिनरत्न सूरि तक)

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13.	17103	गुर्वावली	-	26.2×11.2 13×45	7	पूर्ण	17वीं	(सुधर्मा से जिनराज सूरि) सं. 1675 तक कीटवद्ध
14.	15783	चौवीस तीर्थंकर राजपदवी	-	25.7×11.1 13×45	2	पूर्ण	20वीं	-
15.	17430	चौवीस तीर्थंकर वंश विवरण	-	26.8×12.2 10×26	4	अपूर्ण	19वीं	-
16.	17496	” विवरण	-	26.2×12.6 16×14	5	पूर्ण	1937	लि.क. छत्रचन्द अवीर चंद लि.स्थ.अजीमगंज
17.	15081	पट्टावली	-	10.8×24.7 22×66	2	”	19वीं	(सुधर्मा से जिनराजसूरि तक)
18.	15082	” लूंकागच्छीय	-	11.2×22 17×38	4	”	1845	लि.क. साहिवराम लि. स्था. बीकानेर (सुधर्मासे गोदाजी तक)
19.	16053	पट्टावली	-	25.5×12.2 -	2	पूर्ण	19वीं	अपरनाम पर्यूषण पर्व (पट्टावली जिनचन्द्रयति से जिनहंस सूरि तक)
20.	16997	वीझां सोरठ री वात	-	25.8×11.5 22×50	3	अपूर्ण	”	अंतिमांश अप्राप्त
21.	15337	सत्यासीया दुष्काल वर्णन	समयसुन्दर	24×11 15×38	6ठा	पूर्ण	19वीं	-
22.	18311	सहर वसाया तिण री विगत	-	17.5×15 15×20	63-66	”	1849	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5(1) ऐतिहासिक काव्य								
23.	16274	उदयपुर की गजल	-	25.5×11 14×45	7-10	पूर्ण	19वीं	र.का. 1757
24.	15247	गोरा-बादल बात दोहा चौपई	जटमल नाहर	10.8×25.8 10×27	22	पूर्ण	1857	र.का. 1695 र.स्था. संवलग्राम लि.क. गंगप्रमोद लि.स्था.कुचौर
25.	15295	"	"	11.2×26.4 15×38	10	"	1815	र.का. 1685 लि.क. खुस्यालचंद,स्था.देगा
26.	15296	"	"	10.8×25.9 15×36	8	"	1848	-
27.	15507	"	"	26.5×12 17×42	7	अपूर्ण	1836	लि.क.बस्तालि.स्था. अंजारदुर्ग प्रथम पत्र अप्राप्त
28.	16273	"	"	25.5×11 14×45	1-7	"	19वीं	5वां पत्र अप्राप्त
29.	18306	"	"	17.5×15 14×20	29	पूर्ण	1841	लि.क.सरदार,लि.स्था. महाजन, र.का. संवत 1686
30.	16275	चित्तौड़ की गजल	खेतल	25.5×11 14×45	10-11	पूर्ण	19वीं	र.का. 1748
31.	15570	चितौड़ की गजल	खेतल	26.2×11.9 14×45	2	"	1875	लि.क.हर्षमंदिर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
32.	15599	पूर्व देश छंद	नारायण	24.3×12.4 16×42	6	"	19वीं	अपरनाम ज्ञानसागर
33.	15606	"	"	25.1×11.6 10×40	9-19	"	1941	अपरनाम ज्ञानसागर लि.स्था. रतलाम
34.	16276	लाहौर की गजल	खेतल	25.5×11 14×45	11-13	"	19वीं	-
35.	16272	वीसलदे रास	नरपति नाल्ह	25.7×11.2 17×38	17	"	"	लि.क. ईसर
5/2 काव्य								
36.	15685	कृष्ण रुक्मणी वेलि	पृथ्वीराज	25.5×11 13×55	12	पूर्ण	19वीं	र.का. 1638
37.	15690	कृष्ण-रुक्मणी वेलि	पृथ्वीराज टी. शिवनिधान	26×11 18×50	31	पूर्ण	17वीं	र.का. 1638 लि.क. नन्दनमेरु
38.	15691	"	पृथ्वीराज टी.सारंग	26×11 19×60	27	"	18वीं	टी.र.का. 1678 टी.र. स्था.पाल्हणपुर, लि.क. सकलकीर्ति, लि.स्था. मेदिनीतट भाषा संस्कृत मिश्रित
39.	15833	कृष्ण रुक्मणि वेलि सटीक	पृथ्वीराज टी.श्रीसार	25.8×10.8 16×40	77	पूर्ण	18वीं	टी.र.का. 1703 टी.र. स्था. लाभपतन भाषा संस्कृत मिश्रित
40.	15834	"	"जयकीर्ति	- -	32	-	1730	टी.र.का.1686 टी.र. स्था. बीकानेर लि.क. प्रीतकमल विमल लि.स्था. मेड़ता, अंतिम पत्र के अक्षर धूमिल

1	2	3	4	5	6	7	8	9
41.	16607	कृष्ण रूक्मणि वेलि सटीक	पृथ्वीराज टी.	22.3×11.5 11×30	45	पूर्ण	1803	र.का. 1638, लि.क. कयूर रुचि लि.स्था. सेभटावस
42.	16608	" सवालावबोध	" टी. सवाला जयकीर्ति	25.5×10.5 13×60	34	"	1769	र.का.1638 वा.र.का. 1686 वा.र.स्था. वीकानेर लि.क. कुशलविनय लि.स्था सोजत
43.	17461	"	"	26×10.8 16×55	30	"	18वीं	-
44.	15446	खटमल रासो	कान्ह	25.4×11 15×38	2	"	19वीं	अपरनाम माकण रासो र.का. 1757 र.स्था. मेडता अंत में स्फुट पद भी हैं।
45.	15567	खीचड रासो	रुघजी	25.4×10.8 17×52	2	"	1747	लि.क.मुक्तिसुन्दर, लि. स्था.भटनेर
46.	16379	गोधा-रासो	ज्ञानदास माधोदास	25.5×12.5 11×35	2	"	1965	र.का. 1880 आदि में वैश्या एवं सरा संबंधित दो पद भी है।
47.	16260	छिनाल पच्चीसी	-	23.6×10.7 10×37	2	पूर्ण	19वीं	-
48.	15570	छीहल वावनी	छीहल नाथू	25.2×10.8 17×50	4	"	19वीं	र.का. 1584
49.	16283	"	"	25.8×12.3 14×37	6	"	1839	लि.स्था. पूगल
50.	15679	ज्ञानदीप	जानकवि	24×11.5 15×40	25	अपूर्ण	1812	र.का. 1686 लि.क. लक्ष्मीचंद, लि.स्था. नवहर, अप्राप्त पत्र 16,18 किनारे फटे हुए हैं

1	2	3	4	5	6	7	8	9
51.	15236	ढोला मरवण चौपई	कुशललाभ	26.3×11.2 19×52	15	पूर्ण जैसलमेर लि.क.तेजपाल लि.स्था. उच्चनगर	1660	र.का. 1617 र.स्था.
52.	15315	"	"	25×10.7 14×38	25	1727		लि.क.हरिप्रसाद लि.स्था. देवसूरा
53.	15316	"	"	25.3×10.8 18×48	10	पूर्ण	1738	लि.क.जयचंद्र लि.स्था.लूणकरणसर
54.	16280	"	"	26×11.4 16×48	5	अपूर्ण	19वीं	-
55.	16367	"	"	24.4×10.8 14×33	6	पूर्ण	1858	लि.क. गंगप्रमोद गोडी- दास लि.स्था. कुचोर
56.	16932	नवसेना विधान	-	26.2×11.5 17×37	15वां	"	1833	लि.क. धमोदय लि.स्था. जैतारण
57.	15356	बावनी वारहखडी री	खेतल	25.7×10.5 13×40	4	"	1761 लि.क.सामीदास	र.का. 1743 लि.स्था. वावरागांव
58.	15657	विहारी सतसई सस्तवक	विहारी	26.7×12.2 15×35	78	"	1836 लि.स्था.पूगल सं	लि.क. कीर्तिविजय क. भवानी स.का. 1790
59.	15658	विहारी सतसई सस्तवक	विहारी	25.5×11 10×45	62	पूर्ण	1790	लि.क. भवानीदास लि.स्था. रिणी

5(2) काव्य, 5 (3) स्फुटकाव्य

1	2	3	4	5	6	7	8	9
60.	15832	विहारी सतसई सस्तबक	विहारी टी.परमानंद	91 -	91	पूर्ण	1880	टी.र.का. 1860 टी.र. स्था. विक्रमपुर लि.क. मनसुख लिस्था. वीकानेर वीकानेर के महाराजा सूरतसिंह के राज्यकाल में वीरचंद मुनि के शिष्य परमानंद प्रणीत टीका
61.	17142	वृन्द	वृन्दकवि	26.1×12.4 16×35	22	अपूर्ण	1893	लि.क.रूपसौभाग्य लि. स्था. अजीमगंज प्रथम पत्र अप्राप्त
62.	15276	सिंहासन बतीसी चौपई	-	10.9×25.5 16×52	58	पूर्ण	1803	लि.क.सुखहेम लि.स्था. सक्की नगर
63.	15304	”	हीरकलश	26×11 16×42	26	”	19वीं	र.का. 1636
64.	16063	”	-	25.4×10.7 11×38	97	अपूर्ण	17वीं	र.का.1678 2रा पत्र अप्राप्त
65.	17014	सिंहासन बतीसी चौपई	हीरकलश	26×11.2 11×50	119	पूर्ण	1818	र.का. 1636 लि.क. रायकुंवर लि.स्था. मकसूदावाद
66.	18231	”	नेतसी	11.5×21.7 23×15	116	”	1835	र.का.1541, लि.क. खुशालचन्द, लि स्था. अवन्तिका
5/3 स्फुट काव्य								
67.	15518	कवित दोहा स्फुट	-	22×11 13×38	3	पूर्ण	19वीं	-
68.	17288	कवित सवैया प्रस्ताविक	हेम,नारायण,प्रीत केशव,गद,जिनहर्षनाथ	25.8×11.2 16×48	10	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
69.	15675	ख्याल दूहा संग्रह	-	18.3×11.3 15×25	8	पूर्ण	1860	लि.क. उत्तमचंद लि.स्था. सोजत
70.	16963	गूढार्थ दोहा सार्थ	-	26.5×12.8 16×52	6	पूर्ण	19वीं	-
71.	17232	गूढार्थ सस्तबक		26.2×11.5 12×32	4	"	20वीं	लि.क.शिवचन्द
72.	17437	"दोहा	-	26.5×13 9×32	1	"	19वीं	-
73.	16931	च्यार चरण	-	26.2×11.5 17×37	15वां	"	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
74.	15499	जरा-यौवन संवाद	-	25.6×11.4 16×50	2	"	18वीं	-
75.	16929	नवरत्न कवित	-	26.2×11.5 17×37	13-14	"	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
76.	16255	पत्री लेख दूहा	-	26.5×13.2 12×30	1-2	"	20वीं	-
77.	16934	प्रास्ताविक कवित	-	26.2×11.5 17×37	15-16	"	1833	लि.क. धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
78.	16256	बारहमासी दूहा	-	26.5×13.2 12×30	2रा	पूर्ण	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
79.	18307	नेतसी	-	17.5×15 14×20	51-60	पूर्ण	1849	लि.क.रामा लि.स्था.हदां
80.	16375	सवैया दोहा स्फुट	गद खेम	25.5×10.5 16×50	19	अपूर्ण	"	लि.क. सामन्त अप्राप्त पत्र 14,16 संस्कृत में सुभाषित भी है।
81.	16376	"	-	25.4×12.2 15×44	6	पूर्ण	"	साथ में संस्कृत श्लोक एवं हिंदी पद भी हैं।
82.	16277	सुन्दरी की गजल	जटमल	25.5×11 14×45	13-14	"	"	-
83.	16181	सूर्य रो चौको	-	24.7×10.7 12×42	2रा	"	"	-
84.	16371	स्फुट दोहा कवित सवैया	-	24.4×10.8 14×33	31-35	"	1858	लि.क.गंगप्रमोद गौडीदास लि.स्था. कुचोर
85.	18333	" दोहावली	-	24.3×12.6 15×42	1	"	19वीं	अंत में "चित समाधि विचार है।
6. नीतिशास्त्र								
86.	17558	कवित राजनीति	देवीदास	16.2×12 12×28	9-21	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
87.	14344	चाणक्य राजनीत भाषा	विष्णुगिरी गुंसाई	25×11.2 13×34	13	पूर्ण	1901	लघु एवं वृहद् चाणक्य का हिंदी में पद्यानुवाद है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
88.	15687	नसीहतनामो	-	24.5×10.8 12×35	4	पूर्ण	19वीं	लि.क. वस्ता
89.	16609	पंचाख्यान भाषा यशोधीर	-	26.5×12.3 17×34	51	,,	19वीं	लि.क. कीर्तिविजय लि. स्था. पूंगल
90.	15601	प्रास्ताविक अष्टोतरी ज्ञानसार	-	25.4×11.2 15×44	3	,,	19वीं	र.का.1880 र.स्था. विक्रमपुर, क्षतिग्रस्त
91.	15607	संबोध अष्टोत्तरी ज्ञानसागर	-	25.1×11.6 10×40	19-23	,,	1941	कर्ता अपरनाम नारणा र.का. 1898
92.	16604	सवा सौ सीख	धर्मसी	25×10.7 14×40	1-3	,,	,,	-
7. भक्ति साहित्य								
93.	17485	अक्षर शिक्षा	-	26.2×13.1 11×30	2	पूर्ण	1941	-
94.	15662	अवतार चरित	नरहरिदास वारहठ	26.8×12.4 15×45	28-99 पदमसी लि.स्था. रिणी अप्राप्त पत्र 1-27 अपरनाम चौबीस अवतार गीता	अपूर्ण	1802	र.का. 1733 लि.क.
95.	16735	,,	,,	30.5×15.5 21×55	163	,,	19वीं काण्ड अप्राप्त पत्र 89-139	अपरनाम-रामायण उ.
96.	16936	अवस्था मर्यादा	-	26.2×11.5 17×37	16वां	पूर्ण	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
97.	16271	कृष्णरुकमणी विवाहलो	-	25.2×11.4 13×30	7	पूर्ण	19वीं	-
98.	16940	गोरख वचन	"	26.2×11.5 17×37	18वां	"	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
99.	15678	ज्ञान समुद्र	सुन्दरदास शिष्य दादूदयाल	23.2×11 10×35	28	पूर्ण	19वीं	र.का. 1710
100.	16370	ध्रुव चरित्र	परमानन्द	24.4×10.8 14×33	29-31	"	1858	लि.क.गंगप्रमोद गौडी दास, लि.स्था. कुचोर
101.	16270	नरसीजी रो माहेरो	-	25×12 15×31	10	"	20वीं	र.का. 1603, र.स्था. अंजार
102.	15673	नागदमण	सयां झूला	25×11 13×38	7	"	1736	लि.क.मनोहर शिष्य सादुल
103.	15676	"	"	26.2×10.8 13×46	6	"	1795	लि.क.दानभक्ति लि.स्था. राणियां
104.	16369	"	"	24.4×10.8 14×33	21-29	"	1858	लि.क. गंगप्रमोद गौडी-दास, लि.स्था.कुचोर
105.	15671	पिसण सिंगार	सेवादास गाजी गिरधरदास	26×11.7 18×40	3	"	1906	अपरनाम रामकागद लेख
106.	16363	"	"	25.2×11 13×32	4	"	19वीं	लि.क.गुलालचंद लि.स्था. नापासरडी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
107.	15759	प्रास्ताविक छन्दावली	धर्मपरीक्षा गत	20.7×11.9 11×30	17	पूर्ण	1902	लि.क.प्रेमसुख लि.स्था. जेडाल
108.	15358	व्रह्म वावनी	निहालचंद	25.5×10.5 10×32	10	”	19वीं	र.का.1801 लि.स्था. मकसूदावाद
109.	15501	व्रह्म विनोद	उदयचंद	23.1×11 14×35	3-4	”	1884	लि.क.नयविजय लि.स्था. जोधपुर
110.	17584	मन निन्दा पच्चीसी	प्रियदास	12×8.3 11×22	8	अपूर्ण	20वीं	र.का.1786 र.स्था. बीकपुर अप्राप्त पत्र 1-2 आदिहीन
111.	15684	रामचन्द्र लेख	ज्ञानसागर	25.3×11.3 17×58	2	पूर्ण	1739	र.का. 1723
112.	16278	रामायण	चन्द	21.6×11 10×30	24	”	19वीं	-
113.	15169	रुक्मिणी मंगल	नन्दलाल	11.9×21 14×36	38	”	1963	र.का.1876 र.स्था. होशियारपुर लि.क.गणेशीलाल लि.वरपाडा
114.	15681	विचार हुलास झूलना	वलीराम	25.6×10.8 11-35	38	पूर्ण	1804	लि.क. सुखविलास
115.	15558	संत कर संत मत पद	अममेघ	25.8×11 15×32	2	”	19वीं	-
116.	18247	संतदास की साखी	संतदास	9×7 7×9	64	”	1921	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
117.	15683	सनेहलीला		21.5×10.4 9×21	5	अपूर्ण	19वीं	-
118.	17585	"	रसिकराय	11×9.8 7×12	26	पूर्ण	"	-
119.	15378	सवैया	कृपाराम	24.6×12.5 14×42	4	"	20वीं	लि.क.गणेशराम लि.स्था. रावलपिण्डी
120.	15442	"	नंद	25×12.2 18×50	4	"	1962	लि.क.उग्रसेन लि.स्था. हांसी
121.	16374	"	सुन्दरदास	17.8×12.5 11×22	24	"	1895	-
122.	16581	स्वरोदय	चरणदास शिष्य सुखदेव	25×12.2 15×55	7	पूर्ण	19वीं	-
123.	15674	हरिरस	-	26×11.2 18×62	4	पूर्ण	1779	लि.स्था. मरोट
124.	16279	"	ईसरदास वारहठ	24.9×11 22×55	4	"	1771	लि.क. शांतिविजय
125.	16251	हिन्डोलना	केसोदास	21.3×10.6 12×35	2	"	19वीं	-
126.	17396	तारा तंवोली की चिट्ठी	-	24.2×12.7 18×32	3-4	"	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
8. कथावार्ता								
127.	17557	नागकुमार की वार्ता	-	16.2×12 12×28	1-9	पूर्ण	"	-
128.	15659	वेताल पच्चीसी	प्रह्लाद	25.7×11.3 15×34	41	"	1807	र.का.1661,र.स्था. लवपुर लि.क.हरचंद भवानीदास लि.स्था.डेरा ईस्माईलखां
129.	16281	वेताल पच्चीसी	देईदान नाइता	25.8×10.5 14×38	37	पूर्ण	19वीं	र.स्था. वीकानेर महाराजा अनूपसिंह कारित
130.	16282	"	"	25×10.8 12×45	34	"	"	"
131.	15682	मदनशतक वार्ता	दाम	26×11 16×43	4	"	"	-
132.	15686	"	-	25.8×11.2 13×32	5	अपूर्ण	"	मध्यांश के कुछ अंश अप्राप्त
133.	15172	माधवानल भाषा कथा	आलम	10.5×22.8 13×50	22	पूर्ण	18वीं	र.का.17वीं श. अकबर का राज्यकाल
134.	15665	सदैवच्छ सावलिंगा री वात	-	26.8×12.2 14×42	13	"	1881	लि.क.हिमता लि.स्था. वीकानेर
9. नाटक								
135.	15655	हनुमान नाटक भाषा	हरदयराम कवि	25.7×11.6 12×45	123	"	1920	र.का.जहांगीर का राज्य काल र.स्था.दक्षिणदेश

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10 काव्यशास्त्र								
136.	15672	कविप्रिया	केशवदास	24.8×11.3 13×36	62	अपूर्ण	18वीं	र.का. 1658
137.	14334	छन्द की मात्राओं का ज्ञान यंत्र चित्र	-	24.8×12.1 18×40	4	पूर्ण	19वीं	-
138.	16380	नखशिख वर्णन		23.4×10.7 18×44	3	"	"	-
139.	16843	रघुनाथ रूपक	मंछ	24.6×12.8 16×42	29	"	1925	लि.क.अमृतकलश लि. स्था. अजीमगंज
140.	15680	रसरत्नावली	मण्डन	25.4×10.8 15×40	11	"	19वीं	-
141.	14518	रसिक प्रिया सटीक	केशवदास टी. समरथ	26.4×11.4 15×44	100	"	1807	टी.र.का.1755 टी.र. स्था.जालिपुर सिंघ लि.क. ज्ञानवर्द्धन मुनि लि.स्था. सिरसा
142.	14519	"	केशवदास	25.3×11 16×45	56	अपूर्ण	18वीं	-
143.	15663	"	"	24.5×11 17×48	27	पूर्ण	1750	लि.क. प्रीतराज
144.	16721	रसिक प्रिया सटीक	केशवदास	25.8×10.5 13×45	40	पूर्ण	1759	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
145.	14332	रूपदीप भाषा	जयकृष्ण पुत्र भवानी दास पोहकरणा	25.5×11 15×45	4	पूर्ण	19वीं	र.का. 1776
146.	14333	"	"	21.1×10 14×30	6	"	1873	"
147.	15668	"	भवानीदास	26×11.8 13×40	6	"	19वीं	र.का.1776 लि.स्था. वीकानेर
148.	15669	"	"	24.8×10.9 17×50	4	"	"	र.का. 1776
149.	17053	" सस्तवक	जयकृष्ण	25.3×12.4 12×29	16	"	"	लि.क.रामप्रताप
150.	15661	सुन्दर श्रृंगार	सुन्दरदास	25.5×11 12×50	25	"	18वीं	लि.क. नेमिदास
151.	17559	"	"	16.2×12 12×28	21-27	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
11. व्याकरण								
152.	14488	पंचसंधि रो अर्थ सारस्वत गत	-	21.6×11 20×42	9	पूर्ण	19वीं	-
12. कोश								
153.	15822	धनजी नाममाला	रघुनाथ पुत्र विष्णुदत्त	21×10.3 10×27	23	"	"	अपरनाम रत्न प्रदीपिका पत्र चिपके हुए

1	2	3	4	5	6	7	8	9
154.	14438	नाममाला भाषा	बनारसीदास	24.8×11 18×37	7	पूर्ण	20वीं	-
155.	14437	भारती नाममाला	भारती	25.7×11.1 13×43	20	"	1691	लि.क.विमलमुनि लि. स्था.झुंझनूं
156.	14435	मानमंजरी नाममाला	नन्ददास	22×10.3 11×26	20	"	19वीं	-
157.	14436	"	"	22.5×10.3 11×32	17	"	"	-
13 आयुर्वेद								
158.	16883	अमृतसागर	सवाईप्रतापसिंह	27.3×13.3 15×48	222	"	1885	लि.क.सागरचन्द लि.
159.	17513	अमृतसागर	सवाईप्रतापसिंह	20.4×34 36×32	136	पूर्ण	1920	पत्र सं. 1-15 क्षतिग्रस्त पं.सं. 129 के बाद भूल से 230 लगा
160.	14605	औषध स्फुट	-	24.5×10.4 12×38	3	"	19वीं	-
161.	17516	औषधि तालिका संग्रह	-	13.2×32.8 40×16	8-27	अपूर्ण	20वीं	-
162.	17517	औषधि तालिका संग्रह	-	15.3×40.2 35×10	4	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
163.	14621	कवि प्रमोद	मानजी/विनयमेरु	22.8×11 12×32	180	पूर्ण	19वीं	-
164.	14614	घोड़ा-चोली गोली विधि	-	26.5×11.9 15×35	2	,,	20वीं	दूसरे पत्र पर केवल तीन पंक्तियां लिखी हैं।
165.	15943	,, प्रयोग	-	26.5×11 15×45	2	,,	19वीं	लि.क.आणन्द विजय
166.	17481	छुटकर औषध	-	23.5×11.8 12×28	5	,,	1873	लि.क. पदमविलास, लि. स्था. लखनऊ
167.	17483	छुटकर औषध	-	21.7×11 21×47	5	पूर्ण	19वीं	-
168.	17490	,,	-	23.5×15.5 19×30	26	,,	1862	लि.क. राजसौभाग्य लि. स्था. मांडलनगर
169.	16886	तिब्ब करावादीन सफाई	-	27.3×13.3 18×45	43	अपूर्ण	19वीं	-
170.	16381	नैनसुख वैद्यक	-	26×11.2 15×40	8	पूर्ण	1808	लि.क. हर्षसेन लि.स्था. डेरा ईस्माईल
171.	17293	,,	नयनसुख	25.3×11 14×40	15	,,	1748	लि.क. लक्ष्मीचंद्र,लि.स्था. डीडपुर
172.	14590	प्राणसुख वैद्यक	-	25.5×11 15×40	11	,,	1806	लि.स्था. डेरा ईस्माईखां

1	2	3	4	5	6	7	8	9
173.	17514	फुटकर वैद्यक	-	21.5×34 34×30	45	अपूर्ण	20वीं	प्रथम पत्र प्राप्त आद्यन्तरहित
174.	17515	"	-	19.5×15.8 13×17	265	"	19वीं	पत्र सं. 5-23 पर विषय सूची है।
175.	17518	फुटकर वैद्यक	-	12.1×19.3 22×18	110	अपूर्ण	20वीं	क्षतिग्रस्त एवं कीटवद्ध
176.	17519	"	-	10×23 35×12	"	"	"	-
177.	15942	वन्धेज प्रयोग	-	26.2×9.2 19×60	6	पूर्ण	19वीं	-
178.	14588	योगचिंतामणि वालाव-बोध	टी.नरसिंह गणि	25.3×11.3 17×42	33	"	1822	लि.क. भुवन विशाल स्था. मरोट
179.	17298	" भाषार्थ		27.5×13 18×42	20	अपूर्ण	19वीं	अंतरहित
180.	17482	" शतक		25.5×11.2 18×55	36	पूर्ण	"	अप्राप्त पत्र 17,28
181.	16881	रसायन विधि		26.6×15.6 13×40	26	"	20वीं	-
182.	14574	रामविनोद	रामचंद्र मुनि	26.2×11 15×50	61	'	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
183.	14609	रामविनोद	रामचन्द्रमुनि	25×11.4 16×32	87	पूर्ण	1832	-
184.	14610	"	रामचन्द्र	25.2×11.5 17×45	7	अपूर्ण	19वीं	-
185.	14611	"	-	23.9×11.6 17×55	52	पूर्ण	"	र.का. 1620
186.	16887	"	"	25.5×10.9 16×48	60 लि.क. लक्ष्मीप्रभ लि.स्था. रिणी राजनगर प्रथम पत्र अप्राप्त	अपूर्ण	1844	र.का. मेहरासर पंजाब
187.	15161	रुदन्ती कल्प	"	11.7×23.9 15×44	20वां	पूर्ण	20वीं	-
188.	15939	वैद्यक तिव्व साहिवी	-	24×10 12×32	26	"	1868	-
189.	15934	वैद्यक प्रयोग संग्रह	-	28.5×13 17×48	95	अपूर्ण	1822	-
190.	15941	वैद्यक संग्रह	-	26.2×9.1 20×65	2	पूर्ण	18वीं	-
191.	14603	"सार	-	26×11.8 13×30	6	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
192.	17248	"	-	23.5×11 8×28	51	पूर्ण	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
193.	14597	वैद्य मनोत्सव पद्य	नयनसुख	26.8×12.2 17×46	11	अपूर्ण	"	कीटमुक्त प्रति
194.	14617	"	"	26×11.2 14×52	12	पूर्ण	1848	र.का. 1649 लि.क. विजयमुनि लि. स्था. भटनेर
195.	17216	वैद्य मनोत्सव	नयनसुख	28×12.2 15×40	11	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
196.	17551	"	"	22.5×9.1 7×30	6-10	"	"	"
197.	16938	" लक्षणादि प्रस्ताविक	-	26.2×11.5 17×37	17-18	पूर्ण	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
198.	14619	शतश्लोकी वैद्यक भाषा	-	24×11.5 9×28	51	पूर्ण	1868	र.का. 1732 लि.क. गोरीदास लि.स्था. बागीनगर
199.	14615	शालिहोत्र	-	26.3×11 15×55	3	"	18वीं	-
200.	17511	" भाषार्थ	-	30.3×14.3 11×35	16	"	1912	लि.क. जमुनादास वैष्णव
201.	17512	"	-	30.2×14.4 11×38	6	"	"	"
202.	17480	स्फुट औषध	रामदया	21.5×10.8 10×30	3	"	19वीं	साथ में वंगेस्वर नी विधि है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
203.	14608	हरिप्रकाश वैद्यक पद्य	हरिदास	23.5×10.5 12×40	9	अपूर्ण	19वीं	-
204.	14583	हिकमत प्रकाश	श्रीपति भट पुत्र पुरुषोत्तम	25.8×11.7 15×35	50	पूर्ण	1817	र.का. 1730 लि.तथा अंजारनगर माधव निदान का हिन्दी रूपान्तर पद्यवद्ध है।
205.	16885	”	”	28.2×13 13×50	41	”	1880	र.का. 1730 लि.क. रामभजन स्था.जयपुर
14. ज्योतिष								
206.	15960	अक्षर शकुनावली	-	26×11 13×42	2-4	पूर्ण	1703	जीर्ण
207.	14703	अर्धकाण्ड चक्र	-	25.5×12 14×22	2	”	19वीं	-
208.	14749	अरबी शकुनावली	-	25.7×11.1 11×40	3	अपूर्ण	”	-
209.	14681	आठ वर्ग आदि	-	26.3×12 13×42	10	पूर्ण	1880	लि.स्था. वीकानेर संस्कृत मिश्रित भाषा
210.	15881	कर्म-विपाक	महारुद्र प्रोक्त	26×11.5 13×37	5	”	19वीं	लि..सांवल
211.	16964	”	”	24×11.2 12×28	8	”	18वीं	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
212.	16372	गुराचार राशिफल	"	24.4×10.8 14×33	35-38	पूर्ण	1858	लि.क.गंगप्रमोद गौडी लि.स्था.कुचोर
213.	14674	चमत्कार चिंतामणि वाला- ववोध	-	21.8×11.5 16×35	7	अपूर्ण	19वीं	तीसरा पत्र अप्राप्त
214.	17522	छुटकर भावफल	-	25.5×12.2 17×39	1	पूर्ण	20वीं	-
215.	15931	जन्मपत्री विचार	-	21×11.5 14×30	5	"	19वीं	-
216.	17106	ज्योतिष भाषा ग्रंथ	-	27.5×12.3 13×32	11	"	1904	र.का. 1733 लि.क. सत्यप्रधान अपरनाम विधि पंचाग
217.	15891	ज्योतिषसार	हीर	27×12 22×62	14	"	1753	लि.क.प्रीतराज लि.स्था. पतन
218.	14638	ताजिक सार वालाववोध	-	25.7×11 17×50	8	"	1788	-
219.	15108	तुरकी शकुनावली सचित्र	-	10.8×26 10×36	5	"	1887	लि.क. शिवलाल पक्षियों के चित्रित पत्र चार
220.	15109	तुरकी शकुनावली सचित्र		11.2×25.8 10×37	5	"	19वीं	पक्षियों के चित्रित पत्र पांच क्षतिग्रस्त
221.	14747	दस दोष साहे काढण विधि	-	26.2×12 15×57	17-21	पूर्ण	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
222.	15892	द्वादश भवन विचार	-	21.7×8.3 13×42	2	पूर्ण	18वीं	-
223.	15924	दिनकर सारणी	-	25.3×10.6 13×30	19	"	1837	लि.क.युक्तिधीर लि. स्था. उदयरामसर
224.	16966	दोष केवली	-	25.1×11.5 16×36	2	"	1863	लि.स्था. पूगल
225.	15106	दोषावली	-	11.7×26 14×34	10	"	19वीं	-
226.	15107	"	-	11.7×24.8 13×40	4	"	1915	-
227.	15958	नक्षत्र शकुनावली	-	26×11 13×42	1-2	"	1703	जीर्ण
228.	16935	नवग्रह वर्णन	-	26.2×11.5 17×37	16वां	"	1833	लि.क.धर्मोदय लि. स्था. जैतारण
229.	17393	पंचांग विधि	-	25.4×11.6 23×55	9-11	अपूर्ण	19वीं	-
230.	15899	पंचांग नयन विधि	मेघराज	25.1×11 23×55	2	पूर्ण	1742	लि.क.हीरानंद लि. स्था. भादासर
231.	15932	"	-	24.3×10.7 13×35	3	"	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
232.	15096	पाशाकेवली	गर्गऋषि	12.3×25.9 13×40	6	पूर्ण	1918	-
233.	15950	"	"	24.1×10.5 16×45	3	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण
234.	17418	"	"	26×11.7 12×42	5	पूर्ण	1815	लि.क. कल्याण
235.	17251	" भाषा	"	26×12.8 13×58	6	"	19वीं	-
236.	17536	"	"	25.1×13.1 11×30	10	अपूर्ण	1887	लि.स्था.काशी पत्र 1-5अप्राप्त आदिहीन
237.	17541	पाशाकेवलीभाषा	"	21.5×9.8 8×30	7	पूर्ण	19वीं	लि.स्था.डेरा ईस्माईल
238.	15965	भड्डली पुराण	भड्डली	26.1×12.8 17×42	20	"	1886	लि.क.मोहनलाल, लि. स्था. जगाधरी
239.	17175	"	"	23.5×11 11×29	10	"	20वीं	-
240.	14727	" सार्थ	"	24.1×10.7 13×40	21	अपूर्ण	1876	लि.क.दयाचंद लि.स्था. पुनरासर अप्राप्त पत्र 17वां
241.	15966	" मेघमाला	"	25.3×12.6 19×38	13	पूर्ण	20वीं	अंत में स्फुट ज्योतिष कीटविद्ध

1	2	3	4	5	6	7	8	9
242.	16586	भड्डली विचार	"	25.8×11.2 21×55	4	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
243.	16956	"	"	24.4×11.8 13×32	12-19	"	20वीं	-
244.	14700	मणिमाला ज्योतिष सारणी	-	25.4×15 20×30	"	"	1747	लि.क.युक्तिसुन्दर
245.	15971	महामाइ वाक्य	-	24.2×11.1 15×32	4	पूर्ण	1876	लि.क.कीर्ति विलास लि.स्था. सवाई
246.	16269	"	-	27.7×11.7 13×28	7	"	1940	लि.क.रामसुख
247.	15974	मुत्तूर्त विचार	-	23.4×10.4 14×45	2	"	19वीं	35 प्रकार के मुहर्तों पर विचार
248.	14722	मेघमाला	मेघराजमुनि	25.8×12.6 19×45	17	"	20वीं	र.का. 1817 र.स्था. फजवाडा
249.	14723	" बालावबोध	गर्ग	24.8×10.7 19×55	11 स्था. कालू अंत में भडुली के दोहे एवं अर्धकाण्ड है क्षतिग्रस्त प्रति	"	"	लि.क. माणिक्यराज लि.
250.	14748	रमलज्ञान शकुनावली	-	27.3×12 13×32	4	"	19वीं	लि.क. रामचन्द्र लि.स्था.
251.	15095	रमल शकुनावली	-	12×25.6 13×32	5	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
252.	15970	रमल शकुनावली	-	24.7×12.5 13×38	3	पूर्ण	"	आदि पत्र मसीसिक्त है
253.	15110	रमलशास्त्र	-	12.4×24.9 10×28	10	"	20वीं	लि.क.रतनराजलि.स्था. एलजपुर
254.	18230	वर्षा शकुनावली	-	11.5×10.5 10×15	46-50	"	19वीं	-
255.	16958	वार तिथि विचार	-	24.8×11.1 11×45	18-19	"	"	-
256.	14710	विवाह पटल पद्य	अभयकुशल	26.3×12.5 10×35	1-5	"	"	-
257.	14711	"	रूपचंद	26.3×12.5 10×35	5-7	"	"	-
258.	14713	"	अभयकुशल पुत्र/ पुण्यहर्ष	24.7×11.1 13×35	4	"	"	-
259.	14716	"	"	23.4×10.8 11×24	6	"	"	-
260.	14717	" पद्य	रूपचंद	25.1×12.4 15×36	2	"	"	-
261.	14719	विवाह पटल दोहाबन्ध	हीर	25.5×10.3 11×45	6	पूर्ण	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
262.	16382	शकुन रत्नमाला चौपई	नित्य सौभाग्य	26.2×11.2 11×45	3	पूर्ण	1766	र.का. 1732 लि.क. गिरधर क्षमाचंद्र लि.स्था. जोबनेर
263.	15666	शकुन समस्त विचार	-	25.4×10.8 17×52	1-3	"	1747	लि.क. युक्तिसुन्दर लि. स्था. भटनेर
264.	15954	शकुनावली अवजद	-	21.5×10.3 11×38	7	"	1733	लि.क.पीताम्वर
265.	15955	शकुनावली	-	25×10.8 13×35	2	"	1852	लि.स्था. भक्ति जल सिक्त प्रति
266.	15956	"	-	26×10.8 10×34	5	"	18वीं	जीर्ण लि.क.भक्ति विशाल लि.स्था.सांचोर
267.	15957	"	-	24.2×12 19×38	7	"	20वीं	लि.स्था.विक्रमपुर
268.	15962	" दोषपृच्छा	-	22×10.3 16×36	2	"	1765	लि.क. पदमा लि.स्था. उदरामसर
269.	14751	सईकी महामई दोहा सं. 1700-1800	-	25.5×11.2 22×40	4	"	19वीं	जीर्ण
270.	14729	सईकी विचार	-	25.8×11.4 15×45	6	"	1830	लि.क. राजारामगणि लि.स्था. भूंयादडा
271.	16955	साठ संवत्सरी	-	24.4×11.8 13×32	1-12	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
272.	15895	सातवार कष्टावली	-	23.2×10.5 13×35	1-4	पूर्ण	19वीं	-
273.	17374	सारणी	-	26.1×11.8 18×31	10	"	"	-
274.	16670	स्वर विचार	-	25.1×12 21×42	13-14	"	19वीं	-
275.	14755	स्वरोदय दोहावन्ध	-	20.2×12 10×30	3	अपूर्ण	"	-
276.	14756	विचार गद्य	-	24.7×11.28 11×35	9	पूर्ण	1908	लि.क. कल्याण
277.	15335	स्वरोदय	चिदानन्द अपरनाम कपूरचन्द	27.3×12.8 11×34	22	पूर्ण	1940 लि.क. धनसुख	र.का. शरमुनि पर्वता पत्र 7वां दो बार
278.	16268	"	मोहनदास	28×12.5 12×35	22	पूर्ण	19वीं	-
279.	17256	"	नन्द	21.6×11.6 15×33	7	अपूर्ण	" नवानगर अप्राप्त	र.का. 1889 र.स्था. पत्र 2,4
280.	17419	हीनांशा पात्यांशा दशा	-	25.5×11 12×40	1	पूर्ण	"	जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
15. गणित								
281.	14766	गुणाकार अंक संख्या	-	24.5×12.8 24×42	2	पूर्ण	1931	लि.क.चमनलाल लि. भदेरता उदयपुर
282.	14933	घन गणित	-	10.8×25.5 18×44	5	"	1704	लि.क.रूपहर्ष लि.स्था. जैसलमेर
283.	14767	लीलावतीभाषा पद्यवन्ध	-	18.5×11.5 11×24	8	अपूर्ण	1889	-
16. संगीत एवं नृत्य								
284.	16364	हिय हुलास रागमाला	दयाल	22×11.8 12×28	10	पूर्ण	19वीं	-
17. कामशास्त्र								
285.	15598	कामोद्दीपन	ज्ञानसागर	26.7×12.6 12×40	17	"	1869	र.का. 1856 र.स्था. लि.स्था. हरिदुर्ग
286.	16365	कोकसार	-	27.2×13 19×34	20	"	1895	-
20. मंत्र तंत्र शास्त्र								
287.	15149	गायत्री पंचशंख गायत्री	-	12×26 16×28	2	"	20वीं	-
288.	16952	नासिरशाही कंकाली	कंकाली योगीश्वर	25×11 14×56	7	"	19वीं	जीर्ण-शीर्ण

20- मंत्र-तंत्र, 21-स्तुति स्तोत्र (अजैन)

1	2	3	4	5	6	7	8	9
289.	17477	मंत्र तंत्रादि गुटका	-	12×8.2 9×16	24	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 1-2
290.	15091	रस रत्नाकर मंत्र खंड	नित्यनाथ	10.5×21.1 11×36	9	पूर्ण	1917	लि.क. मुरलीधर
291.	16184	शक्तिपाठ गति	-	24.7×10.7 12×42	4था	”	19वीं	-
292.	15160	स्फुट मंत्र शावरी	-	11.7×23.9 15×44	17-20	”	20वीं	कृति के मध्यम में आवू कल्प है।
21 स्तुति स्तोत्र (अजैन)								
293.	18290	आईजी छन्द	सगतो सुमतिरंग	11×9.4 13×18	15-17	”	19वीं	-
294.	16185	क्षेत्रपाल छन्द	-	24.7×10.7 12×42	4-5	”	”	-
295.	16229	”	माधो	25.8×11.6 15×38	2रा	”	”	-
296.	16368	गोविन्द स्तुति	-	24.4×10.8 14×33	21वां	”	1858	लि.क.गंगप्रमोद गौडी-दास लि.स्था. कुचोर
प.297.	15400	देवदेवी छन्द	-	26×11.4 15×40	17	अपूर्ण	19वीं	पत्र 6ठा अप्राप्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
298.	18289	भवानी छन्द	सुमतिरंग	11×9.4 13×18	13-15	पूर्ण	19वीं	-
299.	16228	माताजी रो छन्द	,,	25.8×11.6 15×38	1-2	,,	,,	-
300.	16377	,,	समधर	25×11 12×38	2	,,	,,	जीर्णक्षतिग्रस्त
301.	15592	शनिश्चर छंद	हेम	13.8×11.7 9×16	5	पूर्ण	1882	लि.क. जीवराज लि.स्था. सूरत
302.	16186	,,	-	24.7×10.7 12×42	5-6	,,	19वीं	-
303.	16201	,,	-	27×13 11×35	13वां	,,	1897	लि.क. लाभसमुद्र गणि
304.	16378	,,	खेतो	15.4×11.4 13×21	3	,,	19वीं	-
305.	16580	सरस्वती छंद	-	23.5×11.7 14×33	3	पूर्ण	1787	-
306.	18226	रामचन्द्र जी रो सिलोको	-	15.7×10.5 9×15	69-71	अपूर्ण	1855	अंतहीन
307.	16925	शिवपचीसी	बनारसीदास	26.2×11.5 17×37	11-12	पूर्ण	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
308.	18143	सूरजजी रो सिलोको	सेवक	16×11.5 12×18	229-232	पूर्ण	1890	-
22/1 जैनागम एवं दर्शन								
309.	13516	अंत समाधि	-	25.8×11 28×40	9	पूर्ण	1955	-
310.	17368	अजीव तत्व	-	26×11.5 12×30	5	अपूर्ण	19वीं	कीटबद्ध प्रथम पत्र अप्राप्त
311.	17003	अध्यात्म गीता सार्थ	देवचन्द	25.9×11.8 13×38	13	"	1872	सूत्र संस्कृत में है लि. स्था. विक्रमपुर
312.	16815	अध्यात्म चर्चा हितोपदेश	-	26×11.2 15×50	10	"	19वीं लि.स्था. आगरा	लि.क. साह सोमजी वूंद अपरनाम श्राद्ध धर्म परीक्षा
313.	17454	आठ कर्म की प्रकृति	-	26.8×11 13×42	1-2	पूर्ण	19वीं	-
314.	17467	आठ कर्म नामादि	-	29.9×11.9 15×45	7	"	19वीं	-
315.	14943	आठ कर्म प्रकृति विवरण	-	11.8×25 14×42	5	अपूर्ण	"	जीर्ण क्षतिग्रस्त प्रथम पत्र उदासर
316.	16434	"	-	25.5×11.2 16×40	2	पूर्ण	1774	लि.क. लाखणसी लि. उदासर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
317.	17110	आठ कर्म प्रकृति वर्णन	-	26×11.2 9×32	10	पूर्ण	1707	लि.क.मतिलाभ लि.स्था. पाटलीपुत्र
318.	13466	आगमसार	देवचन्द्र	27.3×13.8 30×40	43	,,	1923	र.का. 1776 र.स्था. मरोट
319.	13466	आगमसार	देवचन्द्र	27.3×13.8 26×45	43	,,	1923	र.का. 1776 र.स्था. अकवरावाद
320.	13468	,,	,,	25.4×14 26×38	59	,,	1866	-
321.	13469	आगमसार	,,	25.5×11.8 24×37	38	,,	1856	जीर्ण लि.क. जयचंद लि.स्था. पाडिलपुर
322.	13470	आगमसार	देवचन्द्र	25.5×12.4 30×48	16	अपूर्ण	20वीं	-
323.	17097	,,	,,	27.2×11.7 10×29	58	पूर्ण	1802	लि.क.महानन्द लि.स्था. दीपबन्दर
324.	17100	आगम सारोद्धार बालाववोध	,,	26.5×11.5 15×35	64	,,	1892	जीर्ण र.का. 177 र.स्था मरोट लि.क. रूपसौभाग्य लि.स्था.अजीमगंज
325.	14238	आत्म निन्दा	ज्ञानसार	22.4×11.3 15×30	4	,,	20वीं	-
326.	14918	,,	,,	12.3×26.7 13×30	3	,,	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
327.	14919	आत्म निन्दा	ज्ञानसार	12.8×25.8 13×30	4	पूर्ण	19वीं श.	-
328.	16239.	,,	,,	25.3×12.3 12×40	4	,,	,,	-
329.	17487	आत्मनिन्दा	ज्ञानसार	252×12 11×30	5	पूर्ण	1892	लि.क.मेघविजय गणि
							लि.स्था.पाली पत्र चिपके हुए जीर्ण	
330.	14201	उदय उदीरणा विचार	-	25.4×12.3 14×40	24	,,	1880	-
331.	14224	कर्मग्रंथ वंध स्वामित्व	-	12×26.4 28×15	4	,,	1881	सारणी ग्रंथ
332.	17102	कर्मग्रंथ	-	26.3×13.5 16×35	35	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
333.	16432	कर्मपृच्छा	-	25×12.4 17×37	4	पूर्ण	1888	-
334.	14947	कर्म विचार	-	10.8×26 14×48	2	,,	,,	जीर्ण
335.	17347	कल्पप्रकाश वालावबोध	सुखसागर	26.5×11.6 10×45	284	,,	1766	र.का. 1762 र.स्था.
					धन्यपुर लि.स्था. सूरत वन्दर कल्पसूत्र टवार्थ वाला एवं कल्पप्रकाश है अंत में कालिकाचार्य कथा पत्र 279-284 है।			

1	2	3	4	5	6	7	8	9
336.	13458	कल्पसूत्र कल्पद्रुमकलिका भाषार्थ	-	25.3×11 30×33	161	अपूर्ण	1935	लि.स्था. वीकानेर अप्राप्त पत्र 70-94
337.	13455	" कल्पलता भाषार्थ	-	26×11 30×44	157	पूर्ण	17वीं	अंत में पट्टावली है
338.	13456	"	-	26.5×11.3 26×46	185	अपूर्ण	"	167 पत्र अप्राप्त क्षति
339.	13460	" तृतीयवाचना वाला.	टी.राजसोमगणि	25.5×11.3 26×38	27	पूर्ण	1706	लि.क. रामसोम गणि लि. स्था.जैसलमेर किनारे क्षतिग्रस्त
340.	13169	" वालाववोध	-	25.5×11.3 34×48	125	"	1760	लि.स्था. साधासर कीट विद्ध प्रति
341.	13173	"	-	25.7×11.5 26×58	181	अपूर्ण	1879	पत्र 151-153 अप्राप्त
342.	13174	"	-	26×11 13×32	264	पूर्ण	1671	लि.स्था.जोधपुर कीट विद्ध आदिअंत के कुछ पत्र फटे हुए पत्र 200 व 201 के बीच एक पूरक पत्र है
343.	16012	कल्पसूत्र वालाववोध	मू.भद्रवाहु टी. शिवनिधान	24.9×11.5 13×35	159	पूर्ण	1886	लि.क.नगराज लि.स्था. बेनातट
344.	15723	" भाषा	-	25×11.7 16×40	9	"	19वीं	पांचवीं वाचना मात्र
345.	16700	"	टी. जिनलाभ सूरि	21.1×15.1 19×34	197	"	"	र.का. 1898 र.स्था. अहिपुर नगर पत्र 185-197 पर जैनाचार्यों की पीढियां एवं कालिकाचार्य कथा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
346.	17348	कल्पसूत्र सिद्धांत अर्थ	-	26.3×12.8	181	पूर्ण	1907	लि.क. नेणचन्द्र लि.स्था.
				18×32	बडौदा ग्राम 15वीं वाचना तक भाषा का ही अर्थ है।			
347.	13180	" स्थविरावली भाषार्थ	-	26×12.3	11	"	19वीं	-
				30×40				
348.	13464	कालिकाचार्य संवंध	-	25.8×11	23	"	17वीं	-
				26×37				
349.	15780	गर्भवेलि	सहजसुन्दर	26.6×11.3	3	"	"	अंतिम पत्र पर ऋषभस्रोत
				13×42				संस्कृत में है।
350.	15331	चेतनकर्म चरित्र पद्य	भगोतीदास	25×9.7	9	पूर्ण	1907	र.का. 1732 लि.क.
				12×56				दुर्गानंद लि.स्था. कलकता
351.	15502	"	"	25.3×11.5	25	"	1765	र.का. 1732 लि.क.
				9×30			मणिसुन्दर लि.स्था.घोघा बन्दर	
352.	14162	चौवीस दण्डक पुद् गलादि	-	25.6×11.2	5-12	"	18वीं	लि.क. लालचंद गणि
		विचार		19×68				लि.स्था.उग्रसेननगर
353.	17455	जीवना भेद		26.8×11	2रा	"	19वीं	-
				13×42				
354.	13334	जीव विचार प्रकरण		24.5×11.5	1-8	"	19वीं	-
		वालाववोध		22×28				
355.	16138	ज्ञानदीपक गद्य	रतनचंद	26.5×12.3	42	"	1914	र.का. 1898 र.स्था.
				17×55		वणोली, लि.क.मैयादास लि.स्था.स्यालकोट अंत में पद्य है		

1	2	3	4	5	6	7	8	9
356.	16139	ज्ञानप्रकाश पद्य	नन्दलाल	28×12.5 17×45	17	पूर्ण	1934	र.का. 1906, र.स्था. कपूरथला
357.	14937	तत्व वचनिका	दलपतराय	11.8×25.5 15×38	22	पूर्ण	20वीं	जीर्ण लि.क.सुखलाल, लि.स्था.अजमेर
358.	16574	तत्वविचार	-	26×10.7 15×50	21	"	17वीं	-
359.	13676	दण्डक विचार	-	26×11 17×36	17	"	"	लि.स्था. बीकानेर
360.	15721	दस अच्छेरा	-	25.8×11 15×55	8	"	17वीं	लि.क. दयाशेखर
361.	14212	दस दिशा जीव अल्प-वहुत्व	-	25.5×11 11×40	2	"	"	ऊपर नाम पन्नवणा अधिकार वार्तिक
362.	17052	द्रव्य प्रकाश	देवचन्द	26×13 17×55	14	"	19वीं	र.का. 1767
363.	13310	नव तत्व रो जाणपणो	-	26×12.2 24×38	74	"	19वीं	नव तत्व प्रकरण का राजस्थानी अनुवाद
364.	16425	नव तत्व प्रकरण वाला-वबोध	-	25.5×11.2 22×60	3	"	19वीं	जीर्ण
365.	13666	नवतत्व बडा संयंत्र	-	25.5×12 20×50	58	पूर्ण	19वीं	र.का. 1812 शोभनप्रति

1	2	3	4	5	6	7	8	9
366.	17092	नव भेद आदि संग्रहणी यंत्र	-	23.2×12.7 12×20	12-40	पूर्ण	20वीं	-
367.	14875	" विचार	-	24.7×12.8 21×40	14	"	1931	लि.क.चिमनलाल लि. स्था. भानपुर
368.	16567	" विषयक वोल	-	26.7×12.7 14×38	5	"	19वीं	-
369.	17817	पन्नवणा विचार स्तवन	विनयमेरु	17×13.2 15×24	218-220	"	20वीं	-
370.	17548	पार्श्वनाथ पंच कल्याणक	-	24.5×10.8 12×40	12	अपूर्ण	"	प्रथम पत्र अप्राप्त आदि हीन साथ में मूल प्राकृत में है।
371.	13748	पुद्गल परावर्त विचार	-	23.8×11.8 12×40	7	पूर्ण	"	-
372.	14127	"	-	25.7×12.7 22×60	2	"	20वीं	र.का.1906 लि.स्था. वीकानेर
373.	14129	"	-	26.8×12.8 22×64	2रा	"	1906	लि.क.सुखदान लि.स्था. वीकानेर
374.	16431	मतान्तर संवाद	नंदलाल	26×11.8 14×43	22	पूर्ण	20वीं	-
375.	14923	लेश्या द्वार	-	12.5×26.9 18×45	3	"	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
376.	15333	समयसार नाटक	वनारसीदास	25×11.2 15×40	44	पूर्ण	18वीं	र.का.शाहजहां शासनकाल र.स्था.आगरा लि.क. दयाविजय
377.	15364	समाधि तंत्र	जसविजय	21.5×10.7 8×24	18	”	19वीं	अंत में स्फुट दोहे एवं शांतिनाथ स्तवन है
378.	15751	सिद्धांत विचार	-	20.7×11.4 9×22	9	”	20वीं	-
379.	15752	” सार्थ	-	21×11.5 9×22	3	”	20वीं	अंतिम पत्र पर ओध नियुक्ति स्त्री स्पर्श अशाहना भी है।
380.	17086	षष्ठ कर्म ग्रंथ संयंत्र	-	27×12.3 16×32	24	”	1891	लि.क.रूप सौभाग्य,लि. स्था. अजीमगंज
22(2) जैन प्रकरण								
381.	13751	अठाणु वोल वासठिया यंत्र	-	24.5×12.4 15×30	4	पूर्ण	19वीं	-.
382.	14236	”	-	25.7×10.5 30×17	2	”	”	-
383.	16439	”	-	24×12 23×22	3	”	”	जीर्ण लि.क.हीरालाल
384.	16858	अठारह नाता	लोहट	25.7×11.8 12×44	3	-	18वीं	-
385.	15389	अठारह पाप स्थानक कुलक	व्रह्म	25.2×10.8 13×36	13	”	1744	लि.क.जयशील,लि.स्था. फलोधी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
387.	16352	असज्झाय कुलक	हीर	26×11 15×47	9वां	पूर्ण	1687	लि.क.दयाकुशल
388.	13722	आत्मावबोध वचनिका	-	25.8×12 11×34	10	"	1892	लि.क.मेघ विजय गणि लि.स्था.पाली पत्र चिपके हुए व जीर्ण
389.	17245	आवश्यक विवरण प्रतिक्रमण हेतु		25.5×11.8 13×32	3	पूर्ण	19वीं	अंत में विनयचन्द्र कृत भगवती सज्झाय
390.	16570	उपदेश	-	24.7×10.7 13×41	11	"	20वीं	-
391.	13620	उपदेश वालाववोध	सोमसुन्दरसूरि	26×10.8 9×32	56	"	17वीं	-
392.	17048	एकवीस ठाणा प्रकरण	-	26.7×11.5 15×40	5	"	1768	लि.क.जयवंतसागर
393.	17087	काय स्थिति रो थोकडो	-	27.1×12.9 13×41	4	"	20वीं	-
394.	13484	कुमति मत उत्थापन चर्चा	-	26.3×12.5 30×38	7	"	20वीं	-
395.	15014	"	-	11×26 14×40	10	"	1880	लि.क.जयचंद, लि.स्था. पाली
396.	16544	खण्डायोजन विचार	-	26×11.5 16×46	11	"	1919	लि.क. विहारी लाल

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
397.	17400	गर्भविना रो वासठिया	-	12.8×27 25×16	2	पूर्ण	19वीं	-
398.	14152	गांगेय भांगा प्रकरण	-	24.8×12 18×35	9	"	20वीं	-
399.	16543	गुण स्थानक अल्पावहुत्वा दि विचार	-	25.5×11.2 14×42	14	"	1916	लि.क.गोविन्द लि.स्था. दैवतपुर
400.	13694	गुरु वन्दन अर्थ	-	24.2×11.5 12×27	6	"	19वीं	-
401.	17083	चतुर्विंशति दण्डक विचार	-	26.8×12.2 13×46	11	"	"	-
402.	16738	चैत्यालय का अधिकार	-	29.5×14.5 13×35	81-139	"	"	जीर्ण एव जलसिक्त कोण क्षतिग्रस्त
403.	17433	चौबीस जिन कुटम्वादि	-	41×64 39×26	1	"	"	जीर्ण
404.	15754	चौवीस जिन स्तर वोल यंत्र	-	25.8×11.7 15×50	6	"	1801	लि.क.भुवन विशाल,लि. स्था.डेरा इस्माईलखां
405.	18146	चौबीस तीर्थंकर नाम	-	16×11.5 12×18	240-241	पूर्ण	1890	-
406.	14899	चौबीस दण्डक द्वार	-	11.8×25.2 15×39	8	"	19वीं	लि.क. शोभाराम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
407.	16220	च्यार गोला वर्णन	-	24.6×12 16×30	3	पूर्ण	19वीं लुहारागाम स्थानक सूत्रगत	र.का. 1907 र.स्था.
408.	16573	च्यार ध्यान विचार	-	24.3×11.2 20×36	4	"	20वीं	र.का. 1907 र.स्था.
409.	13752	च्यार पाला विचार	-	25.8×11.2 15×48	5	"	19वीं	-
410.	14128	"	-	26.8×12.8 22×64	1-2	"	1906	लि.क. सुखदान लि.स्था वीकानेर
411.	17402	छतीस द्वार	-	27×12.3 19×42	2	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
412.	14968	छब्वीस प्रश्नोत्तर	जयसोम	11×25.7 15×44	13	"	17वीं	र.स्था.लाभपुर अप्राप्त पत्र 1-6
413.	16540	छब्वीस प्रश्नोत्तर	जयसोम	25.5×11 17×60	9	पूर्ण	1656 लि.स्था.लाभपुर कीटभक्षित	लि.क.देवसिंह हेमसिंह
414.	14198	जम्बूद्वीप खण्डायोजन विचार	-	24.9×11.5 10×32	28	"	1921	लि.क.चिमनलाल
415.	17403	जिन प्रतिमा स्थापन प्रश्नोत्तर	-	30×14.5 20×50	12	"	1856	लि.स्था. नागौर
416.	17005	जीव पद स्थापना रूप चर्चा	-	26.2×13.5 14×44	9	"	1906	लि.क.ज्योतिरूप लि. स्था.अजीमगंज

1	2	3	4	5	6	7	8	9
417.	17081	ठाणा प्रकरण	ज्ञानविजयगणि	27.2×12 12×35	38	अपूर्ण	19वीं	कीटबद्ध अंतहीन
418.	17491	ढाई द्वीप का चित्र	-	61×67.5 -	1	अपूर्ण	19वीं	कीटबद्ध अंतहीन
419.	15739	दूढियों के 73 वोल	-	23.4×11 12×35	4	पूर्ण	,,	-
420.	15024	तेईस पदवी आदि विचार	-	12.5×25.9 15×46	4	अपूर्ण	19वीं	-
421.	16927	तेरह काठिया	-	26.2×11.5 17×37	12	पूर्ण	1833	-
422.	17088	तेरह द्वार रो थोकड़ा	-	27.3×12.8 13×36	9	,,	1903	-
423.	14874	दण्डक विचार तीस वोल	-	26.2×13 12×35	34	,,	19वीं	-
424.	14126	धन को स्वभाव दोहा सटीक	-	26.5×12.8 13×35	2	,,	,,	टीका संस्कृत में है
425.	14165	धर्मोपदेश	-	23×12.2 14×35	16	अपूर्ण	19वीं	12वां पत्र अप्राप्त
426.	16437.	,,	-	25.8×11 12×32	4	पूर्ण	,,	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
427.	16539	धर्मोपदेश	-	25.8×11 15×50	8	पूर्ण	18वीं	-
428.	16610	"	-	25.8×11.4 14×30	17	"	19वीं	लि.क.कीर्तिविजय लि.स्था. पूगल
429.	14209	धर्मचर्चा	-	23.2×14.2 16×30	10	पूर्ण	20वीं	-
430.	14232	नवकार वालाववोध	-	25×11.5 13×35	4	"	1700	लि.क.सोमगणि लि.स्था. जैसलमेर, रंगीन चित्रित लेखन शैली
431.	17508	नवकार महामंत्र वालाववोध	-	29.8×14.5 17×47	1-8	"	19वीं	जीर्ण
432.	16928	नाम निर्णय विधान	सुगुरु	26.2×11.5 17×37	13वां	"	1833	लि.क.धर्मोदय, लि.स्था. जैतारण
433.	16571	नियंठा अधिकार		25×11.4 18×40	7	"	20वीं	लि.क.गुमानी, लि.स्था. वीकानेर
434.	16668	पंच परावर्तन	-	25.1×12 21×42	8-10	अपूर्ण	19वीं	9वां पत्रअप्राप्त
435.	17401	पंच वीस वोल विचार	-	25.3×12.6 13×30	2	पूर्ण	"	-
436.	17372	पच्चीस वोलां रो थोकडो	-	25.7×12.5 9×38	5	अपूर्ण	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
437.	15035	प्रतिक्रमण हेतु	क्षमा कल्याण	12.2×24.4 15×34	8	पूर्ण	1900	र.स्था.बीकानेर, अंत में तपस्या विधि अपूर्ण है
438.	17451	"	"	25×11.2 16×48	2	"	19वीं	-
439.	13481	प्रतिमोत्थापक चर्चा	विनय विजय	28×13.5 20×39	13	"	1936	लि.स्था.सूरत
440.	14969	प्रश्नोत्तर	-	11.7×26.5 18×65	23	"	19वीं	-
441.	15025	"	-	11.5×25.8 16×66	4	"	1904	जीर्ण लि.क.भोला
442.	16430	"	-	27.5×12.3 18×50	13	"	20वीं	-
443.	17543	"	जयसोम	20.8×10.7 12×24	107	"	1906	लि.क.हंसराज
444.	17001	"द्वार	-	26.2×13 14×28	42	"	1924	लि.स्था. अजीमगंज
445.	17188	प्रश्नोत्तर वार्तिक	जयसोम	26.3×10.8 15×60	10	पूर्ण	17वीं	र.स्था. लाभपुर, लि.क. ठाकुरसी, लि.स्था.मुलतान
446.	13485	प्रश्नोत्तर सार्द्धशतक नो बीजक	क्षमाकल्याण वाचक	25.5×10.8 26×40	26	"	1861	र.का. 1853 र.स्था. जैसलमेर, लि.क.आर्याउत्तर धर्मरुचि, लि.स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
447.	16438	बतीस दोष वन्दना के	-	26.1×10.7 14×52	2	पूर्ण	17वीं	-
448.	15460	वारह भावना	जयसोम	26×10.8 14×52	6-7	"	18वीं	र.का. 1646 र.स्था. वीकानेर
449.	14924	वावन प्रश्न	-	11.8×26 19×42	5-11	"	1852	साथ में है 1. सैंतालीस वोल 2. सम्यक्त्व ना दस वोल 3. पंचपरमेष्टि गुण 4. सूत्रांगोपांग नाम 5. गुरु गुण नाम 6. वारह व्रत नाम
450.	17394	वासठ वोल	-	25.8×11.2 20×55	2	"	19वीं	-
451.	17397	वासठ मार्गणा द्वार	-	12.9×27 26×16	6	पूर्ण	1903	लि.स्था. अजीमगंज
452.	15756	"मार्गणा वोल	-	11×25.8 44×22	4	"	1843	लि.क.युक्तिधीर लि. स्था. गेडाप
453.	14223	" यंत्र	-	25.5×12.3 11×30	4	"	1867	लि.क.हंसराज, लि.स्था. पाली
454.	14938	वीज सचित्र अचितादि	कनीराम	11.8×25.8 14×40	10	"	20वीं	-
455.	14186	वीस विहरमान नाम	-	25.5×12.2 11×28	141वां	"	1909	लि.क.दुलीचंद, लि.स्था. वीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
456.	14912	वोलविचार	-	12.8×25.4 11×28	"	पूर्ण	1885	लि.क.रूपचंद, लि.स्था. महिमापुर
457.	15486	ब्रह्मचर्य दस समाधि कुलक	पासचंद्र	25.8×11.2 11×38	63-65	"	17वीं	-
458.	16566	भुवन द्वार	-	25×10.6 17×46	16	"	19वीं	लि.क.माणकचंद्र, लि.स्था.वीकानेर
459.	16820	भेद विचार	-	12×7 7×12	31	पूर्ण	20वीं	-
460.	13348	महादण्डक	-	22.3×10.5 20×36	7	अपूर्ण	19वीं	-
461.	14898	"	-	11.3×25.8 11×38	36	पूर्ण	"	जीर्ण
462.	17089	"	-	25.5×11.8 16×42	28	"	"	-.
463.	16933	मिथ्यात्ववानी	-	26.2×11.5 17×37	15वां	"	1833	लि.क.धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
464.	13604	" बहेतर भेद	-	31×11 19×68	प्रथम	"	19वीं	लि.क.कमलराज गणि
465.	14185	मुंहपति लेहण विचार	-	25.5×12.2 9×22	141वां	"	1909	लि.क.दुलीचन्द लि.स्था.

22(2) जैन प्रकरण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
466.	16575	मूर्तिपूजा अलावा संग्रह	-	25.9×11.1 15×45	19	पूर्ण	17वीं	-
467.	15708	रत्नासार प्रश्नोत्तर वाला वबोध	-	26.6×12.7 17×50	45	"	1934	लि.क.नारायणचन्द्रलि. स्था.रायपुर
468.	14886	लघुदण्डक प्रश्नोत्तर	-	26×12 15×40	15	पूर्ण	1900	जीर्ण लि.क.महिमाशील
469.	16542	लंका प्रश्न के उत्तर	पार्श्वचन्द्र	26.4×11.5 19×70	8	पूर्ण	17वीं	-
470.	16556	लोकनाथ वतीसी वाला	-	25.7×11.4 13×42	6	"	"	-
471.	17240	विचार पत्र	-	24.8×11 10×30	6	"	19वीं	लि.क.गुलाल विजय
472.	16349	विचार षटत्रिंशिका वाला-वबोध	-	25.5×11.3 15×42	17	"	17वीं	केवल वालावबोध है
473.	16350	"	-	24.7×11 15×37	20	"	1770	" जीर्ण
474.	16568	" संग्रह	-	25.1×12.7 14×48	7	"	20वीं	लि.क. पुण्यविजय नगविजय लि.स्था.जोधपुर
475.	17084	" सारोद्धार	-	26.2×12.2 17×32	76	"	1895	लि.क.रूपसौभाग्य लि.स्था. अजीमगंज कीटभक्षित

1	2	3	4	5	6	7	8	9
476.	16665	विविध विचार	-	26.8×12.4 17×40	2	पूर्ण	19वीं	-
477.	15003	विशेष शतक भाषा	ईसरदास दुगड टी. रामचन्द्र गणि आनंद वल्लभ	11.5×24.7 12×30	1-29	"	वि.सं. 1882	-
478.	17210	"	"	24.7×11.7 13×35	23	"	19वीं	र.का. 1882 र.स्था. वालचर
479.	16923	वेद निर्णय पंचाशिका	बनारसीदास	26.2×11.5 17×37	8-11	"	1833	लि.क. धर्मोदय, लि.स्था. जैतारण
480.	13695	शरीर अवगाहनादि द्वार	-	25.2×11 14×40	13	"	19वीं	-
481.	14131	शीलोपदेश माला वाला	टी. मेरुसुन्दर	25.5×11.2 13×40	183	अपूर्ण	1850	लि.क. धर्मसुन्दर मुनि देशनोक, प्रथम पत्र अप्राप्त जीर्ण
482.	17505	श्रावकाराधना वालाववोध	टी.राजसोम	26.3×12 17×45	5	पूर्ण	1824	लि.क. कमल अक्षय देवविजय गणि, लि.स्था. हरिदुर्ग
483.	13507	श्रावकाराधना भाषार्थ	-	26.3×13 30×34	28-33	अपूर्ण	19वीं	-
484.	15001	श्रावक अहोरात्र कृत्य	-	25.6×11.6 13×36	16	"	19वीं	अप्राप्त पत्र 5वां, 7वां

1	2	3	4	5	6	7	8	9
485.	16565	श्रावक प्रतिक्रमण	-	25.4×12.4 24×48	30	पूर्ण	20वीं	लि.स्था. नागौर मूल संस्कृत में है।
486.	16002	श्रावक भांगाधिकार	-	24.3×10.9 9×28	5	"	1897	-
487.	17320	श्री ध्यान	-	20.5×11 7×30	2-7	अपूर्ण	1922	लि.क.लाला ख्यालीराम, लि.स्था. रिवाडी, प्रथम पत्र अप्राप्त
488.	13657	संख्या सासोत्स्वासनी	-	22.2×11.5 16×35	23वां	पूर्ण	1925	" लि.क.जीव
489.	17399	संजीया	-	12.8×27 24×22	3	अपूर्ण	19वीं	-
490.	16671	संदेह स्थान	-	25.1×12 21×42	14	पूर्ण	19वीं	-
491.	15472	संवोध रामायण	नयचन्द्र सूरि	25.5×11 16×44	2	पूर्ण	17वीं	लि.क हंसराज पदम तिलक अपभ्रंश का ग्रंथ है प्रा/सं.सूचीपत्र में नहीं आया है
492.	13605	सम्यकत्व ना सडसठ वोल	-	31×11 19×68	1-2	"	16वीं	लि.क. कमलराजगणि
493.	14240	"	-	20.5×9.4 14×35	5	"	18वीं	लि.क. रामविजयगणि
494.	15391	समकित कुलक	-	26.4×11.5 9×28	20	अपूर्ण	17वीं	जीर्ण 16वां पत्र अप्राप्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
495.	16569	समकित विपयक चौपन मिथ्यातत्व	-	25×10.7 18×48	3	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
496.	13482	" संसार चर्चा	-	25×12.7 28×34	86	"	1910	लि.क. गुलजारीमल लि. स्था.पालमग्राम जिला दिल्ली
497.	13510	साधु आराधना भापार्थ	समयसुन्दर उपाध्याय	26×12.3 22×34	17	"	20वीं	र.का. 1685 र.स्था. रिणी
498.	15016	सामायिक ग्रहण विचार	-	11×24.5 17×50	2	पूर्ण	19वीं	-
499.	14102	सिन्दूर प्रकरण भाषा	वनारसीदास	20.5×11 9×32	19	"	1939	र.का.1691 लि.क. लालचन्द्र, लि.स्था.स्यालकोट, अपरनाम सूक्ति मुक्तावली
500.	15420	"	"	26.8×13.2 15×46	4-12	"	19वीं	र.का. 1691
501.	16922	"	"	26.2×11.5 17×37	1-8	"	1833	लि.क. धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
502.	13476	सिद्धांत सारोद्धार वालाववोध	-	25.5×10.8 34×42	46	"	19वीं	-
503.	13477	"	-	24.5×12.8 30×30	62	अपूर्ण	"	लि.क. पं. रामचन्द्र
504.	13479	"	-	26.2×12 -	65	पूर्ण	1871	लि.स्था. अजीमगंज

1	2	3	4	5	6	7	8	9
505.	13480	सिद्धांत सारोद्धार बालावबोध	-	28.5×12.8 46×55	32	पूर्ण	1885	लि.क.लालविजय, लि.क. कुकरवाडा
506.	13483	”	-	25.3×11.8 42×50	16	”	19वीं	नवम द्वार तक
507.	16857	सूक्त मुक्तावली	बनारसीदास	23.1×10.5 13×42	11	”	18वीं	सिन्दूर प्रकरण हिन्दी भाषानुवाद है
508.	14887	सूक्तमाला	केसर विमल	11.5×25.8 14×42	8	”	19वीं	र.का. 1754 क्षतिग्रस्त
509.	17080	सूक्तमाला	”	22.5×10.8 11×35	13	”	1850	र.का. 1754 लि.क. अन्नविजय, लि.स्था. सीतामोह
510.	18147	सोलह सती नाम	-	16×11.5 12×18	241वां	”	1890	-
511.	13665	स्फुट आशातना	-	22.2×11.5 16×35	32वां	”	1925	-
512.	15394	हरियाली सस्तवक	वीरविजय	26.5×11.6 11×38	3	”	19वीं	क्षतिग्रस्त लि.स्था. हैदराबाद
513.	17416	हरियाली सस्तवक	देपाल	26×12.5 12×40	1	पूर्ण	1774	लि.क. राजाराम
514.	14960	हेमदण्डक यंत्र	-	11.8×25.8 31×32	7	अपूर्ण संस्कृत भाषा है। अपरनाम चौबीस दण्डक विचार	19वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त कहीं

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22/3 जैनाचार								
515.	14997	अतिचार आलोयणा विधि	-	25×11.8 15×45	101-114	पूर्ण	19वीं	कीटविद्ध
516.	17352	"	-	25.5×11.4 12×42	6	"	19वीं	-
517.	17353	"	-	25.2×11.8 10×32	10	"	"	-
518.	15137	अनाहत पूजा विधि	-	11.6×21.1 11×32	6-9	"	1930	-
519.	15012	अनुपयोग आढवह		11×26 13×50	2	"	17वीं	कीटविद्ध साथ में छेद ग्रंथ प्रमाण है।
520.	16638	अष्टप्रकारी पूजा	-	22.3×11 14×35	3	पूर्ण	1865	लि.क. बखता, लि.स्था. मुलतान
521.	16905	"	-	24.6×11.8 10×26	6	"	20वीं	-
522.	17338	"	भाग्य विजय	26.2×12.3 15×42	5	"	19वीं	र.का. 1887, र.स्था. राजगढ, साथ में क्षमाकल्याण कृत नवपद आरती है।
523.	17568	"	देवचन्द	9.5×11 15×15	70-76	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
524.	17628	”	-	17×13.2 15×24	68-75	पूर्ण	20वीं	-
525.	18103	अष्टप्रकारी पूजा	-	15.3×11.5 9×16	247-256	”	19वीं	-
526.	18249	”	ज्ञान उद्योत	12×11 9×12	28-58	”	”	र.का. 1853
527.	17425	” पोहर री पोषध विधि	-	26.8×12.3 13×45	4	”	”	-
528.	17622	अष्ट पोहर री पोषध विधि	-	26.8×12.3 15×24	4	पूर्ण	19वीं	-
529.	15045	अष्टाह्निका स्नात्र विधि	-	11×24.2 16×46	1-2	”	18वीं	जीर्ण
530.	15065	”	-	13×25.2 13×34	16-19	”	19वीं	-
531.	15121	”	-	11×24.6 24×44	2	”	”	-
532.	16622	”	-	25.6×11.1 17×45	3	”	”	-
533.	16646	”	-	25.8×12.1 11×32	5	”	1929	लि.क. प्यारचंद, लि.स्था. जावरा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
534.	16894	आबूजी री पूजा	सुमति मण्डन	25.6×11 10×35	10	पूर्ण	1943	र.का. 1940 र.स्था. बीकानेर
535.	16943	आराधना विधि	समयसुन्दर	26.9×13 15×41	1-7	"	19वीं	-
536.	13788	आलोयणा विधि	-	21.5×10.8 11×28	31व 32	पूर्ण	20वीं	-
537.	15587	"	-	25.8×12.3 24×64	3	"	19वीं	साथ में समकित विचार
538.	15726	"	-	24.8×11.8 15×37	3	"	20वीं	लि.क. जसवंत विजय
539.	16921	"	-	25.1×11.7 13×33	9	"	19वीं	-
540.	17043	"	-	27×12 11×27	16-17	"	1929	लि.क.मोहनमुनि, लि. स्था. महिमापुर
541.	17182	"	-	26.1×12.2 16×32	6	"	1890	लि.क.रूप सौभाग्य
542.	15050	इकवीस प्रकारी पूजा	शिवचन्द्र	12.3×26 18×46	19	"	1914	र.का. 1878 लि.क. धनसुख, लि.स्था विक्रमपुर
543.	16644	"	चरित्र नन्दी	25×11.8 11×33	11	"	19वीं	लि.क.पन्ना लाल

1	2	3	4	5	6	7	8	9
544.	16900	इकवीस प्रकारी पूजा	शिवचन्द्र	25×11.1 9×16	9-16	पूर्ण	19वीं	र.का. 1878, र.स्था. जयपुर
545.	15041	उपधान विधि	-	10.5×25.3 16×50	2	"	18वीं	जीर्ण
546.	16666	"	-	25.8×14.7 18×40	1-2	"	19वीं	-
547.	15713	ऋषि मण्डल पूजा	शिवचन्द्र	25.6×12.2 10×30	14	"	20वीं	र.का. 1879, र.स्था. जयपुर
548.	16899	"	"	25×11.1 14×40	1-8	"	19वीं	"
549.	16907	"	"	24.3×12.8 9×30	41	"	1901	"
550.	16914	"	"	25×12 10×30	15	"	20वीं	"
551.	17186	एक विज्ञप्ति प्रकारी पूजा	"	26×12.3 16×32	9	"	1890	र.का. 1878, र.स्था. जयनगर
552.	15728	कल्पसूत्र मांडणी	-	26×12 16×52	8	पूर्ण	19वीं	-
553.	15727	कल्याण मंदिर ऋद्धि मंत्र यंत्र विधान	-	23×13.4 17×35	4	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण, मंत्र संस्कृत में है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
554.	15755	गांगेय भांगा विकल्प विधि	-	26.1×10.8 13×42	3	पूर्ण	20वीं	-
555.	15718	गृहसूतक कुल सूतकविचार	-	25.2×12.5 13×42	7	"	20वीं	-
556.	16637	गृह स्नात्र विधि	-	22.3×9.3 10×23	12	"	"	-
557.	17623	चतुर पोहर री पौषध विधि	-	17×13.2 15×24	44-46	"	"	-
558.	17586	चतुर्विंशति जिन पूजा	रामचन्द	15.6×15.5 14×20	2-88	"	19वीं	पूर्व में दो पत्र आणंद संधि के है
559.	14990	चैत्य प्रतिष्ठा विधि	-	25×11.8 15×45	41-44	"	"	कीटविद्ध
560.	15127	"	-	11.6×25.2 -	2	"	"	-
561.	17499	चैत्य प्रतिष्टा विधि	-	25.2×12.4 11×24	6	पूर्ण	1936	लि.क. छत्रचंद, लि. स्था. अजीमगंज
562.	16628	चैत्री पूनम आराधना	-	25.4×11.8 13×38	3	"	19वीं	-
563.	17413	" पूनम तप लेवा विधि	-	26.3×12.3 11×34	4था	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
564.	14988	" देववन्दन विधि	-	25×11.8 15×45	37-39	पूर्ण	19वीं	कीटविद्ध
565.	16627	चैत्री पूनम देववन्दन विधि	-	25.8×11.3 15×32	3रा	"	1828	लि.स्था. आहडसर
566.	18157	चौवी तीर्थंकर पंचकल्याण	-	13.3×9.5 8×14	1-9	"	1886	-
567.	16762	चौमासी देववन्दन विधि	-	26.5×13.5 7×18	51	"	1949	लि.क.केसरीचन्द लि.स्था. विक्रमपुर
568.	16920	"	-	24.8×11.5 10×30	21	"	19वीं	-
569.	15057	चौसठ प्रकारी पूजा	वीरविजय	12.8×27.7 12×36	33	"	1885	र.का.1874, र.स्था. राजनगर, लि.स्था. राजनगर, मूषक भक्षित
570.	17411	चौदस लेने की विधि	-	26.3×12.3 11×34	1-3	पूर्ण	20वीं	-
571.	16200	चौदह नियम	-	27×13 11×35	2-13	"	1897	लि.क. लाभसमुद्र गणि
572.	15047	चौदह राजलोक पूजा	-	12.5×26 16×40	7	"	1953	र.का. 1953, र.स्था. वीकानेर, कीटविद्ध
573.	16917	चौदह सपना री पूजा	हीरधर्म	26×12.5 13×35	5	"	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
574.	17625	छहमासी तप चिंतन विधि	-	17×13.2 15×24	49-50	पूर्ण	20वीं	-
575.	15135	जिन विम्व स्थापन विधि	-	11.6×21.1 11×32	1-5	"	1930	-
576.	14992	ज्ञान पंचमी उद्यापन विधि	-	25×11.8 15×45	44-45	"	19वीं	कीटविद्ध
577.	14986	ज्ञानपंचमी चैत्यवंदन विधि	-	- -	34-36	"	"	"
578.	15054/2	ज्ञान पंचमी चैत्यवंदन विधि	-	10.8×24.8 11×32	10-12	"	"	-
579.	15061	ज्ञानपंचमी चैत्यवंदन विधि	-	10.8×24.8 11×32	10-12	पूर्ण	19वीं	अंत में एक ढाल है
580.	17390	"	विनयचन्द्र	28.2×13 11×26	20-23	"	1917	लि.क.देवक लि.स्था. अजीमगंज
581.	15069	"देववंदन विधि"	विजयलक्ष्मी सूरि	12.8×25.5 12×35	4	अपूर्ण	1919	पाठअविछिन्न कीटविद्ध 2रा पत्र अप्राप्त
582.	16633	"	-	26×11.5 12×40	2	पूर्ण	19वीं	-
583.	16763	"	-	26.7×12.8 8×21	24	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
584.	16632	ज्ञानपंचमी पूजन विधि	-	26.7×13.2 13×33	3	पूर्ण	19वीं	-
585.	15036	तपग्रहण पारणा विधि	-	10.8×24.9 11×30	2	"	"	-
586.	15068	तपलेवा नान्दी विधि	-	11×25.5 16×46	2	"	"	-
587.	17434	तपविधि	-	25.6×11.2 13×42	5	"	1836	लि.क-माणिकचंद मथेन
588.	17231	तपस्या ग्रहण पारणा विधि	-	25.3×12.6 13×28	4	पूर्ण	20वीं	लि.क. सरूपचंद
589.	17421	तपस्या ग्रहण पारणा विधि	-	25.3×12.5 17×30	1-7	"	"	साथ में मौन एकादशी गुणना है।
590.	14994	तपस्या विधि	-	25×11.8 15×45	54-65	"	19वीं	कीटविद्ध
591.	15023	"	-	12.3×25.8 13×28	8	"	"	-
592.	15063	"	-	13×25.2 13×34	1-7	"	"	-
593.	17593	तपोद्योतनअधिकार सत्तावनी	-	15.6×15.5 14×20	111-115	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
594.	15138	दस दिग्पाल नवग्रह पूजन विधि	-	11.6×21.1 11×32	9-14	पूर्ण	1930	-
595.	15554	दस पञ्चखाण	-	26×12 15×44	2	"	19वीं	-
596.	15043	दस वैकालिक योग विधि	-	13×27.3 10×42	3	अपूर्ण	20वीं	अंतहीन
597.	16643	दादाजी अष्टप्रकारी पूजा	-	25×12.2 13×42	2	पूर्ण	19वीं	अंत में स्फुट आरती है
598.	18296	"	-	11×9.4 12×18	81-85	"	"	-
599.	15114	दीक्षा विधि	-	12.7×28.7 10×42	3-5	"	20वीं	अपरनाम नांदी स्थापना विधि है।
600.	16618	"	-	25.1×11 15×35	2	"	19वीं	-
601.	15115	देववन्दन विधि	-	12.7×28.7 10×42	3-5	"	20वीं	अपरनाम नांदी स्थापना विधि है
602.	17239	"	-	25.6×11.6 13×32	4	"	19वीं	प्रारम्भ में चौहदस, पांचम एकादशी लेवाविधि है
603.	17472	"	-	25.9×12.3 13×35	1-9	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
604.	17621	देवसी प्रतिक्रमण विधि	-	17×13.2 15×24	34-37	पूर्ण	20वीं	-
605.	16648	नन्दीश्वर द्वीप पूजा	शिवचन्द्र	26.3×12.3 15×48	5	"	19वीं	-
606.	16906	नन्दीश्वर द्वीप पूजा	शिवचन्द्र	25×12.4 13×38	6	"	1884	र.का. 1806 र.स्था. जयपुर लि.क. चक्रपाणि धजाधारी, स्था. जयपुर
607.	16911	"	"	25×12 10×32	21	"	19वीं	-
608.	17263	नवपद उजमणे की विधि	-	26.3×12.3 13×32	3	"	1886	लि.क. रूपसौभाग्य, लि. स्था. अजीमगंज
609.	16650	नवपद कलश पूजा	-	21×11.2 12×28	3-12	"	19वीं	-
610.	15060	नवपद क्षमा श्रमण दान	-	10.8×24.8 11×32	1-10	"	"	-
611.	15058	नवपद पूजा	ज्ञान विमल	12.7×26 10×34	16	"	1873	साथ में है नवपद कलश पूजा जसवाचक 2. सिद्धचक्र नवपद महिमा स्तवन जिनलाभसूरी
612.	15067	नवपद पूजा	-	12×25.8 16×46	6	पूर्ण	19वीं	-
613.	15141	"	-	11.6×21.1 11×32	22वां	"	1930	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
614.	16913	नवपद-पूजा	जसविजय	24.8×12 10×28	10	पूर्ण	20वीं	-
615.	17630	”	-	17×13.2 15×24	84-95	”	”	-
616.	18104	”	जसविजय	15.3×11.5 9×16	256-276	”	19वीं	-
617.	13719	नवपद रो गुणनो	-	24.8×12	7	”	”	-
618.	16653	नवपद लघु पूजा	-	26.3×12.5 17×43	3	”	20वीं	जीर्ण
619.	15055	निन्याणवे प्रकारी पूजा	वीर विजय	12.5×28.5 12×40	6	पूर्ण	1885	र.का. 1884, र.स्था. पालीताणा
620.	15056	निन्याणवे प्रकारी पूजा	वीर विजय	12.1×23 12×21	11	पूर्ण	1889	र.का. 1884 र.स्था. पालीताणा, लि.क. प्रेमचन्द लि.स्था. पाटडी
621.	16896	”	अमरसिंह	25.5×11 10×35	12	”	1943	-
622.	16655	पंचकल्याणक टीप	-	12×27 41×9	2	”	19वीं	-
623.	16656	”	-	11.3×48.7 58×10	2	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
624.	16649	पंचकल्याणक पूजा	-	28.1×11.5 12×32	10	पूर्ण	19वीं	लि.क. नारायण
625.	16817	"	विजयविमल	21.1×11 10×25	18	"	20वीं	र.का.1913, र.स्था. विक्रमपुर
626.	16895	"	-	25.5×11 10×38	12	"	1944	लि.क. आचार्य जोरा
627.	16903	"	विजयविमलवालचंद	15×11.1 11×34	17-31	"	1930	र.का.1913 र.स्था. वीकानेर अंतिम पत्र पर सोलह स्वप्न गान है।
628.	16909	पंचकल्याणक पूजा	विजयविमल वालचंद	24.8×11.9 10×28	19	पूर्ण	1944	र.का.1913 र.स्था. वीकानेर अंतिम पत्र पर चौदह स्वप्न गान है।
629.	16916	"	"	25.5×12.5 9×32	14	"	1945	र.का.1913 र.स्था. वीकानेर लि.क. महिरचंद मुनि
630.	17184	पंचकल्याणक पूजा	-	28.3×11.6 14×40	7	"	19वीं	-
631.	17412	"	-	26.3×12.3 11×34	3-4	"	20वीं	-
632.	16652	"ज्ञान"	सुमति मण्डन	25.7×12.7 13×41	5	"	"	र.का.1940 र.स्था. वीकानेर
633.	16915	"	"	25.5×11 10×30	7	अपूर्ण	1943	"

1	2	3	4	5	6	7	8	9
634.	15053	पंच परमेष्टि पूजा	सुमति मंडन	12×25.9 10×28	12	पूर्ण	1959	लि.क. चतुरपदम लि. स्था. बीकानेर
635.	16616	पंच प्रतिक्रमण विधि	"	25.5×12.5 10×28	12	"	1959	लि.क. चतुरपदम लि. स्था. तूणिया
636.	14991	पंचमी ग्रहण विधि	-	25×11.8 15×45	44वां	पूर्ण	19वीं	कीटविद्ध
637.	16629	पंचक्खाण विधि	-	24.5×11.2 19×55	2	"	1837	लि.क. रत्नसुंदर
638.	14955	पच्चीस क्रिया विवरण	-	11×26 13×37	2	"	18वीं	जीर्ण
639.	15729	पर्यूषणा विचार	-	25×11.8 13×42	2	"	20वीं	-
640.	15013	पाक्षिक प्रतिक्रमण विधि	-	12×25 15×40	3-4	"	1854	-
641.	15022	"	-	12.2×26.2 13×40	2	"	19वीं	-
642.	15748	पाक्षिक प्रतिक्रमण विधि	-	25.8×12 10×28	3	पूर्ण	19वीं	-
643.	17624	"	-	17×13.2 15×24	46-49	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
644.	17115	पाक्षिक संवत्सरी विधि	-	26.4×11.7 12×26	18	पूर्ण	1868	लि.क. राजसौभाग्य लि. स्था. अजीमगंज
645.	16444	पीत वस्त्र विचार	-	28.4×14 10×29	4	"	19वीं	-
646.	15054/1	पैंतालीस आगम पूजा	वीरविजय	13×28 12×40	6	"	1883	र.का. 1881 र.स्था. राजनगर,लि.स्था. राजनगर
647.	16897	"	ऋद्धिसार	25.6×11 10×35	11	"	1943	र.का. 1930 र.स्था. वीकानेर
648.	15042	पोषध लेवा विधि	-	11.6×25.5 13×28	2	"	19वीं	-
649.	16657	"	-	25.4×10.8 13×48	3	"	"	-
650.	16619	पोषध विधि	-	19.3×11 7×15	6	"	20वीं	-
651.	16631	"	-	25.6×11.1 19×46	2	"	19वीं	-
652.	17246	"	-	24.3×11.3 14×32	3	"	1874	लि.स्था. अजीमगंज
653.	15011	प्रतिक्रमण विधि	शिवनिधान	11.5×25.8 21×50	9	"	1774	लि.क.नयनभद्र,लि.स्था वीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
654.	15029	प्रतिक्रमण विधि	-	11×21.4 10×25	15	पूर्ण	19वीं	-
655.	18078	"	-	15.3×11.5 9×16	42-50	"	"	-
656.	17261	प्रतिष्ठा विधि	"	26.6×11.5 14×50	10	"	"	लि.क. विनयरंग लि. स्था. वनारस
657.	15039	प्रायश्चित	-	11.7×26.4 15×55	4	"	1785	-
658.	15026	" विधि	क्षमाकल्याण	13×28 13×45	7	अपूर्ण	19वीं	र.स्था. वालूचर प्रथम पत्र अप्राप्त
659.	15377	"	"	25.4×11.2 16×40	5-11	पूर्ण	"	-
660.	13687	वारह व्रत टीप	"	25.3×11.3 13×40	1-9	"	"	किनारे कीटविद्ध
661.	15733	"	"	26×11 21×62	2	"	"	-
662.	13678	" परिग्रहण"	-	26×10.8 15×50	7	"	1660	लि.क. शंकरमुनि
663.	13688	वारह व्रत परिग्रहण विधि	-	25.3×11.3 13×40	9-	पूर्ण	19वीं	किनारे कीटविद्ध

1	2	3	4	5	6	7	8	9
664.	15712	वारह व्रत पूजा विधि	वीरविजय	28×12.2 13×45	7	पूर्ण	1887 राजनगर लि.स्था.	र.का. 1887 र.स्था. राजनगर
665.	16893	"	-	25.5×11 10×35	17	"	19वीं	-
666.	13478	" भाषार्थ	उद्योतसागर	26×13 24×33	126	"	20वीं	-
667.	15133	विम्व प्रतिष्ठा विधि	-	12.3×26.8 9×34	22	"	1957	-
668.	15134	"	-	12.7×27.5 12×40	4	"	1907	लि.क. शिवरत्न लि.स्था. रतलाम
669.	17409	"	-	23.6×11.3 12×35	3	"	20वीं	-
670.	17410	"	-	26.2×11.5 13×42	2	"	"	-
671.	17560	"	-	8×9 9×8	106	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 1-10
672.	18341	विम्व प्रतिष्ठा विधि	-	21.5×12.3 13×24	28	पूर्ण	19वीं	-
673.	17044	मुंहपति पडिलेहण विधि	-	27×12 11×27	17-18	"	1929	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
674.	17275	मुंहपति पडिलेहण विधि	-	24.2×10.2 9×28	44-46	पूर्ण	1896	-
675.	14922	मौन एकादशी गुणना	-	12×25.5 12×35	3	पूर्ण	19वीं	-
676.	16654	"	-	23.2×10.2 12×29	3	"	"	जीर्ण
677.	17510	'	-	29.8×14.5 21×55	8-12	अपूर्ण	"	जीर्ण
678.	16535	यत्याराधना विधि	समयसुन्दर उपाध्याय	23.9×13.2 14×38	11	पूर्ण	1983	र.का. 1685 र.स्था. रिणी, लि.क.चतुर्भुज,
679.	15007	योगविधि	शिवनिधान	10.7×25.4 17×52	18	"	1749	लि.क.युक्तिसुंदर, लि. स्था. नवलखी
680.	16621	"	-	25.7×10.8 20×60	14	अपूर्ण	1731	लि.क. जयविमल, लि. देवीपुर, अप्राप्त पत्र5,6
681.	16612	योगव्रत उपाधान विधि	-	26.6×12.3 9×35	40	पूर्ण	20वीं	-
682.	15032	राइदेवसी प्रतिक्रमण विधि	-	13.2×26.8 15×41	4	"	"	-
683.	15724	"	-	26×10.8 11×38	3	"	17वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
684.	17668	राइदेवसी प्रतिक्रमण विधि	-	17×13.2 15×24	28-32	पूर्ण	20वीं	-
685.	17242	राई संथारा गाथानो अर्थ	-	25×11.2 15×40	3	”	19वीं	अंतिम पत्र पर संस्कृत में पार्श्व स्तुति है
686.	17617	रात्रि सामायिक विधि	-	17×13.2 15×24	27-28	”	”	-
687.	13742	वीस स्थानक गाथा पाखंडी	-	26.5×11.8 10×35	3	”	”	-
688.	16658	”	-	25.4×11.5 10×38	3	”	”	-
689.	14995	” तप विधि	-	25×11.8 15×45	65-94	”	”	कीटविद्ध
प 690.	15037	वीस स्थानक तप विधि	-	11.7×25.5 13×34	6	पूर्ण	19वीं	-
691.	17035	”	-	25×12.9 11×32	56	”	1845	-
692.	16902	” पूजा ”	जिनहर्ष सूरि	24×12.3 14×35	15	”	19वीं	र.का.चन्द्रदिनेन्द्र हरिमुख विधि नयन छिति र.स्था. वालचर
693.	16910	”	”	24.9×11.9 10×28	23	”	1871	र.का.”

1	2	3	4	5	6	7	8	9
694.	14993	वीस स्थानक पूजा विधि	-	25×11.8 15×45	45-54	पूर्ण	19वीं	कीटविद्ध
695.	15052	"	जिनहर्ष सूरि	12.3×25.8 11×32	21	"	"	लि.क.रामचंद्र, लि. स्था. अजीमगंज
696.	15064	"	-	13×25.2 13×34	7-16	"	"	-
697.	15395	वैराग्य माई	-	25.7×11 13×44	3	"	17वीं ऊपरनाम वैराग्य मातृका	जीर्ण एवं कीटविद्ध
698.	16114	श्राद्ध अहोरात्र विधि	-	25.2×10.5 11×38	24	पूर्ण	1877	लि.क.जगमाल, लि.स्था. विक्रमपुर
699.	16198	श्रावक नी करणी	जिनहर्ष	27×13 11×35	10-11	"	1897	लि.क. लाभसमुद्रगणि
700.	18301	"	"	15×11 13×18	39-42	"	1831	-
701.	18317	"	"	17.5×15 15×22	71-72	"	1849	-
702.	18319	"	"	14.5×10.5 10×18	23-25	"	19वीं	-
703.	14985	श्रावक विधि प्रकाश	क्षमाकल्याण	12×24.5 14×36	20-34	"	19वीं	र.का. 1838, र.स्था. जैसलमेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
704.	15033	श्रावक विधि प्रकाश	क्षमाकल्याण	10×25.7 15×34	16	अपूर्ण	1926	" स्था. अजीमगंज 5वां पत्र अप्राप्त
705.	15034	"	"	10×25.7 14×34	16	पूर्ण	1883	र.का. 1838 र.स्था. जैसलमेर
706.	16669	श्रावक विधि प्रकाश	-	25.1×12 21×42	10-12	पूर्ण	19वीं	-
707.	14941	"समाचारी	सुखलाल	10.6×27 13×44	8	"	1904	लि.क. हुकमचंद लि. स्था. जैतारण
708.	14942	श्रावकातिचार	-	12.2×25.7 10×25	12	"	1928	लि.क.कपूरचंद, लि.स्था. विक्रमपुर
709.	15070	"	-	11×26.5 12×34	6	"	19वीं	-
710.	15490	"	पासचन्द्र	25.8×11.2 11×38	80-92	"	17वीं	-
711.	16560	"	-	25.5×11.5 11×34	5	"	19वीं	लि.क.उम्मेदविजय
712.	16564	"	-	24.3×12.8 14×37	7	"	1914	लि.क. नारायण लि.स्था. बीकानेर
713.	17046	"	-	27×12 11×27	22	"	1929	लि.क. मोहनमुनि लि.स्था. महिमापुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
714.	17159	श्रावकातिचार	-	24.2×12 6×12	38	पूर्ण	20वीं	-
715.	17603	"	-	19.8×14.5 14×20	38-48	"	19वीं	-
716.	17626	"	-	17×13.2 15×24	50-60	"	20वीं	-
717.	18323	"	-	27×13.5 9×28	12	"	1912	लि.क.लक्ष्मीशेखर, लि. स्था. जयपुर
718.	17620	संध्या सामायिक विधि	-	17×13.2 15×24	33-34	"	20वीं	-
719.	16898	सम्मेत शिखर पूजा	बालचंद	25.1×11.2 11×38	8	"	1930	र.का. 1908, लि.क. गवरीश्रव
720.	16908	"	"	24.7×11.8 10×31	13	अपूर्ण	20वीं	र.का. 1908 11वां पत्र अप्राप्त
721.	15051	सतरह भेदी पूजा	साधुकीर्ति	11.8×26 10×34	8	पूर्ण	19वीं	र.का. 1918 र.स्था.अणहिलपुर,
722.	15351	" पूजा	"	22.4×11 19×48	9-11	"	"	लि.क.सुखहेम, लि.स्था. मरोट अंत में पार्श्वनाथ स्तवन है।
723.	15715	सतरह भेदी पूजा	साधुकीर्ति	25×10.7 12×40	5-10	पूर्ण	19वीं	र.का. 1618 र.स्था. अणहिलपुर

22(3) जैनाचार

1	2	3	4	5	6	7	8	9
724.	16912	सतरह भेदी पूजा	साधुकीर्ति	24.7×12 10×28	10	पूर्ण	20वीं	-
725.	17567	"	देवचन्द्र	9.5×11 15×15	45-70	"	19वीं	-
726.	17629	'	साधुकीर्ति	17×13.2 15×24	75-84	"	20वीं	-
727.	18253	"	"	12×11 9×12	104-128	"	1862	-
728.	16534	साधु अतिचार	-	25×11 11×34	4	"	1962	लि.क. जगमाल
729.	13459	साधु समाचारी भाषार्थ	-	23.2×12 20×27	10	"	19वीं	-
730.	15008	साधूपस्थान योगविधि	शिवनिधान	11.3×25.5 17×48	8	"	1722	लि.क. कुशललाभ लि. स्था.जालोर
731.	15027	"	"	12.3×25 19×56	9	"	20वीं	लि.क.अमरदत, लि.स्था. पाली
732.	15028	साधूपस्थान योग विधि	शिवनिधान	11.1×25.5 19×54	7	पूर्ण	18वीं	जीर्ण
733.	16533	साध्वतिचार	-	26×11.4 12×36	4	"	1790	जीर्ण लि.स्था. अमरबगरा ग्राम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
734.	16620	सामायिक पारध विधि	-	24.7×11 11×39	2	पूर्ण	19वीं	लि.स्था. पाली
735.	17619	"	-	17×13.2 15×24	32-33	"	20वीं	-
736.	18190	"	-	13.3×9.5 8×14	132-134	"	1886	-
737.	16630	" प्रतिक्रमण विधि	-	23.1×13.6 12×23	9	"	19वीं	जीर्ण
738.	18189	"	-	13.3×9.5 8×14	123-132	"	1886	-
739.	15031	" विधि	-	12.4×24.6 11×35	2	"	19वीं	-
740.	18081	"	-	15.3×11.5 9×16	71	"	"	71वां पत्र दो बार आया है
741.	18218	सामायिक विधि	-	15.7×10.5 10×22	1-4	पूर्ण	19वीं	-
742.	17058	सिद्धचक्र ओली विधि	-	27.2×13 14×32	16	"	"	-
प 743.	17569	सिद्धचक्र नवपद पूजा	-	9.5×11 15×15	76-172	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
744.	18250	”	जसविजय	12×11 9×12	59-98	पूर्ण	1862	-
745.	14987	सिद्धचक्र मण्डन विधि	-	25×11.8 15×45	36-37	”	19वीं	कीटविद्ध
746.	14996	” विधि	-	” ”	94-101	”	”	”
747.	16901	सिद्धाचल पूजा	सुमति मण्डन	25×11.2 11×44	9	”	1930	र.का. 1930, लि.क. गिरिशचन्द्र
748.	15714	स्नात्र पूजा विधि	देवचन्द्र	25×10.7 12×40	1-5	”	19वीं	-
749.	15725	स्नात्र पूजा विधि	देवचन्द्र	25.5×10.7 12×42	4	पूर्ण	1835	-
750.	16645	”	”	25.8×11.7 13×43	4	”	19वीं	-
751.	16647	”	”	25.3×12.7 12×28	13	”	1894	लि.क. भैरचंद लि.स्था. नागपुर
752.	16824	”	”	14.3×10.8 15×28	7	”	19वीं	-
753.	16904	”	”	24.6×12 10×30	7	”	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
754.	17627	स्नात्र पूजा विधि	जसविजय	17×13.2 15×24	60-68	पूर्ण	20वीं	-
755.	18102	"	"	15.3×11.5 9×16	233-247	"	19वीं	-
22(4)-रास चउपई								
756.	16062	अंजना चौपई	भुवनकीर्ति	25.7×11 14×40	29	"	1714	र.का. 1706 वि.उदयपुर लि.क. भाग्यवर्द्धन
757.	15206	अंजना रास	-	12.7×24.9 18×38	14	"	1929	-
758.	15293	अंजना रास	-	11.3×25.9 14×32	17	पूर्ण	1765	जीर्ण, लि.क.सुरताण, लि. स्था. गोपालपुरा
759.	15261	अंजना सुन्दरी प्रवंध	गुणविनय	10.9×25.1 17×48	7	"	18वीं	र.का. 1662 र.स्था. खंभारत लि.स्था. राजनगर
760.	15177	अइमता चौपई	लक्ष्मी रत्न	11.8×27.2 16×44	14वां	"	1769	-
761.	15271	अगडदत चौपई	ललित कीर्ति	10.7×23.9 18×42	11	"	19वीं	र.का. 1679 र.स्था. भुजनगर, लि.क.हीरराज,
762.	15443	अजितसेन कुमार नटवी नी	-	17.9×11.3 18×34	11	"	20वीं तक पार्वती कृत व्रत मंडली कृति है।	प्रारम्भ में पत्र सं. 1-7
763.	16856	अठारह पापस्थान रूप सवैया	लालचंद	- -	7	"	20वीं कोटा, लि.क. मगना, लि.स्था. रतलाम	र.का.1891 र.स्था.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
764.	16942	अध्यात्म वतीसी	सुमति	26.2×11.5 17×37	19वां	पूर्ण	1833	लि.क. धर्मोदय, लि.स्था. जैतारण
765.	15462	अनाथी संधि	विमल विनय	26×10.8 14×52	9-11	"	18वीं	र.का.1647, र.स्था. कसूरपुर
766.	15224	अभयकुमार चौपई	पदमराज	11×25.2 18×64	13	पूर्ण	1755	जीर्ण, र.का.1650 र. स्था. जैसलमेर, लि.क.क्षमासुन्दर, लि.स्था. दराजसर
767.	16060	अमरकुमार सुरसुन्दरी चौपई	धर्मवर्द्धन	26.2×11 12×35	35	अपूर्ण	1865	र.का. 1736 र.स्था. बेनातट, लि.स्था. बीकानेर, 30वां पत्र अप्राप्त
768.	15232	अमरदत्त मित्रानंद चौपई	लक्ष्मीप्रभ	11.4×26.3 16×48	19	अपूर्ण	18वीं	र.का. 1676, र.स्था. सीतपुर, लि.क.सोमकलश
769.	15485	अमर सप्तति	पासचंद	25.8×11.2 11×38	59-63	"	17वीं	-
770.	15188	अमरसेन वयरसेन प्रबंध	रंगकुशल	10.9×25.7 15×50	7	"	18वीं	र.का.1644 र.स्था. संगानगर
771.	15220	अमरसेन वयरसेन चौपई	धर्मवर्द्धन	11×25.5 18×54	9	"	19वीं	र.का. 1724
772.	15701	"	-	28×12 15×52	13	"	18वीं	जीर्ण, कीटविद्ध, लि.क. मोहन
773.	15414	अयवन्ती सुकुमाल चौपई	जिनहर्ष	25.6×11.6 13×38	82	"	1917	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
774.	16838	अयवन्ती सुकुमाल चौपई	जिनहर्ष शांतिहर्ष	25.5×12 18×42	4	पूर्ण	1872	र.का.1741 वि.,र.स्था. राजनगर लि.क. हिम्मत लि.स्था.देशणोक
775.	15203	अरिदमन चौपई	पार्वती आर्या	12×25.7 18×42	8	1967	लि.क.मथराजी पुत्रीगंगा	
776.	16099	अवन्ती सुकुमाल चौढालियो	जैमल	25.5×11.2 15×36	3	"	20वीं	लि.क. गुमानी, लि.स्था. बीकानेर
778.	15184	आणन्द संधि	श्रीसार	11×25.8 17×58	7	"	1716	जीर्ण,र.का. 1688 र. स्था. मिणीपुरी, लि.क. कुशललाभ
779.	15226	"	"	10.8×25.5 15×38	1-10	"	1850	र.का.1684 र.स्था. पोहकरण
780.	15228	"	"	10.3×24.5 13×88	13	"	17वीं	र.का. 1684, र.स्था. पोहकरण
781.	15252	"	"	11×26 15×44	9	"	19वीं	र.का. 1684, र.स्था. मिणिपुरी
782.	15449	आणन्द संधि	श्रीसार	26×11.3 15×46	11-18	पूर्ण	1832	र.का.1688, र.स्था. मणिपुरी लि.क. कालू
783.	16076	"	"	25.4×10 14×42	10	"	17वीं	र.का. 1688, र.स्था. मिणिपुरी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
784.	16114	आणन्दसंधि	श्रीसार	25.4×10.8 14×53	10	पूर्ण	1719	र.का. 1684 र.स्था. मिणीपुरी, लि.क. समयनिधान, लि.स्था. बीकानेर, श्री सारकृत दस श्रावक सज्झाय अंत में है
785.	17995	"	"	16.1×13.6 13×22	305	"	1860	र.का. 1684 र.स्था. पुहुकरण नगरी
786.	18223	"	"	15.7×10.5 10×22	12	"	1855	लि.क. जैतराम लि.स्था. अजमेर
787.	18304	"	"	17.5×15 15×22	1-25	अपूर्ण	1841	र.का. 1684 र.स्था. पोहकरण अप्राप्त प.सं. 1-8 अप्राप्त आदिहीन अपूर्ण
788.	15602	आत्मवोध छतीसी	ज्ञानसार	25.1×11.6 10×40	1-4	पूर्ण	1941	-
789.	17119	आनन्दघन चौवीसी	आनन्दघन	26.3×13.6 11×28	16	पूर्ण	19वीं	-
790.	17919	"	"	16.1×13.6 11×20	105-126	"	1860	-
791.	18080	"	"	15.3×11.5 9×16	63-71	"	19वीं	-
792.	15467	आराधना चौपई	हीरकलश	26.2×10.9 10×32	6	"	18वीं	जीर्ण,र.का. 1723 र. स्था. अहिपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
793.	16112	आर्द्रकुमार धवल	कनकसोम	25.7×11.1 15×44	2	पूर्ण	18वीं	जीर्ण, र.का. 1644 लि. र.स्था. अमरसर
794.	15216	आर्द्रकुमार विवाहलु	सेवक	10.7×26.5 12×42	3	"	17वीं	-
795.	16146	आलोयणा छतीसी	समयसुन्दर	24×10.4 15×42	2	"	18वीं	जीर्ण,र.का.1698 र. स्था. अमरसर
796.	15782	" ढाल	-	24×11.6 11×33	6-8	"	1980	र.का. 1879, लि.क. चतुरभुज, लि.स्था.वीकानेर
797.	16243	आषाढभूति चौढालियो	रिखजी	27.2×13.1 16×28	4	पूर्ण	19वीं	र.का.1836, र.स्था. नागौर
798.	17968	'	कनकसोम	16.1×13.6 15×18	226-231	"	1860	र.का. 1638
799.	15231	" चौपई	"	24.3×9.8 13×42	3	"	17वीं	र.का. 1638 लि.क. उदयसिन्धु लि.स्था. सीदपुर
800.	16118	"	साधुकीर्ति	26×11 17×60	6	"	17वीं	जीर्ण,र.का. 1624, वि. र.स्था. योगिनीपुर, कीटविद्ध प्रति
801.	15273	" धमाल	कनकसोम	10.6×25.4 13×46	3	"	19वीं	र.का. 1638
802.	17578	आषाढभूति धमाल	"	15×10 9×18	71-82	"	19वीं	र.का. 1638

1	2	3	4	5	6	7	8	9
803.	16071	आषाढभूति पंचढालियो	-	25×11 -	3	पूर्ण	20वीं	र.का. 1836 र.स्था. नागौर
804.	15179	" रास	ज्ञानसागर	10×23.2 -	7	पूर्ण	19वीं	र.का. 1724, र.स्था. चक्रीपुरी, लि.क. रूपविजय लि.स्था.राधनपुर
805.	14970	इकावन बोल चौपई वृति	गुणविनय	10.8×25 17×55	40	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण, र.का. 1676 अ.प.1-5अंतहीन
806.	15185	इलाकुमार चौपई	ज्ञानसागर	10.8×26.1 13×36	9	पूर्ण	19वीं	जीर्ण,र.का. 1719 वि. र.स्था.शेखपुर
807.	16584	"	"	20.3×11 14×28	10	"	"	र.का.1719 र.स्था.वि.
808.	16236	उपदेश छतीसी	जिनहर्ष	25.5×12 15×59	2	"	1887	जीर्ण, लि.क. जीतविशाल
809.	16107	ऋषभ चौपई	-	25.5×12.3 15×42	26	"	1877	लि.स्था.देशनोक,सम्पूर्ण प्रति चिपकी हुई।
810.	15284	ऋषिदता चौपई	देवकलश	10.3×26.5 15×56	9	"	18वीं	र.का.1569 वि.,लि.क. रूडा, लि.स्था. वेटक
811.	15237	ऋषिदता सतीचौपई	रंगसार	11×26 12×38	8	"	17वीं	जीर्ण, र.का. 1626 र. स्था.जोधपुर
812.	15489	एषणा शतक	पासचन्द	25.8×11.2 11×38	72	"	"	ग्रंथ अपभ्रंश में है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
813.	16091	कपिल केवली रास	देवसागर	25.5×11.4 47	5	पूर्ण	1713	र.का. 1674, लि.क. विजयचंद, लि.स्था. भुजनगर
814.	15189	कयवन्ना चौपई	गंगाराम	11.2×24.1 15×40	20	पूर्ण	20वीं	र.का. 1920 र.स्था. हासी लि.स्था. दिल्ली जहानाबाद प्रति में लिपिकाल 1914 वि. लिखा है
815.	15285	”	जयरंग	10.8×25.3 16×48	15	”	1802	जीर्ण, र.का. 1721 र. स्था. बीकानेर लि.क. सुखहेम लि.स्था. वन्नूदेश मूषक भक्षित प्रति
816.	16068	”	” पुत्री पुण्यकलश	25.7×11 16×48	17	”	19वीं	जीर्ण र.का. 1721 र. स्था.बीकानेर लि.क. सुखहेम लि.स्था. वन्नूदेश मूषक भक्षित प्रति।
817.	16839	”	जयरंग	26.5×11.8 17×38	21	”	1766	र.का. 1721 र.स्था. बीकानेर लि.क. सदारूचि लि.स्था. खुम्भालिया
818.	16879	”	”	25.2×11.5 17×45	18	अपूर्ण	1810	र.का. 1721 र.स्था. बीकानेर लि.क. सोमविजय अ.प. 17-17
819.	17336	”	”	25.2×11.7 18×48	14	”	1872	र.का. 1721 र.स्था. बीकानेर लि.क. रूपचंद, लि. स्था.आडोल अप.प.पहला
820.	16064	कयवन्ना संधि	गुणविनय	26×11.1 12×35	10	पूर्ण	17वीं	र.का.1654 र.स्था. महिमपुर, लि.क. हमीर
821.	15225	कर्मचंद वंश प्रबन्ध चौपई	गुणविनय	10.8×25.4 17×50	8	”	18वीं	जीर्ण, र.का. 1655 क्षतिग्रस्त जीर्णोद्धारित

1	2	3	4	5	6	7	8	9
822.	15641	कर्म छतीसी	समयसुन्दर	25.5×10.5 13×40	2	पूर्ण	18वीं	र.का. 1668 वि.र. स्था. मुलतान
823.	16749	"	"	23×10.8 11×38	2	"	18वीं	र.का. 1668 र.स्था. मुलतान
824.	15280	कलावती चरित्र चौपई	लावण्य कीर्ति	10.8×26.3 13×42	4	"	17वीं	र.का.1580 वि.,र.स्था. क्वीरपुर
825.	17502	"चौपई	हर्षदत शिष्य	26.2×11 13×42	3	"	17वीं	र.का. 1599 र.स्था. क्वीरपुर
826.	15652	कलावती रास	सहजकीर्ति	25.5×10.8 15×48	6	" स्था.किशनगढ लि.क. कनकनिधान लि.स्था. महेवा	1704	जीर्ण, र.का. 1667, र.
827.	15256	कान्हड कठिया रा चौपई	मानसागर	10.8×26.1 13×34	9	" पदमावती मरूधरस्थ लि.क. हिमता लि.स्था. वडलू	1865	र.का. 1747, र.स्था.
828.	16105	कान्हड कठिया रा चौपई	मानसागर	25×10.5 11×25	12	पूर्ण पदमावती, मरूधर मध्य लि. क. माणकचंद	1870	र.का. 1747, र.स्था.
829.	15192	कार्मिक सेठ रो चौढालियो	जैमल ऋषि	11×23.7 18×40	2-5	"	20वीं	-
830.	15178	काला सवेसि चौपई	अमरविजय	10.5×25.2 16×50	14	" राजपुर लि.क. लक्ष्मीचंद लि.स्था. राजपुरा	1797	जीर्ण र.का. 1797,र.स्था
831.	14972	कुमति विध्वंसन चौपई	हीरकलश	11.2×25.5 10×36	13	"	19वीं	लि.क.चन्द्रमुनि

1	2	3	4	5	6	7	8	9
832.	15627	कुमारपाल रास	जिनहर्ष	10.8×24.5 15×44	85	पूर्ण	1818	र.का.1742 र.स्था. पाटण, लि.क.खुशालचंद, लि.स्था. विक्रमपुर
833.	15257	कुलध्वज कुमार चौपई	कवियण पुत्री कनक सूरि	11×26.7 15×48	13	"	1626	लि.क.विवेकलक्ष्मी पुत्री जयलक्ष्मीगणि
834.	15553	केसरी चोर भास	-	26×10.7 12×36	2	"	19वीं	लि.स्था.राजनगर
835.	16077	केसी प्रदेशी चौपई	ज्ञानचंद	26×11.2 15×50	19	"	18वीं	जीर्णोद्धारित पत्र।
836.	15482	केसी प्रदेशी प्रबन्ध	पासचंद	25.8×11.2 11×38	39-45	पूर्ण	17वीं	-
837.	15402	क्षमा छतीसी	समयसुन्दर	26.8×11.8 14×44	4-5	"	19वीं	र.स्था. नागौर
838.	15639	"	समयसुन्दरोपाध्याय	26×11.8 13×42	2	"	"	-
839.	15640	"	समयसुन्दर	25.4×11 10×25	4	"	1701	लि.क.हेमराज लि.स्था. बुरहानपुर
840.	18077	"	"	15.3×11.5 9×16	37-42	"	19वीं	-
841.	18185	"	"	13.3×9.5 8×14	111-119	"	1886	-

22(4)- रास चउपई

1	2	3	4	5	6	7	8	9
842.	15250	क्षुल्लक कुमार प्रबन्ध	पदमराज	11×26 14×62	4	पूर्ण	1757	जीर्ण,र.का.1667,र.स्था. मुलतान, लि.क.खेतान
843.	15464	क्षेत्र समास विवरण चौपई	मतिसागर	25.7×11.2 15×36	23	"	1699	र.का. 1594,र.स्था.पतन लि.क. सौभाग्य मेरु
844.	16853	खन्दक ऋषि चौढालियो		26×11.8 16×46	4-6	"	1946	-
845.	16073	खन्दक ऋषि कुमार चौढालियो	जैमल ऋषि	25.6×11.1 10×25	7	पूर्ण	1865	र.का. 1811,र.स्था. मांडण
846.	15186	गजसुकुमाल चौपई	जिनराज सूरि	10.5×24 20×58	1-12	"	18वीं	र.का. 1699 वि.
847.	15210	"	"	11.1×25.4 -	17	"	1724	जीर्ण र.का. 1699, लि. क. कनकविमल, लि.स्था.सत्यपुर, चिपके पत्र
848.	15288	"	"	12.5×25.1 15×34	7	"	1952	लि.क. अनोपचंद लि. स्था. राणावास
849.	15310	"	जिनराज सूरि	24.8×11.2 11×28	36	"	1710	र.का. 1699 वि.,लि. स्था. राजनगर
850.	16864	"	"	25.8×10.5 14×46	20	"	18वीं	र.का. 1699 वि.
851.	16117	गज सुकुमाल सत्रह ढालियो	शुभवर्द्धन	26×11.1 13×35	6	"	18वीं	जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
852.	15235	गुणक खंड गुणावली चौपई	ज्ञानमेरू	11.2×26.3 15×42	7	पूर्ण	19वीं	र.का. 1676 वि.र.स्था. विनयपुर
853.	16863	गुणाढाणा चौपई सस्तवक	कनकसोम	25.5×11.8 10×30	16	"	1882	र.का. 1631 वि.लि.क. नंदराम, लि.स्था.वालूचर
854.	16067	गुणसुन्दरी पुण्यमाल चौपई	गुणविनय	25.5×10.8 13×40	7	"	1743	र.का. 1665 र.स्था. नवानगर
855.	16597	गुणावली चौपई	ज्ञानमेरू	24.2×10 14×42	6	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1676 वि.र. स्था.विगत (जयपुर)
856.	15469	गौतम पृच्छा चौपई	नयरंग	25.9×10.9 13×38	3	"	"	-
857.	15470	"	"	24.4×10.2 11×30	5	"	17वीं	कोण कीटविद्ध
858.	16601	"	नन्दलाल	25.5×11.5 17×45	8	"	20वीं	र.का. 1890 वि.
859.	16832	"	लावण्यसमय	25.4×11.1 12×35	7	"	18वीं	जीर्ण, र.का. 1554 वि. लि.क.धनसौभाग्य, मूषक भक्षित कोण
860.	17574	गौतम पृच्छा चौपई	मुनिरंग	15×10 9×18	33-42	"	19वीं	-
861.	15321	गौतम रास	विनय प्रभ	22.2×10.8 12×36	4	"	"	र.का. 1412 वि.,लि.क. फतेहचंद

1	2	3	4	5	6	7	8	9
862.	15322	गौतमरास	विनयप्रभ	25.7×10.8 15×44	3	पूर्ण	1742 वि.	जीर्ण र.का. 1412 लि.क. युक्तिसुंदर, लि.स्था. बीकानेर
863.	15323	"	"	25.7×10.8 11×44	4	"	17वीं	जीर्ण र.का. 1412 वि.
864.	15338	"	"	24.8×11.7 13×38	4	"	19वीं	र.का. 1412 वि.
865.	16143	"	"	25.5×10 15×48	3	"	19वीं	जीर्ण अंत में स्फुट स्तवन है
866.	16148	"	"	25.2×10.7 15×30	1-3	"	1848 वि.	-
867.	16190	"	"	27×13 11×35	1-5	"	1897	लि.क.लाभ समुद्रगणि
868.	17016	"	"	26.5×13.3 10×26	9-16	"	1905	लि.क.रामजीमल्ल, लि. स्था. अजीमगंज
869.	17572	"	"	15×10 9×18	16-26	"	19वीं	र.का. 1412 वि.
870.	17604	"	"	19.8×14.5 14×20	48-54	"	"	र.का. 1412 वि.
871.	17631	गौतम रास	विनयप्रभ	17×13.2 15×24	95	"	20वीं	र.का. 1412 वि.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
872.	18073	गौतम रास	विनयप्रभ	15.3×11.5 9×16	1-12	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1412 अ.प.3,6
873.	18111	”	”	16×11.5 12×18	172-181	पूर्ण	1890	र.का. 1412 वि.
874.	18159	”	”	13.3×9.5 8×14	19-32	”	1886	र.का. 1412 वि.
875.	18275	”	”	11.3×10.3 13×16	108-114	”	1675वि.	-
876.	18300	”	”	15×11 13×18	31-39	”	1831	र.का. 1412 वि.
877.	15429	” सुधर्मादि भास	-	26.1×11.2 12×34	9	”	1823	लि.क. मानविजय
878.	17345	चन्द चरित्र चौपई	मोहनविजय	25×11.2 16×50	81	”	1812	जीर्ण,र.का. 1783 र.स्था. राजनगर लि.स्था. सादडी
879.	15182	चन्द चौपई	मोहनविजय	10.7×24.7 18×56	66	”	1831	र.का. 1783 वि.र. स्था. भुजनगर, लि.क.राजसी, लि.स्था.बीकानेर
880.	15319	” दूहा सस्तवक	-	26×12.5 9×45	5	”	1929	लि.क.फतहसार लि. स्था. वालूचर
881.	15289	चन्दन मलयागिरि चौपई	भद्रसेन	12.5×26.7 14×38	7	”	1933	र.स्था.विक्रमपुर लि.क. गोविन्दराय लि.स्था. सुणाम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
882.	1608	चन्दन मलयागिरि चौपई	भद्रसेन	24.4×11.2 18×54	4	पूर्ण	1819वि.	लि.क.दयाल,लि.स्था. उदयपुर
883.	16092	”	”	26.5×12 17×43	5	”	1893	र.का.1878 वि.
884.	16859	”	”	26.1×12.8 12×42	8	”	19वीं	-
885.	16074	चन्दन मलयागिरि दूहा ढाल	”	24.6×11.5 19×35	12	”	20वीं	जीर्ण लि.स्था. कोटा
886.	16080	चन्दन मलयागिरि रास चौपई	-	26.3×12 25×50	2	”	19वीं	र.स्था.1878 वि.
887.	15174	चन्दराजा चौपई	मोहनविजय	11.8×26.2 15×46	81	”	1845	र.का. 1783 वि.र.स्था. स्था. राजनगर लि.क. शिवचंद लि.सी. रोहट
888.	15175	”	”	12×24.2 12×28	157	”	1917	र.का.1783 वि.र.स्था. राजनगर लि.क. सदामण्डण लि.स्था.वीकानेर मध्य में प्रति क्षतिग्रस्त व अक्षरभ्रष्ट
889.	16840	”	विद्यारुचि	27×11.8 18×52	60	”	1784	र.का. 1717 वि.,र.स्था. सिरोही
890.	16860	”	मोहनविजय	26.1×12.6 15×40	94	”	1888	र.का.1783 वि.,र.स्था. भुजनगर, लि.क. पूनमचंद, लि.स्था. विक्रमपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
891.	17355	चद्रगुप्त राजा रा सोलह	गंगविजय	20.8×11 11×27	5	पूर्ण	19वीं	-
892.	15215	चन्द्रलोहा चौपाई	मतिकुशल	11×24 -	19	"	"	र.का. 1728 वि.र.स्था. पिचियाक
893.	15291	चन्दलेहा चौपई	मतिकुशल	11.3×25.4 17×54	16	पूर्ण	1789	जीर्ण र.का. 1728 वि.र. स्था.पचियाख लि.क. सुखहेम लि.स्था.रिणी
894.	16842	"	"	25.8×11.8 18×48	17	"	1959	र.का. 1788 वि.र.स्था. पचियाख लि.क. अनोपचंद लि.स्था. वडनेरा
895.	15613	चम्पक श्रेष्ठि चौपई	समयसुन्दर	26×11 18×54	11	"	18वीं	जीर्ण,र.का.1695 वि.र. स्था.जालोर, लि.क.खेतसी लि.स्था. कोट
896.	15614	"	"	26×11 15×44	16	"	18वीं	र.का. 1695 वि.र.स्था. जालोर
897.	15626	"	"	25.8×11.2 15×43	16	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1695 वि.र.
898.	15632	"	"	26×11 16×50	13	"	1723	र.का. 1695 र.स्था. जालोर लि.क. हीरवर्द्धन
899.	16384	चउपखी चौपई	समयप्रमोद	25.7×10.9 13×45	20	"	17वीं	र.का. 1673 वि.लि.क. समप्रमोद लि.स्था.सितपत्रपुर
900.	15603	चरित्र छतीसी	-	25.1×11.6 10×40	4-5	"	1941वि.	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
901.	17113	चरित्र छतीसी	-	24.1×11.7 138×28	5-7	पूर्ण	19वीं	-
902.	16072	चित सम्भूति चौढालियो	-	25×10.8 18×48	2	"	18वीं	-
903.	16110	"	जीवराज	24.8×11 15×35	2	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1746 वि.र. स्था.बीकानेर
904.	16813	"	"	25.2×11.9 15×35	2	"	19वीं	जीर्ण र.का. 1746 वि.र. स्था. बीकानेर
905.	16111	" संधि	नय प्रमोद गणि	25.4×11 15×33	2	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1719 र.स्था. जैसलमेर
906.	15183	चित्रसेन पदमावती चौपई	रामविजय	11×25 11×32	36	"	1847	र.का. 1814 र.स्था. बीकानेर लि.क.गंगप्रमोद, लि.स्था. डेराइस्माईलखां
907.	15204	"	"	10.6×24.8 11×40	28	"	19वीं	र.का- 1814 र.स्था. बीकानेर
908.	16097	चेलणा ढाल	दयाचंद	26.9×12.6 10×38	9	"	1971	जीर्ण लि.क.चतुरभुज लि.क.विक्रमनगर
909.	15424	चौवीस चौक	अमृतविजय	26.4×12.8 10×38	4-10	पूर्ण	1948	र.का. 1845 वि.लि. स्था. जयपुर
910.	16818	"	"	26×12.2 20×45	4	"	1908वि.	र.का.1849 लि.क. माणकचंद लि.स्था. धार

1	2	3	4	5	6	7	8	9
911.	17116	'' जिन नी ढाल	"	25.5×11 11×38	17	पूर्ण	1779	लि.स्था. मकसूदाबाद
912.	15219	चौवीली चौपई	कीर्तिसुन्दर	10.4×25 15×44	8	"	19वीं	र.का. 1762 वि.र. स्था. थांणला
913.	15239	"	अभयसोम	11×25.9 13×42	11	"	"	जीर्ण र.का. 1724
914.	15610	च्यार प्रत्येक बुध चौपई	समयसुन्दर	26.2×10.8 18×64	1-20 स्था.आगरा, लि.क. खेतसी, लि.स्था. इसाखानकोट	"	1770	जीर्ण र.का.1664 र.
915.	15619	"	"	25.3×11.2 16×54	23	" स्था.आगरा लि.क.सुखहेम लि.सी. वागनगर	1804	जीर्ण र.का.1662 वि.र.
916.	15631	च्यार प्रत्येक बुध चौपई	समयसुन्दर	25.7×11.2 15×38	20	"	18वीं	र.का. 1664 र.स्था. आगरा
917.	15634	च्यार प्रत्येक बुध चौपई	समयसुन्दर	22.1×9.5 13×42	12	पूर्ण आगरा चतुर्थ खंड अंतिम/अंतिम पत्र खंडित/इस पद्धति	18वीं इस प्रति में र.का.	र.का.1662 वि.र.स्था. 1665 वि.अशुद्ध अंकित
918.	15195	जम्बू चौपई	साह लाधो	11.5×25.5 11×42	33	"	19वीं	जीर्ण क्षतिग्रस्त र.का. 1764 वि.
919.	15222	जम्बू स्वामी चौपई	सुमति रंग	11×25.2 13×40	29	"	"	र.का.1729र.स्था. मुलतान कुछ पत्र चिपके।

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
920.	15223	जम्बू स्वामी चउपई जम्बू गुण रत्नमाला	आनन्द जेठमल	11.8×26.2 16×34	39	पूर्ण	1958	र.का.1920 वि.र.स्था. जयपुर लि.क.रामलाल लि. स्था. देवास
921.	15264	"	जेठमल	11.6×25 25×54	22	"	1962	र.का. 1920 वि.लि. स्था. फातियाबाद
922.	16122	जिनरस	वेणीराम	25.1×11.5 14×40	11	"	1883	र.स्था.पीपाड़ लि.क. देवीचंद, र.का. निघलंडी सही अस्पष्ट है।
923.	15563	जुठल श्रावकनो चौढालियो	-	26.11×12 20×52	4	पूर्ण	19वीं	-
924.	15504	जोगी रास	-	25.6×11.2 12×36	29	"	1826	लि.क.जीवणराम लि. स्था.लाडणु
925.	15334	ज्ञानकला चौपई	सुमतिरंग	25.5×11.2 15×48	29	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1722 वि.र. स्था. मुलतान लि.क. सामा
926.	16924	ज्ञानपचीसी	वनारसीदास	26.2×11.5 17×37	11वां	"	1833वि.	लि.क.धर्मोदय, लि.स्था. जैतारण
927.	15445	ज्ञानप्रकाश	नन्दलाल	25.5×12.3 14×46	21	"	20वीं	र.का.1906 वि.,र.स्था. कपूरथला
928.	15500	ज्ञान सतावनी	उदयचन्द	23.1×11 14×35	1-3	"	1884 वि.	र.का.1884 वि.र.स्था. जोधपुर लि.क. नगविजय लि.स्था.जोधपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
929.	15194	तांवली तापस चरित्र	-	11×23.7 18×40	8-1	पूर्ण	20वीं	-
930.	15263	तिलोक सुन्दरी चौपई	कनीराम	11.6×26 12×48	16	"	1956 वि.	र.का.1811 वि.र.स्था. पीपाडपुर, लि.स्था. दिल्ली
931.	15269	जेतसार चौपई	कुशललाभ	10.8×25.3 14×30	21	पूर्ण	1857	र.का.1622 वि.र. स्था. वीरमपुर लि.क. गंगप्रमोद लि.स्था. कुचोर
932.	16866	त्रिभुवन दीपक प्रवन्ध	जयशेखर सूरि	26.2×11.2 17×42	17	"	18वीं	लि.क.रंग प्रमोद
933.	15218	थावच्च्या पुत्र मुनिसंधि	श्रीदेव	11.2×26.3 15×48	14	"	1763	र.का.1749 वि.र.स्था. जैसलमेर लि.क. वालर्षि लि. स्था. योगिनीपुर जीर्ण, क्षतिग्रस्त
934.	15653	" सुक सेलग चौपई	कनकसोम	26.2×10.8 11×48	7	"	17वीं	र.का. 1655
935.	15537	धूलिभद्र इक्कीसी	लावण्यसमय	26×11.2 17×42	2	"	1757वि.	लि.क.ईसा, लि.स्था. मंडोल
936.	16585	" धमाल	मालदेव	26×11 10×32	7	"	17वीं	-
937.	15450	थूलिभद्र नवरासो	उदयरत्न	26×11.2 15×44	1-3	"	19वीं	-
938.	16108	थूलिभद्र रास	"	25.8×10.5 10×28	7	"	1849	र.का.1759 वि.लि. क.पत्ता

1	2	3	4	5	6	7	8	9
939.	17575	थूलिभद्र रास	उदयरत्न	15×10 9×18	42-53	पूर्ण	19वीं	-
940.	16098	दशार्ण भद्र चौढालियो	धर्मसी	25.5×11.5 -	3	"	19वीं	लि.क.जैनचन्द, लि.स्था. खींचन्द
941.	15401	दानशील तपभावना चौपई	समयसुन्दर	26.8×11.8 14×44	1-4	"	"	र.का.1662 वि.,र.स्था. सांगानेर
942.	15642	"	"	26.3×11.5 13×35	5	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1662 वि.,
943.	15643	"	"	26×11.2 15×38	4	"	17वीं	जीर्ण र.का. 1662 वि. र.स्था.सांगानेर
944.	15644	"	"	25.6×10.5 9×25	11	"	1726	र.का.1662 वि.र.स्था. सांगानेर लि.क.गुणनिधान
945.	15645	"	"	24.8×10.5 11×33	7	"	19वीं	र.का. 1662 वि.र.स्था. सांगानेर
946.	15646	"	"	25×10.5 11×30	6	"	"	जीर्ण र.का. 1662 र. स्था. सांगानेर
947.	15647	दानशीन तप भावनाचउपई	समयसुन्दर	13.2×24 23×12	2	अपूर्ण	19वीं	र.का.1662 वि.र.स्था. सांगानेर
948.	15648	दानशील तप भावनाचउपई	समयसुन्दर	24.8×10.5 13×35	5	पूर्ण	1746	जीर्ण र.का.1662, र.स्था. सांगानेर, लि.क.पद्मनिधान

1	2	3	4	5	6	7	8	9
949.	15650	दानशील तप भावनाचउपई	समयसुन्दर	25.2×10.8 17×42	3	पूर्ण	18वीं	र.का.1662 र.स्था. सांगानेर, जीर्ण
950.	15650	"	"	26×11 11×35	6	"	"	र.का.1662 र.स्था. सांगानेर लि.स्था. वर्द्धनपुर
951.	15651	"	"	26.3×12.2 14×40	4	"	1858	र.का.1662 र.स्था. सांगानेर, लि.घाणपुर
952.	16133	"	"	25.6×11.2 13×40	5	"	17वीं	-
953.	17577	"	समयसुंदर उपाध्याय	15×10 9×18	57-71	"	19वीं	र.का. 1662 वि.र.स्था. सांगानेर
954.	17665	"	"	17×13.2 15×24	128-134	"	20वीं	-
955.	18029	दानशील तपभावना चौढालियो	समयसुन्दर	16.1×13.6 13×22	370-377	"	1860	र.का. 1662 वि.,र.स्था. सांगानेर
956.	18079	दानशील तप भावना रो चौढालियो	समयसुन्दर	15.3×11.5 9×16	50-63	पूर्ण	19वीं	र.का. 1662 वि.,र.स्था. सांगानेर
957.	18118	"	"	16×11.5 12×18	201-211	"	1890वि..	-
958.	18207	दानशील रो चौढालियो	"	13.3×9.5 8×14	159-178	"	1886 वि.	र.का. 1662 वि.र.स्था. सांगानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
959.	16066	देवराज बच्छराज चौपई	लावण्यसमय	27.3×11 14×45	16	पूर्ण	1663 वि.	लि.क. छाजू, लि.स्था. राखी
960.	16869	"	सहजकीर्ति	25.5×11.2 17×50	25	"	18वीं	र.का. 1642 वि.लि.क. कल्लोल लि.स्था.नाथूसर
961.	17341	द्रव्यगुण पर्याय रास सस्तवक	जसविजय	26.5×11.3 15×50	66	"	1783 वि.	लि.क. गुलाबचंद लि.स्था. बुरहानपुर शोभन प्रति
962.	15260	द्रोपदी चौपई	कनककीर्ति	10.8×25.3 15×48	39	"	1713	र.का. 1693 वि.र.स्था. जैसलमेर लि.क. हीरानंद लि.स्था.पुनपालसर
963.	16846	द्रौपदी चौपई	कनककीर्ति	26.1×13 15×32	46	"	19वीं	र.का. 1693 र.स्था. जैसलमेर लि.क. रामू
964.	17489	धन्ना अणगार पंचढाल संधि	कल्याणतिलक	25.6×11.2 13×45	3	पूर्ण	17वीं	र.स्था.जैसलमेर
965.	16101	धन्ना चौपई	जिन वर्द्धमान सूरि पिप्पलक	26.6×11.5 17×50	17	"	1718 वि.	र.का. 1710 वि.,र.स्था. फतेपुर
966.	16104	"	दयातिलक	25.9×11 1×30	15	"	18वीं	र.का.1737 र.स्था. फतेपुर
967.	16876	" शालिभद्र चौपई	जिनराजसूरि	26×10.3 12×42	21	"	19वीं	र.का. 1608 वि.
968.	18107	"	"	16×11.5 12×18	86-135	"	1890 वि.	र.का. 1678 वि.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
969.	15612	धनदत्त चौपई	समयसुन्दर	25.6×10.5	6	पूर्ण	1715वि.	र.का. 1696 वि.र.स्था.
				15×40		अहमदाबाद	लि.क. हीरवर्द्धन,	लि.स्था. उच्चनगर
970.	15624	"	"	25.8×11	6	"	19वीं	र.का. 1696 र.स्था.
				-			अहमदाबाद लि.स्था. भुवनसार	
971.	15627	धनदत्त चौपई	समयसुन्दर	26×11	6	पूर्ण	1742	र.का. 1696 वि.र.स्था.
				15×37		अहमदाबाद,	लि.क. नयनानन्द,	लि.स्था.घोसूंडा
972.	15268	धर्मवुद्धि चौपई	लाभवर्द्धन	10.8×25.4	30	"	1858	र.का. 1742 र.स्था.
				13×30			सरसर, लि.क.गंप्रमोद,	लि.स्था. कुचोर
973.	16844	"	"	20.2×13	21	"	19वीं	र.का.1742 वि.
				17×38				
974.	16862	"	"	26.5×12.8	18	"	1872 वि.	र.का. 1742 वि.
				15×46				
975.	15477	धर्मरासो	-	26.3×11	10	"	19वीं	-
				14×36				
976.	16106	नन्दन मणिहारा चौपई	रायचन्द	24.2×11.3	3	"	19वीं	र.स्था.नागौर
				20×58				
977.	15299	नन्दिषेण चौपई	रघुपति	10.8×21.5	13	"	1849वि.	र.का.1803 वि.,र.स्था.
				14×33		केसरदेर,	लि.क. बसता,	लि.स्था. मरोट
978.	17469	नन्दिषेण मुनि ढाल	ज्ञानसागर पुत्री माणिक्य सागर	25.5×11 15×42	5	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन

1	2	3	4	5	6	7	8	9
979.	15447	नरक गति बोलि	-	26×11 11×30	8	पूर्ण	17वीं	लि.क.जेठा, लि.स्था. मांडवी नी पोल
980.	15181	नर्मदा सुन्दरी प्रवन्ध	कमल हर्ष	11.5×25.3 14×36	18	"	1676	र.का. 1643 वि.लि.क. कमलविजय
981.	15615	नल दमयन्ती चौपई	समयसुन्दर	25.5×10.5 15×56	27	"	1700	जीर्ण र.का. 1673 र.स्था. मेडता, लि.क. कनकनिधान, लि.स्था. तेरसमंडी
982.	15625	"	"	25.5×10.7 17×50	27	"	1763वि.	र.का. 1673 वि.र.स्था. मेडता लि.क. भक्ति विशाल लि.स्था. घडसीसर अंत में पार्श्वलघुतत्व है।
983.	15629	"	"	25.8×10.8 16×48	26	"	1787	र.का. 1673 वि.र.स्था. मेडता, लि.क. नेमवल्लभ, लि.स्था. हरदेसक
984.	15630	"	"	26.2×11 13×35	45	"	18वीं	-
985.	17934	नवकार चौढालियो	धर्ममंदिर	16.1×13.6 15×20	167-169	पूर्ण	1860	-
986.	18155	नवरसो	उदयरत्न	9.2×11.7 9×9	83-105	अपूर्ण	1952	र.का. 1804 वि.
987.	15253	नेमचरित्र चौपई	जैमल	12×25.7 15×52	5	पूर्ण	1952	र.का. 1804 वि.
988.	15457	नेम जी की फाग	राजहर्ष	26×11.2 15×44	10वां	पूर्ण	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
989.	15374	नेमराजुल वारहमासो	-	23.6×11 12×32	3	पूर्ण	19वीं	लि.क. मेघराज
990.	15455	"	लाभोदय	26×11.2 12×32	6-7	"	"	-
991.	17664	"	लखमीचंद	17×13.2 15×24	127-128	"	20वीं	-
992.	17780	"	कवियण	17×13.2 15×24	194-197	"	"	-
993.	18312	नेमराजुल वारहमासो	तिलकेश्वर	17.5×15 16×20	66-67	पूर्ण	1849	-
994.	15784	नेमिनाथ चन्द्रावला	ज्ञानसागर	27.2×12 15×40	6	"	1883	र.का.1699 र.स्था.
995.	18233	नेमिनाथ नवरासो	रूपचंद	18.6×19 15×20	1-5	"	1910	लि.क. चतुरभुज, लि.स्था. गुवालपाडा
996.	17710	नेमिनाथ फाग	सुगण	17×13.2 15×24	160वां	"	20वां	-
997.	15433	नेमिनाथ बारहमासा	माणिक्य विजय	23.5×10.7 11×30	6	"	19वीं	र.का.1742 वि.
998.	15453	"	खुस्यालचंद	26×11.2 15×44	4-5	"	19वीं	र.का. 1798

1	2	3	4	5	6	7	8	9
999.	15511	नेमिनाथ वारामासा	-	20×13.8 10×20	3	पूर्ण	1972	लि.क. हीरालाल, लि. स्था. झझोर
1000.	15536	"	-	25.5×12.2 11×28	3	"	19वीं	.
1001.	15403	नेमिनाथ रास	पुण्यरतन	26.8×11.8 14×44	5-8	पूर्ण	19वीं	र.का. 1589
1002.	15493	"	"	25.7×11 15×38	4	"	18वीं	-
1003.	16596	"	विजयदेव सूरि	26.4×11.1 11×40	11	"	17वीं	-
1004.	16835	"	कनककीर्ति	25.3×10.5 14×42	12	"	1697	जीर्ण र.का.1692 वि.,र. स्था.बीकानेर, कीटविद्ध
1005.	15275	नेमिराजर्षि संधि	-	10.5×19.9 12×28	6	"	18वीं	र.स्था. बीकानेर, जलसिक्त किनारे कीटभक्षित
1006.	16082	नेमि राजिमति चौपई	विद्याविजय	25.4×11.4 13×35	5	"	1696	र.का. 1684 वि.,लि. स्था. आगरा
1007.	15764	नेमि राजिमती वारहमासो	शांतिहर्ष	25×12.3 13×35	11-12	"	19वीं	-
1008.	15765	"	जिनहर्ष	25×12.3 13×35	12-14	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1009.	16070	नेमि राजिमती रास	-	25.5×11.3 22×35	9	पूर्ण	1909	र.का. 1867 वि.लि.क. बसतावरी लि.स्था. विक्रमपुर
1010.	16078	''रास	पुण्य रत्न	16×10.4 13×21	6	"	19वीं	-
1011.	16880	पंचदण्ड छात्र चौपई	लक्ष्मीवल्लभ	24.4×11.8 12×30	134	"	1825	र.का. 1728 वि.,लि.क. सरूपचंद, लि.स्था. मकसूदावाद
1012.	16937	पन्द्रहतिथि	तुलसी यति	26.2×11.5 17×37	16-17	"	1833	लि.क.धर्मोदय, लि.स्था. जैतारण
1013.	15781	पदमावती रास	समयसुन्दर	24.2×11.6 11×33	1-5	"	1980	लि.क.चतुरभुज, लि.स्था. वीकानेर
1014.	15167	पद्मिनी चरित्रचौपई	लब्धोदय	12.2×26.1 14×48	36	अपूर्ण	1821	र.का.1707 लि.स्था. जयसिंहपुरा अ.प. 15-16
1015.	16096	परदेशी संधि	जैमल	23.2×11.9 14×28	30	पूर्ण	1945	र.का.1877 वि.,लि.क. रामसुख, लि.स्था. विक्रमनगर
1016.	16119	परमात्म प्रकाश चौपई	धर्ममंदिर	25.7×10.8 15×40	30	"	18वीं	र.का. 1742 वि.,र.स्था. जैसलमेर
1017.	15168	पाण्डव चरित्र चौपई	लाभवर्द्धन	12.2×25.3 16×48	83	पूर्ण	20वीं	र.का.1767 वि.,लि. सी.वील्हावास
1018.	15240	पाण्डव चौपई	लालचंद	11.3×25.5 17×40	86	"	1788	र.का. 1767 वि.र.स्था. वील्हवास लि.स्था. वालोतरा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1019.	16836	"	लाभवर्द्धन	25.6×11.8 17×52	76	पूर्ण	1827	र.का.1767 वि.र.स्था. वील्हावास
1020.	15524	पार्श्वनाथ वारहमासो	-	25.8×11 15×34	1-2	"	19वीं	-
1021.	16152	"सतरह ढालिया	समयसुन्दर	23.8×10.7 18×50	2-3	"	"	-
1022.	16591	"पुंजराज ऋषि रास	"उपाध्याय	25.9×11.1 13×40	2	"	18वीं	र.का. 1698 वि.
1023.	17290	पुण्य छतीसी	समयसुन्दरोपाध्याय	23.9×12 13×35	2-4	"	19वीं	र.का. 1699 र.स्था. सिद्धपुर
1024.	15205	पुण्यसार चौपई	पुण्यकीर्ति	12.5×26.9 13×39	8	"	1866	र.का. 1666 वि.र.स्था. सांगानेर, लि.क. रामचन्द्र,लि. स्था. फरकनगर
1025.	15354	पुण्यसार चौपई	पुण्यकीर्ति	26.8×11.5 13×40	10	पूर्ण	19वीं	र.का. 1666 र.स्था. सांगानेर
1026.	17583	"	"	11×13.6 20×16	75-89	"	1750	र.का. 1666 र.स्था. सांगानेर, लि.क. रंगविमल पुत्री हेमप्रसादगणि,
1027.	15238	पुरन्दर कुमार चौपई	मालदेव	10.8×25.5 14×42	14	"	17वीं	जीर्ण
1028.	15258	"चौपई	"	10.7×24.2 19×46	10	"	1719वीं	लि.क.धर्मचंद, लि.स्था. आसरावा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1029.	15274	पुरन्दर कुमार चौपई	मालदेव	10.9×25.8 15×44	9	पूर्ण	18वीं	लि.क.मानसिंह लि.स्था. सीतपुर
1030.	15298	"	"	10.9×25.8 17×56	9	"	18वीं	लि.क.दयासार
1031.	15628	प्रत्येक वुध चौपई	समयसुन्दर	25.5×10.7 16×40	29	"	18वीं	र.का. 1664 वि.र.स्था. आगरा
1032.	15207	प्रदेशी चौपई	जैमल	12.6×26 15×48	22	"	1900वीं	जीर्ण र.का. 1877 वि. लि.क.आसकरण
1033.	16871	प्रदेशी चौपई	जैमल	24.5×11.3 18×48	11	पूर्ण	1937	र.का. 1017 वि.लि.क. धर्मा लि.स्था. नागौर
1034.	16865	प्रवोध चिन्तामणि ढाल	धर्ममंदिर	26×11.1 17×45	48	" चौपइ र.का	1814 1714 वि.लि.क	ऊपरनाम मोह विवेक भुवनविशाल लि.स्था.मरोट
1035.	15617	प्रियमेलक चौपई	समयसुन्दर	23.2×10.8 18×52	6	"	1770 मेडता लि.क. क्षमाभद्र	र.का. 1672 वि.स्था. लि.स्था. कोट
1036.	15618	"	"	26.1×11.1 18×56	5	" मेडता लि.क.	1716 रूपराज लि.स्था.	र.का. 1672 वि.र.स्था. आसोतरा
1037.	15622	"	"	23.8×11 17×46	6	"	18वीं	र.का. 1672 र.स्था.मेडता
1038.	15623	"	"	23.3×10.6 13×34	13	"	19	जीर्ण र.का. 1672 र.स्था. मेडता

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1039.	15635	प्रिय मेलक चौपई	समयसुन्दर	25.5×11.5 15×50	8	पूर्ण	1780	र.का. 1672 र.स्था.मेडत
1040.	17011	प्रियमेलक चौपई सचित्र	समयसुन्दर	26×12 12×30	18	पूर्ण	19वीं	र.का.1672 वि.,र.स्था. मेडता, चि.सं. 24, चित्रित पत्र 17, चित्र वीकानेर कलम रंगीन
1041.	15555	फलवधि पार्श्वरास	खेमराज	25.9×11.4 11×38	2	"	17वीं	लि.क.कनकसोम
1042.	15332	वारह भावना संधि	जयसोम	25.3×11 13×42	3	"	1763	र.का. 1646 र.स्था. वीकानेर लि.क. कर्मचंद लि.स्था. वीकानेर
1043.	15349	"	"	25.8×10.6 9×26	5-12	"	18वीं	र.का. 1646 र.स्था. वीकानेर
1044.	15508	"	"	24.4×10.9 16×38	1-3	"	19वीं	र.का. 1646 र.स्था. वीकानेर
1045.	17917	"	"	16.1×13.6 16×20	94	"	1860	र.का. 1646 र.स्था. वीकानेर
1046.	18256	वारह भावना संधि	जयसोम	12×11 9×12	146-160	पूर्ण	1862	-
1047.	16878	वावीस परीसहनी जोड	रायचंद	25.4×12 14×32	8	"	19वीं	जीर्ण कोण कीटविद्ध
1048.	15519	वुधरासो	मायाचंद	19.4×12.7 13×22	4	"	"	र.स्था. मुलतान अपरनाम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1049.	15435	वुद्धि रासो	शालिभद्र सूरि	26×11.1 12×42	3	पूर्ण	19वीं	र.का. 1836 वि.
1050.	16135	वूढा रासो	चन्द	25.6×11.8 12×28	7	"	19वीं	र.का. 1836 वि.
प 1051.	16136	"	"	26×13 15×45	7 क. युक्ति धर्म लि.स्था.वीकानेर अंत पत्र सं. 4-7 तक स्फुट पद है।	"	1905	जीर्ण र.का. 1836 लि.
1052.	15251	भद्रनन्दि संधि	राजलाभ	10.8×20 16×42	6	"	19वीं	र.का.1723 वि.
1053.	17112	भाव छतीसी	ज्ञानसार	24.1×11.7 13×28	3-5	पूर्ण	19वीं	र.का.1723 वि.
1054.	15376	भावना विलास	राजकवि	25.4×11.2 15×42	1-5	"	19वीं	र.का.1727 वि.
1055.	17200	"	"	26.5×11.8 11×30	1-10	"	"	र.का.1727 वि.
1056.	15605	भाव षटत्रिंशिका	ज्ञानसार	25.1×11.6 10×40	7-9	"	1941	र.का.1865 वि.र.स्था.
1057.	15202	भीमसेन चौपई	आमोल (क)	11.2×25.4 19×60	15	"	20वीं व्रत काया, र.स्था.आवलकुटी ग्राम	र.का.रविपूरन तपन महा
1058.	16854	भृगु पुरोहित ढाल		26×11.8 16×46.	6ठा	"	1946	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1059.	15266	भोजराज चौपई	हेमाणनन्द	11.2×25.7 17×50	30	पूर्ण	1665	र.का.1654 र.स्था. भद्वाण लि.क. मथुरा लि.स्था. नवाजसरासर जीर्ण कीट विद्ध किनारे
1060.	15242	मंगलकलश चौपई	कनकसोम	11×25.3 12×32	9	पूर्ण	1658	जीर्ण र.का. 1649 र.स्था. मुलतान
1061.	15254	"	"	11×26 13×30	8	"	17वीं	र.का. 1649 र.स्था. मुलतान
1062.	16875	"	जिनहर्ष	26.9×11.2 19×50	12	"	1749	र.का. 1714 वि.लि.क. क्षेमविमल लि.स्था. भुजनगर
1063.	15476	मूंछ मांछण प्रवन्ध	-	26.2×11.2 19×50	2	"	19वीं	-
1064.	15317	मछोदर मत्स्यो चौपई	जिनहर्ष	25.6×11.1 19×55	16	"	"	र.का. गिरि शशि भोजन र.स्था. वाहडमेर
1065.	15697	"	"	31×41 11×27	4-9	"	1866	र.का. 1717 वि.र.स्था. वाडमेर लि.क. गंगप्रमोद लि.स्था. बागां कीटविद्ध
1066.	15604	मति प्रवोध छतीसी	ज्ञानसार	25.1×11.6 10×40	5-7	"	1941	लि.क. काशीराम नैनसुख
1067.	17111	"	"	24.1×11.7 13×28	1-3	"	19वीं	-
1068.	15471	मयण भुजडा	बुधराज	25×10.3 17×48	6	पूर्ण	1679	ग्रंथ अपभ्रंश में है र.का. 1589 वि.,लि.क.. सकलकीर्ति सुखनिधान गणि,प्रा./सं. में नहीं आया है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1069.	15190	मयण रेहा चौपई		11.1×25.8 14×46	7	पूर्ण	1874	जीर्ण लि.क. गोकुलचंद, लि स्था. शाहजहांबाद
1070.	16065	मयणरेहा रास	हीर सेवग	22.4×12.4 13×25	11	"	1907	र.का. 1774 वि.र. स्था. केकडी, लि.क. मुक्तिसुन्दर,
1071.	16075	मयणरेहा चौपई		25.3×11 13×25	6	"	1884	लि.क. हीरानंद लि.स्था.
1072.	16084	"	"	25.5×10.3 11×32	11	"	19वीं	-
1073.	15584	महावीर जी नो दसोरण कवित चौढालियो आदि	तिलोक	25.5×13.1 18×70	14	"	1955	र.का. 1937 वि.र.स्था. अहमदनगर अंत में चौढालिया महावीर जी आदि भी राजस्थानी में है।
1074.	15171	माधवानल चौपई	कुशललाभ	11.3×24.8 15×35	22	"	1807	र.का. 1616 वि.र.स्था. जैसलमेर लि.क. राजविजय लि. स्था. घोंघदा
1075.	15241	माधवानल चौपई	कुशललाभ	10.5×25.4 17×43	16	पूर्ण	18वीं	र.का. 1616 वि.र.स्था. जैसलमेर
1076.	15211	मानतुंग मानवती चौपई	मोहनविजय	11.2×25.4 15×44	34	"	1847	र.का.1760 वि.र.स्था. अणहलपुर लि.क. ढोला लि.स्था. सांचोर
1077.	15212	मानतुंग मानवती चौपई	"	11×25 11×35	57	"	1887	र.का. 1760 वि.र.स्था. अणहलपुर लि.क. कनकधर्म लि.स्था.कालू
1078.	15297	"	अभयसोम	10.8×25.8 15×36	10	"	1780	जीर्ण र.का. 1727 वि. लि.क. भुवनविजय लि.स्था. मुलतान

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1079.	16069	मानतुंग मानवती चौपई	अनोपचंद	25.3×11.3 13×38	7	पूर्ण	1875	र.का. 1870, र.स्था. जयनगर
1080.	16093	”	”	25.5×12.5 16×38	6	”	1880	र.का. 1870, वि.र.स्था. जयनगर लि.क. नेमिचंद लि.स्था. विक्रमनगर
1081.	16861	” रास	मोहनविजय	26×13 14×40	39	”	1908	र.का. 1757 वि.र.स्था. अणहिलपुर लि.क. रामचन्द्र, लि.स्था. भृगुकच्छ शोभनलिपि
1082.	16870	मानतुंग मानवती रास	मोहनविजय	25.2×11 16×52	28	पूर्ण	1809	र.का.1760 वि.र.स्था. अणहलपुर पाटण, लि.क. लक्ष्मीचंद, लि.स्था. सादडी
1083.	15282	मुनिपति चरित्र चौपई	धर्ममंदिर	11.1×26 16×60	29	”	1808	र.का. 1725 र.स्था. पाटण, लि.क. सुखहेम, लि.स्था. मरोट
1084.	15459	मुनि मालिका	चरित्र सिंह	26×10.8 14×52	4-5	”	18वीं	र.का. 1636 र.स्था. रिणी
1085.	17992	”	”	16.1×13.6 13×22	298-302	”	1860	र.का. 1636 वि.र.स्था. रिणी
1086.	16087	मृगांक लेखा चौपई	-	11×25.8 13×42	16	अपूर्ण	17वीं	कोण कीटविद्ध 4था पत्र अप्राप्त।
1087.	15244	मृगांक लेखा चौपई	-	11×25.8 13×42	16	अपूर्ण	17वीं	कोण कीटविद्ध 4था पत्र अप्राप्त
1088.	15278	मृगांक लेखा चौपई	-	11×26.2 14×48	13	पूर्ण	18वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1089.	16589	मृगापुत्र चौपई	जिनहर्ष	25.9×12.2 13×36	7	पूर्ण	19वीं	र.का. 1715 वि.र.स्था. सत्यपुर
1090.	15463	मृगापुत्र संधि	जिनहर्ष	26×10.8 14×52	11-13	पूर्ण	18वीं	-
1091.	16834	मृगावती चौपई	समयसुन्दररोपाध्याय	25.9×11 13×36	41	”	1750	र.का. 1668 वि.र.स्था. मुलतान, लि.क. कर्पूर विजय, लि.स्था. नीमचपुर
1092.	16872	मृगावती चौपई	फतेहचंद	26×11.2 13×30	15	”	19वीं	र.का. 1800 वि.र.स्था. बीकानेर, लि.क. जीवकंवरी
1093.	15633	” रास	समयसुन्दर	25.8×10.7 17×60	18	”	1715	र.का. 1668 वि.
1094.	15246	मेघकुमार चौढालियो	कनक	9.8×21.8 11×30	4	”	18वीं	जीर्ण
1095.	15357	”	कनक	26×10.6 13×46	2	”	1746	लि.स्था. मलसीसर
1096.	15430	” चौपई	-	25×12.3 14×46	2	”	20वीं	कीटविद्ध
1097.	15479	मोती कपासिया छन्द	श्रीसार	25.8×10.3 -	5	”	1716वि.	जीर्ण र.का. 1689 र. स्था. फलौदी
1098.	15432	यादव रास	नन्दिवर्द्धन सूरि	25.5×11.2 15×36	3	पूर्ण	19वीं	जीर्ण र.का. 1588 वि.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1099.	15456	”	पुण्यरत्न	26×11.2	7-10	पूर्ण	19वीं	-
				–				
1100.	15233	रत्नचूड चौपई	कनकनिधान	11.3×26	13	”	1761	र.का. 1728वि.लि.
				17×60				क.वन्नूसर अंत में स्फुट पद भी है।
1101.	15300	”	”	11×25.2	20	”	1815	र.का. 1708 वि.,लि.क.
				15×37				भुवनविशाल लि. स्था. मरोट
1102.	15283	रत्नपाल ऋषि चौपई	मोहनविजय	11×25.6	33	”	1823	र.का.1760 वि.,र.का.
				17×50				पूर्वपतन, लि.क.लब्धिकमल, लि.स्था. विक्रमपुर,
1103.	17038	”	”	24.6×12.2	94	”	1910	र.का. 1760 वि.र.स्था.
				11×30				पूरवपतन पटना
1104.	15294	रतनपाल रास	सूरविजय	11.5×26.3	28	”	18वीं	र.का.1732 वि.र. स्था.
				13×36				बरहणपुर
1105.	16232	रांचा वतीसी रांचा	-	23.8×10	4-6	”	19वीं	-
				10.35				
1106.	15465	रात्रि भोजन वतीसी	धर्मसमुद्र	25.6×10.6	10	पूर्ण	17वीं	जीर्ण
				15×40				
1107.	17114	रात्रि भोजन चौपई	सुमतिहंस	27.5×13	16	”	1879	र.का. 1720 वि.र.स्था.
				15×36				स्था. जयतारण लि.क. रूपसौभाग्य
1108.	15279	रामकृष्ण चौपई	लावण्यकीर्ति	11×26	4-9	”	1724	र.का.1677 वि-र.स्था.
				16×38				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1109.	15301	रामकृष्ण चौपई	लावण्यकीर्ति	26×11.4 11×34	76	पूर्ण	1811	र.का. 1677 वि.र.स्था. विक्रमपुर, लि.क. उदयरत्न, लि.स्था. गारवदेसर
1110.	17582	"	"	11×13.6 22×18	1-75	"	1750	र.का. 1677 लि.क. रामचन्द्र लि.स्था.रिणी
1111.	16095	रामवनवास चौपई	शिवलाल	26.5×12 17×40	12	"	1893	र.का. 1882 वि.र.स्था. बीकानेर
1112.	15320	रामायण	केशराज	27.8×12.8 21×56	62	"	1955	जीर्ण र.का. 1683 वि. र.स्था.
1113.	15259	रूपसेनरास	कनकसुन्दर	10.5×24.4 13×40	43	पूर्ण	1707	र.का. 1673 वि.र.स्था. सत्यपुरी लि.क. राघव
1114.	15217	रोहिणी चौपई	करमसिंह	12.5×26.8 12×35	28	"	1814वि.	र.का. 1730 वि.
1115.	16116	लीलावती चौपई	लाभवर्द्धन	22.5×10.5 12×30	31	"	1813वि.	जीर्ण र.का. 1728 वि.र. स्था. सेत्राव लि.स्था. शिववाडी बीकानेर
1116.	16830	"	"	25.5×10.9 15×52	18	"	1756	र.का. 1728 वि.,र.स्था. सेत्रावा लि.स्था. अकबरावाद
1117.	16837	वंकचूल की ढाल	लालचंद	26.2×11.5 9×26	21	"	1756वि.	र.का. 1728 वि.र.स्था. भजेनेर
1118.	16113	" संवंध	गंगदास	25.2×11 21×60	2	"	1853	र.का. 1671 वि.र.स्था. पातीग्राम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1119.	15654	वयर स्वामी चौपई	जयसोम	25.8×10.2 18×40	5	पूर्ण	18वीं	र.का. 1659 वि.र.स्था.
					जोधपुर लि.क.जीवकीर्ति अंत में राजसमुद्रकृत सज्झाय है।			
1120.	15616	वल्कल चीरी चौपई	समयसुन्दर	25.6×10.7 15×38	10	पूर्ण	18वीं	र.का. 1681 वि.र.स्था. मुलतान, लि.क.देवराज
1121.	15608	" रास	"	25.7×11.1 13×34	14	"	1699 लि.	र.का. 1681 वि.,र.स्था.
							मुलतान लि.क. गुणविशाल लि.स्था. आगरा	
1122.	15201	वस्तुपाल तेजपाल चौपई	मतिसुन्दर	10.6×25.3 19×54	7	"	1736	जीर्ण र.का. 1729 वि.
						लि.क. रंगसमुद्र, लि.स्था. लिलवा, श्री बलिलवाग्रामे		
1123.	16740	विक्रम चौपई	कवियण	26.4×13.8 21×36	26	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
1124.	15312	विक्रम पंचदण्ड चौपई	लक्ष्मीवल्लभ	25.9×11 17×54	10	पूर्ण	18वीं	जीर्ण र.का. 1728 वि. षष्ठ खण्ड
1125.	15313	"	"	25.9×11 17×54	42	"	19वीं	जीर्ण, चतुर्थ खण्ड पर्यन्त
1126.	15495	"	"	27×11.1 14×50	33	"	18वीं	जीर्ण
1127.	15586	विजयकुंवर नी ढाल	लालचंद	26×12.8 20×44	2	पूर्ण	1948	र.का.1861 वि. र.स्था.कोटा
1128.	17997	विजय सेठ विजया सेठा	-	16.1×13.6 13×22	327-328	"	1860वि.	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1129.	15249	विजयसेठ विजया राय	रायचंद	10.1×25.8 20×60	3	पूर्ण	19वीं	र.का. 1686 वि.अंत में नेमराजुल गीत भी है।
1130.	15311	विद्या विलास चौपई	जिनहर्ष	24.7×11.8 17×42	20	”	1849	र.का. 1711 वि.लि.क. ढोला लि.स्था. मांडवी
1131.	15248	विल्हण पंचाशिका चौपई	सारंग	11.4×25.9 15×48	14	”	17वीं	र.का. 1639 वि.र.स्था. जावालपुर
1132.	15303	वीस स्थान चौपई	जिनहर्ष	26.5×12.5 11×34	210	”	1847वी	लि.क.दयामाणिक्य लि. स्था. महिषासुर
1133.	15165	” रास	”	13.3×25.7 14×34	108	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन अपूर्ण
1134.	15255	वैदर्भी चौपई	प्रेमऋषि	11×25.5 14×36	7	पूर्ण	”	लि.क. शोभाचंद
1135.	16086	”	-	26.5×11.4 17×42	7	”	”	जीर्ण
1136.	15438	व्रत मंडली	पार्वती	24.9×10.6 13×34	5	पूर्ण	1957	र.का. 1940 वि.
1137.	15336	शत्रुंजय उद्धार रास	नयसुन्दर	24×11 15×38	1-6	”	19वीं	र.का. 1630 वि.,र.स्था. नागौर
1138.	15407	” रास	समयसुन्दर	26.8×11.8 14×44	19-23	”	”	र.का. 1686 वि.,र. स्था. नागौर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1139.	15637	शत्रुंजय रास	समयसुन्दर	24.5×11 11×30	6	पूर्ण	1856	र.का. 1682 वि.र.स्था. नागौर लि.क. महिमासोम, लि.स्था.राजगंज
1140.	16582	"	समयसुन्दर उपाध्याय	25.4×112.4 13×28	6	"	1868 वि.	लि.क. रूपचंद
1141.	17015	"	समयसुन्दर	26.5×13.3 10×26	1-9	"	1905	लि.क. रामजी मल्ल लि. स्था. अजीमगंज
1142.	17566	"	" उपाध्याय	9.5×11 15×15	36-45	"	19वीं	-
1143.	17571	"	"	15×10 9×18	2-16	अपूर्ण	19वीं	आदिहीन
1144.	17605	"	नयसुन्दर	19.8×14.5 14×24	54-62	पूर्ण	19वीं	-
1145.	17632	"	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	100-106	"	20वीं	र.का. 1682 र.स्था. नागौर
1146.	17963	"	"	16.1×13.6 15×18	214-222	"	1860	र.का. 1682 र.स्था. नागौर
1147.	17975	"	"	16.1×13.6 15×18	257×262	"	1860	र.का. 1682 वि.र.स्था. नागौर
1148.	18074	"	"	15.3×11.5 9×16	13-28	"	19वीं	र.का. 1682 वि.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1149.	18110	शत्रुंजय रास	समयसुन्दर उपाध्याय	16×11.5 12×18	161-172	पूर्ण	1890 वि.	र.का. 1682 वि.,नागौर
1150.	18158	,,	,,	13.3×9.5 8×14	1-18	,,	1886वि.	-
1151.	18299	शत्रुंजय रास	समयसुन्दर	15×11 10×18	24-31	अपूर्ण	1831	र.का. 1682 र.स्था. नागौर, लि.क. रूपचंद, आदिहीन प्रथम पत्र क्षतिग्रस्त
1152.	18321	,,	,,	14.5×10.5 10×18	26-38	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1686 वि.,र. स्था. नागौर, अ.प. 36वाँ
1153.	15176	शालिभद्र चौपई	जिनराज सूरि	11.8×27.2 16×46	1-14	पूर्ण	1769	र.का. 1678 वि. लि.क.राजसुन्दर लि.स्था. वाढवाण
1154.	15209	,,	,,	11.5×25.7 11×32	26	,,	1826	र.का. 1678 वि.
1155.	15229	,,	,,	11×25.8 13×44	21	,,	1777	जीर्ण र.का. 1678 वि.लि क. महिमारत्न, लि.स्था. मुलतान
1156.	15230	,,	,,	11×26.5 13×34	25	,,	17वीं	र.का. 1678 वि.जीर्ण
1157.	15305	शालिभद्र चौपई	जिनराजसूरि	25.9×10.8 14×54	15	पूर्ण	19वीं	जीर्ण र.का. 1678 वि.
1158.	15306	,,	,,	26×10.8 11×31	27	,,	1855वीं	र.का. 1678 वि.,लि.क. माणिकचंद लि.स्था. सोजत

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1159.	15307	शालिभद्र चौपई	जिनराज सूरि	26.9×11.7 15×62	12	पूर्ण	18वीं	र.का. 1678 वि.
1160.	15308	"	"	25.9×10.8 15×54	19	"	17वीं	जीर्ण, र.का.1678 वि.
1161.	15309	"	"	25.5×10.8 15×54	15	"	1773	जीर्ण, क्षतिग्रस्त र.का. 1678 वि. लि.क. खेमचंद लि स्था. पाटोदी
1162.	16085	"	"	25×11 15×45	16	"	18वीं	जीर्ण, र.का. 1678 वि.
1163.	16102	शालिभद्र चौपई	जिनराज सूरि	24.6×10 15×42	18	पूर्ण	1751 वि.	जीर्ण, लि.क.आसाजी लि. स्था. बुरहानपुर
1164.	16115	"	"	26×10.6 13×42	21	"	18वीं	र.का. 1678 वि.,लि.क. मतिसोम
1165.	15329	शीलरास	विजयदेव सूरि	25.5×11 13×52	7	"	1756	लि.क.देवधर्म, लि.स्था. सोजत
1166.	15330	"	-	25.4×11.3 13×52	10	"	17वीं	-
1167.	15434	"	विजयदेवसूरि	25.4×10.1 11×32	11	"	19वीं	लि.क.विजयचंद लि. स्था. जावद
1168.	15492	"	"	24.8×10.8 15×45	5	"	18वीं	जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1169.	15494	शीलरास	विजयदेव सूरि	26.9×11.5 12×32	10	पूर्ण	18वीं	-
1170.	15530	"	"	18.5×11.8 14×25	14	"	19वीं	जीर्ण, अंत में स्तवन भी है
1171.	15717	शील रास	विजयदेव सूरि	25.4×11.2 10×22	15	पूर्ण	1765	लि.स्था. अवरंगाबाद
1172.	16598	"	"	26×10.8 11×45	9	"	17वीं	लि.क. भक्तिविशाल अंत में दादाजी का गीत है
1173.	17458	"	धर्मसी	26.2×11.5 11×30	5	"	1859	र.स्था. वीकानेर लि.क. रत्ननिधान लि.स्था. देशनोक
1174.	15262	शीलवती चौपई	देवरत्न	10.7×25.2 17×50	14	"	1764 वि.	र.का. 1698 वि.र. स्था बालसीसर लि.क. अमरमूर्ति लि.स्था.कठमहुर
1175.	15287	"	नेमविजय	11.6×25.5 16×36	70	"	1825	र.का. 1761 वि.लि.क. जसविजय लि.स्था.कुक्मावि
1176.	15265	शील श्री चौपई	प्रेमचन्द	11.2×25 12×45	6	"	1961 वि.	र.का. 1928 वि.लि.स्था. काछवा
1177.	15480	श्रावक आराधना चौपई	पार्श्वचन्द	25.8×11.2 11×38	1-25	"	पूर्ण 17वीं	र.का. 1593 वि.
1178.	15196	श्रावक आराधना चौपई	ज्ञानसागर पुत्री	11.8×26 13×30	42	"	19वीं	र.का. 1726 वि.र.स्था. शेखपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1179.	15197	श्रावक आराधना चौपई	लालचन्द	11.7×24.9 11×32	67	पूर्ण	1851	र.का. 1837 वि.
1180.	15198.	”	जिनहर्ष	12.4×26.5 13×34	15	”	1832	र.का.
1181.	15199	”	सुजयविजय	11.8×24.7 14×37	55	”	1902	र.का. 1738 वि., र.स्था. रानेर, लि.स्था. मोडी
1182.	15200	”	ज्ञानसागर पुत्री	11.8×26 13×40	14	”	1849 वि.	र.का. 1531 वि. लि.स्था. महिमापुर
1183.	15302	”	जिनहर्ष	26.5×11.6 13×48	30	”	1850	र.का. 1740 वि. र.स्था. पाटण
1184.	15327	”	”	25.1×11.8 18×48	1-8	”	1769वि.	र.का. 1742 र.स्था. पाटण, लि.क. सुखहेम, लि.स्था. मुलतान
1185.	16058	श्रीपाल चौपई	यशोविजय	27.2×12 11×35	70	अपूर्ण	1871वि.	र.का. 1738 वि. र.स्था. रानेर, लि.स्था. पालण, अप्राप्त पत्र 35,43,46,61,67,69
1186.	16059	”	जिनहर्ष	23.5×12.5 9×25	87	पूर्ण	19वीं	र.का. 1740 वि. र.स्था. पाटण लि.क. विद्या समुद्र लि.स्था. नाथूसर, अप.प. 29-30
1187.	16833	”	”	25.9×11.2 14×40	31	अपूर्ण	1856 वि.	र.का. 1740 वि. र.स्था. पाटण लि.क. विद्यासमुद्र लि.स्था. नाथूसर, अप.प. 29-30
1188.	16845	”	”	25.8×12.5 12×34	44	पूर्ण	19वीं	र.का. 1740 वि. र.स्था. पाटण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1189.	15214	श्रीपाल रास	लालचंद	11.8×24.9 15×40	38	पूर्ण	1871 वि.	र.का. 1837 वि.,लि. क. चरित्रविलास
1190.	15286	”	यशोविजय	11.8×25.9 18×42	33	”	1799 वि.	र.का. 1737 वि.र.स्था. रानेर, लि.क. शांतिविजय, लि.स्था. वैष्णनगर, मूषकभक्षित प्रति
1191.	16759	श्रीपाल रास	विनय विजय	26.7×13.7 8×18	194	पूर्ण	1949	र.का. 1738 वि.,र. स्था. रानेर, लि.स्था. अमरावती
1192.	16841	”	विनय विजय एवं यशोविजय	25.8×12 12×42	63	”	1855 वि.	र.का. 1738 वि.र. स्था. रानेर
1193.	17227	”	ज्ञानसागर	25.6×11.7 21×37	8	”	1770 वि.	र.का. 1531 वि.लि. स्था. आंवासण
1194.	16094	श्रीमति ढाल	रतनचंद	23.8×11.8 13×35	3	”	19वीं	-
1195.	16079	श्रेणिक चेलणा चौढालियो	रायचंद	25.3×11 16×40	2	”	20वीं	र.स्था.वीकानेर लि.क. चंदू
1196.	15277	” चौपई	धर्मसी	11×26 14×43	29	”	19वीं	र.का. 1719 वि.र.स्था. चन्देरी लि.स्था. वीकानेर
1197.	15656	सन्देश रासा	-	26.5×11.5 15×40	12	”	18वीं	प्रा.सं. में नहीं आया है
1198.	15341	सम्मेत शिखर रास	वालचंद	25.6×11.7 9×30	12	”	20वीं	र.का. 1907 वि. र.स्था. अजीमगंज

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1199.	16130	सम्मेत शिखर रास	वालचंद	21.2×11.2 12×30	9	पूर्ण	20वीं	र.का. 1917 वि.र.स्था. अजीमगंज
1200.	16855	"	"	26.4×12.1 15×42	5	"	"	र.का. 1917 वि.र.स्था. अजीमगंज
1201.	17354	"	गुलाबविजय	24.1×12.3 16×38	4	"	19वीं	र.का. 1847 वि.र.स्था. वैसाली
1202.	13504	सम्यकत्व कौमुदी चौपई	आलमचंद	26.8×12.8 29×41	124 रंगीन, कोटा-झालावाड कलम, लि.क. जैन शीलमुनि चरित्रसुन्दर	"	1824	चित्र सं. या साधारण
1203.	15382	संयम श्रेणी विचार सस्तवक	जसविजय वाचक	27.7×12.3 9×42	7	"	1931 वि.	-
1204.	17237	सड़सठ वोल ढाल	जसविजय	25.6×12.5 11×40	5	"	19वीं	-
1205.	17335	सती गुणावली चौपई	गजकुशल	25.6×11 15×42	17	"	1735	र.का. 1714 वि. लि.स्था.,भिणाय
1206.	15496	समकित सड़सठ बोल	यशोविजय	26.8×11.9 11×34	5	पूर्ण	1739 वि.	र.का. 1725 वि. र.स्था.,मार्तण्डबदार
1207.	15339	सवैया वावनी	धर्मसी	23.8×10.3 15×48	4 रिणी, लि.स्था. भुजनगर, कर्ता द्वारा रचित स्फुट सवैया भी अंत में है।	"	1739 वि.	र.का. 1725 वि.र.स्था.
1208.	15360	"	राज	25.7×10.8 18×60	3	"	1738वि.	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1209.	15609	साम्ब पदमन चौपई	समयसुन्दर	25.9×11 13×33	27	पूर्ण	18वीं	र.का. 1659 वि.र.स्था. स्तम्भ तीर्थ, लि.क. किनकां
1210.	16874	"	"	25.6×11 25×52	9	"	1741 वि.	र.का. 1659 वि.र.स्था. स्तम्भ तीर्थ, लि.क. दानचंद, लि.स्था. महाजन
1211.	16873	" प्रबन्ध	"	22.7×10.4 15×26	28	"	19वीं	र.का. 1659 र.स्था. स्तम्भतीर्थ लि.क. खुस्यालचंद
1212.	17977	सामायिक वतीसी	जिनलब्धि सूरि	16.1×13.6 14×21	265	पूर्ण	1860वि.	-
1213.	15491	सार सिखामण रास	संवेग सुन्दर	26.5×11.2 18×52	7	"	1654वि.	र.का. 1548वि.र. स्था. मानुसपुरी
1214.	16121	सार सिखामण रास	"	13×11.2 15×17	21	"	1769वि.	र.का.1548वि.
1215.	15328	सायक सेठ चौपई	हेमनन्दन	25.1×11.8 18×48	8	"	1769वि.	र.का.1675 वि.लि.क. सुखानंद लि.स्था मुलतान
1216.	16926	सिन्धु चतुर्दशी	मालिक	26.2×12.6 14×23	7	"	20वीं	लि.क.रत्नसागर लि. स्था. बुरहानपुर
1217.	15344	सिद्धाचल ढाल	वीरविजय	27.6×12.6 14×23	7	"	20वीं	लि.क.रत्नसागर लि. स्था. बुरहानपुर
1218.	15621	सीताराम चौपई	समयसुन्दर	25×11.2 13×34	122	"	18वीं	श.जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1219.	16831	सीताराम चौपई	समयसुन्दर उपाध्याय	26.8×11 15×50	79	पूर्ण	17वीं	लि.स्था. मेडता
1220.	15173	सुकोसला चौपई	जगन	11×25.6 15×42	25	"	19वीं	-
1221.	15290.	सुदर्शन चरित्र चौपई	ब्रह्म राय	12×25.6 15×44	25	"	19वीं	-
1222.	15314	"	दीपा	20.3×10.8 17×32	14	"	1930	अंत में वतीस आभरण रो कवित भी है।
1223.	16819	सुदर्शन ढाल	-	23.8×10.5 15×38	6	"	1942वि.	लि.क.मदा लि.स्था. लूणसर
1224.	15270	सुवाहु ऋषि संधि	पुण्यसार	10.8×25.9 11×42	6	"	17वीं	र.का. 1604 वि.र.स्था.
1225.	15193	" चरित्र	जैमल ऋषि	11×23.7 18×40	5-8	"	20वीं	-
1226.	15532	सुभद्रा चौढालियो	विनयचंद	26×12 12×38	5	"	1719	र.का.1770 वि.,जयपुर र.स्था.लि.जेता, लि. स्था. बीकानेर
1227.	16083	सुभद्रा चौपई	रघुपति	25.7×10.6 14×44	20	पूर्ण	19वीं	र.का.1825 वि.र.स्था. तोलियासर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1228.	16592	सुभद्रा चौपई	विनयरतन	26×11.2	4	पूर्ण	1673वि.	र.का. 1549 वि.लि.क.
				18×45			सौभाग्य मेरू लि.स्था. भटनेर	
1229.	15437	सुमति चरित्र पद्य	पार्वती	23.6×11.2	8	अपूर्ण	1961	र.का. 1961 वि.र.स्था.
				17×46			होशियापुर 7वां अप्राप्त	
1230.	15166	सुरसुन्दरी चौपई	धर्मसी	10.8×24.8	18	अपूर्ण	1766वि.	र.का. 1736 र.स्था.
				15×49	वेनातट लि.क. सुखहेम लि. स्था. विक्रमपुर अ.प.			डरा कीटभुक्त कोण
1231.	15213	"	मालदेव	10.7×25.5	18	पूर्ण	1690	जीर्ण लि.क. पार्श्वचन्द
1232.	15245	"	धर्मसी	11.2×22.7	19	"	1785 वि.	जीर्ण र.का. 1736 वि.
				16×48			र.स्था. वेनातट लि.स्था. कालू	
1233.	15272	सुरसुन्दरी चौपई	मतिकुशल	26×10.8	15	पूर्ण	18वीं	र.का. 1731 वि.र.स्था.
				19×50				पाटौदी
1234.	15292	"	धर्मवर्द्धन	11.6×24.8	21	"	19वीं	र.का. 1736 वि.र.स्था.
				16×42				वेनातटपुर
1235.	16103	"	विनयसुन्दर	25.7×11	13	"	18वीं	र.का. 1674 वि.
				17×55				
1236.	16090	सूरपाल चौपई	सकलचंद	26.2×11.6	18	"	1719वि.	र.का. 1707
				16×35		र.स्था. ईलमुर लि. क. कमलसागर लि.स्था. सिकन्दपुर		
1237.	15191	सूरपियारी ढाल	-	11×23.7	1-2	"	20वीं	-
				18×40				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1238.	15180	हंसराज वच्छराज चौपई	महिमासिंह अपरनाम	10.8×26	16	पूर्ण	1676वि.	र.का. 1675 वि.र.
				16×50	कोटडा लि.क.ज्ञानसमुद्र लि.स्था. संग्रामपुर जलसिक्त			
1239.	15221	,,,	जिनोदय सूरि	10.9×25.4	30	,,	1742	जीर्ण र.का. 1680वि.
				15×44				
1240.	15281	हंसराज वच्छराज चौपई	जिनोदय सूरि	11×25.4	32	अपूर्ण	1773	लि.क.ज्ञानहर्ष लि.स्था.
				15×34			रायपुरा अप्राप्त पत्र 4-5	
1241.	16061	,,	मुनिमान	26.3×11.2	25	पूर्ण	1848वि.	र.का. 1675 वि.र.स्था.
				13×37			कोटडा लि.क. सुखसार लि.स्था. झज्झू	
1242.	16868	,,	जिनोदय सूरि	24.5×10.8	42	,,	1750	र.का. 1680 वि.लि.
				14×32			स्था.दुगौली आदि पत्र क्षतिग्रस्त	
1243.	16877	,,	,,	25.5×11.9	24	,,	1844	जीर्ण लि.क.श्रीकर्ण
				17×50				
1244.	18106	हंसराज वच्छराज चौपई	जयतिलक	16×11.5	1-85	,,	1890वि.	-
				12×18				
1245.	16089	हरिचन्द चौपई	कनकसुन्दर	26×11.2	120	,,	19वीं	र.का.1697 वि.लि.क.
				17×45			गुलाली लि.स्था. बीकानेर	
1246.	16081	हरिचन्द रास	प्रेममुनि	25.3×13	22	,,	1945	र.का. 1850 वि.
				11×35		र.स्था. कटाला, लि.क. रामचन्द्र, जोरावरमल ऋषि		
1247.	15234	हरिचन्द रास	लालचंद	10.7×25.8	23	अपूर्ण	1728	जीर्ण, क्षतिग्रस्त लि.क.
				15×45	सुख .का. 1679 र.स्था. असजनपुरी घंघाणी अ.प. 21-22 कीअविद्ध			

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1248.	16100	हरिवल चौपई	पुष्यहर्ष	26.4×10.9 15×55	8	पूर्ण	19वीं	र.का. 1715 विर.स्था. पसरासहर
1249.	17927	हुण्डी रासो	जिनहर्ष	16.1×13.6	144-149	,,	1860	र.का. 1725 वि.
जैनकथा 22/5								
1250.	16034	अक्षय तृतीया व्याख्यान	-	25.5×12.5 9×28	11	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 1-4कृति सं. 5 से प्रारंभ
1251.	16036	,,	-	25.2×11.2 15×45	3-5	पूर्ण	,,	-
1252.	14788	अष्टाह्निका	-	25.3×11.2 15×45	14	पूर्ण	,,	-
1253.	14788	अष्टाह्निका	-	25.5×12.7 12×32	42	,,	,,	-
1254.	16021	अष्टाह्निका व्याख्यान	-	25×12 14×35	4	पूर्ण	1909	लि.स्था.नागपुर
1255.	16024	,,	,,	21×12.2 11×30	23	,,	1943	लि.क.कृष्णचन्द्रलि.स्था. जयपुर
1256.	17471	आखातीज रो वखांण	-	17.4×22 16×22	5	,,	20वीं	लि.क.नैनचंद
1257.	14251	आदिनाथ संबंध गद्य	-	26.4×11.2 13×36	27	,,	17वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1258.	15758	उपदेश माला वालावबोध	-	22×10.8 11×30	35	अपूर्ण	19वीं	जलसिक्त एवं मूसक भक्षितकृति
1259.	15664	कथा पत्र फुटकर	-	25.5×10.8 17×48	4	"	19वीं	-
1260.	16320	कालिकाचार्य कथा गद्य	-	24.5×11 11×28	21	पूर्ण	1749	लि.क. यशोधीर लि.स्था. संग्रामपुर
1261.	16321	"	-	25.8×11.2 9×31	23	"	17वीं	लि.क. हीरी
1262.	14869	कालिकाचार्य कथा वालाववोध	-	26.7×12.3 14×46	12	पूर्ण	19वीं	-
1263.	14870	"	-	25.6×10.6 13×50	13	"	18वीं	-
1264.	14868	" वार्ता सुवोधिका	कनकनिधान	25.3×10.6 15×50	11	"	"	लि.क.कनक निधान
1265.	17395	गोमट स्वामी यात्रा की चिट्ठी	-	24.2×12.7 18×32	1-3	"	19वीं	-
1266.	15073	"	-	11.7×25.5 13×44	9	पूर्ण	"	-
1267.	15073	"	-	11.7×25.5 13×44	9	पूर्ण	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1268.	15074	गोमट स्वामी यात्रा की चिट्ठी	-	11.5×23.5 11×30	34	पूर्ण	1842	लि.क. जीवराज लि.स्था.
1269.	16018	"	-	25.7×12.5 12×32	20	"	20वीं	-
1270.	17346	चातुर्मासक व्याख्यान	-	24.4×12.8 12×38	102	पूर्ण	1939	-
1271.	16035	चैत्री पूनम व्याख्यान	-	25.2×11.2 15×45	103	"	19वीं	-
1272.	14769	चौमासी	"	25.5×11.2 15×42	22	"	1827	-
1273.	14772	"	शिवनिधान	25.5×10.8 15×40	12	"	1752	लि.क.रंगधर्म, लि.स्था. सितपत्र नगर
1274.	14777	"	-	24.8×12.5 14×35	14	"	1884	लि.स्था. वीकानेर
1275.	14778	"	-	25.8×11.8 17×44	15	"	1869	-
1276.	14779	"	-	25.7×11 16×50	12	"	1817	लि.क. भाग्यविशाल
1277.	14783	"	शिवनिधान	25.8×11 15×48	11	"	1707	लि.क. प्रेमहर्ष लि.स्था. पाली

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1278.	14784	चौमासी व्याख्यान	सूरचन्द्र	24.5×11.7 12×40	19	पूर्ण	1890	लि.क.दीपविजय,लि.स्था. सुद्रदन्तीनगर
1279.	14785	"	शिवनिधान	25.8×11 13×42	15	"	1711	लि.क.कमलोदय,लि.स्था. आगरा
1280.	14786	"	-	25.1×10.8 17×52	8	"	1739	लि.क. रघुनाथ,लि.स्था. मरोट
1281.	17475	"	-	27×11.6 15×40	17	"	1830	लि.क.भगवानदास, लि. स्था. गेहरसर
1282.	17475	"	-	24.8×11.2 10×33	16	"	1939	लि.क. विजयचन्द्र, लि. स्था. वाहडमेर
1283.	16137	जम्बू चरित्र गद्य	-	25.5×11.8 19×40	10	'	20वीं	जीर्ण
1284.	16442	दशोठण	-	26×11.1 14×45	2	"	1795	लि.क.जयकरण,लि.स्था. उदरामसर
1285.	16736	दिवाली कल्प	-	26.9×14 15×32	2	"	19वीं	-
1286.	14807	दिवाली कल्प बालावबोध	-	25.2×10.5 10×32	32	"	19वीं	मू.र.का. 1383
1297.	16031	दीपमालिका व्याख्यान	-	24.8×13 13×24	17	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1288.	16032	दीपमालिका व्याख्यान	चरित्रसार पुत्री सुमतिवर्द्धनगणि	20×11 9×22	65	पूर्ण	20वीं	-
1289.	14081	नवकारोपरि कथानक गद्य	-	25×11.2 20×48	2	"	19वीं	-
1290.	16939	प्रश्नोत्तर कथानक	-	26.2×11.5 17×37	18वां	"	1833	लि.क. धर्मोदय लि.स्था. जैतारण
1291.	17066	भक्तामर प्राकृत वार्ता	मानतुंगसूरि टी. मेरू सुन्दर	26×11.2 11×36	26	"	18वीं	चिपके पत्र
1292.	14003	भुवनभानु केवली चरित्र वालाववोध	हीरकलश यति	26×11.1 13×39	101 हेमचन्द्र कृत भुवनभानु चरित्र का राजस्थानी अनुवाद है।	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 61-90
1293.	14825	मौन एकादशी कथा	-	24×11 12×34	9	पूर्ण गौडीदास मूल प्रति के बाद में जोडा गया है।	1813	लि.का. 1840 एवं लि.क.
1294.	14826	मौन एकादशी कथा	-	25.1×10.4 15×44	5	पूर्ण	18वीं	लि.क.भागचंद
1295.	16038	"	-	25.5×12 13×38	7	"	1876	-
1296.	16037	"	-	26.5×11.5 15×35	6	"	19वीं	-
1297.	16309	रोहिणी अशोक राजाकथा	-	25.5×10.7 15×35	3	"	17वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1298.	15730	व्याख्यान अनित्यादि उठावणा	-	25.5×10.8 11×42	1-6	अपूर्ण	1766	जीर्ण ि.क. नित्यविजय लि.स्था. पूगल
1299.	15243	श्रीपाल चरित्र	जसविजय	10.4×25.4 15×38	58	पूर्ण	1876	र.का. 1738 र.स्था. हीरानेर लि.क. आणन्दसागर लि.स्था. भाग्यनगर
1300.	17337	"	देवमुनि	26.3×12.4	65	"	1936	र.का. 1917 लि.क. मंगूमल्लवास लि.स्था. वीकानेर अ.प. 11,12
1301.	16028	सौभाग्य पंचमी व्याख्यान	-	25.8×12 20×52	3	पूर्ण	1907	लि.क. गिरधारी लि. स्था. विक्रमपुर, अंत में सुन्दरकवि कृत राजस्थानी सवैया है
1302.	16040	होलिका कथा	-	25.7×12.5 9×30	4	"	19वीं	-
22/6 जैन स्तुति स्तवन								
1303.	16241	अन्तरिक पार्श्व छन्द	भाव विजय	27.2×13 15×30	1-4	"	19वीं	-
1304.	16595	"	"	21.2×9.8 9×22	6	"	"	-
1305.	17718	" स्तवन	रंगहीर	17×13.2 15×24	162-163	"	20वीं	-
1306.	17808	"	"	" -	205	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1307.	17891	अन्तरीक पार्श्व स्तवन	जिनचन्द सूरि	17×13.2 15×24	261वां	पूर्ण	1910	पत्र 261-270 तक ग्रंथ सूची है लि.क्र. नेमचन्द्र खतरतरगच्छी लि.स्था. लश्कर
1308.	18208	अजितनाथ जिन स्तवन	जसविजय	13.3×9.5 8×14	178-179	"	1886	-
1309.	15590.	अजित शान्ति स्तवन	मेरूनन्दन	24.6×10.2 17×56	4	"	18वीं	जीर्ण
1310.	16167	"	"	24.1×10.8 15×46	5-6	"	19वीं	-
1311.	17576	"	"	15×10 9×18	53-57	"	"	-
1312.	15552	" स्तोत्र	"	26.3×11.3 12×36	2	"	"	लि.क. सहजहर्ष
1313.	16240	अट्ठावीस लब्धि स्तवन	धर्मवर्द्धन	22.1×11.2 16×32	2	पूर्ण	19वीं	र.का. 1726 र.स्था. लूणकरणसर
1314.	17815	अट्ठावीस लब्धि स्तवन	धर्मवर्द्धन	17×13.2 15×24	216-218	पूर्ण	20वीं	र.का. 1726 र.स्था.
1315.	17916	"	"	16.1×13.6 11×18	90	"	1860	"
1316.	17932	अठाणु बोल अल्प-बहुत्व स्तवन	रूपचन्द्र	16.1×13.6 14×20	162-165	"	"	र.का. 1823

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1317.	15422	अठारह नाता सज्झाय	कवियण	26.4×12.8 16×38	1-3	पूर्ण	1948	-
1318.	17819	अढाई द्वीप रो स्तवन	धर्मसी	17×13.2 15×24	225-228	"	20वीं	र.का. 1729 र.स्था. जैसलमेर लि.क. सुखविजय
1319.	17254	अध्यात्म पद महिमा	आनन्दघन	24.2×12.5 14×40	11	"	1892	लि.क. वीरवैताल लि.स्था. कलकता 70 पद है।
1320.	17185	अनागत चतुर्विंशति जिन	ज्ञानसागर	25.5×12.7 13×32	15	"	1884	लि.क. उद्योतविजय लि. स्था. महिमापुर मकसूदावाद पत्रों पर स्याही फैली हुई है।
1321.	16154	अनाथी गीत	समयसुन्दर	23.8×10.7 18×50	3-4	"	19वीं	-
1322.	17938	अनाथी मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	16.1×13.6 15×20	179 -180	पूर्ण	1860	-
1323.	15775	अयमत रिख सज्झाय	क्षमाकल्याण	25×12.3 13×35	19-21	"	19वीं	-
1324.	15547	"	लक्ष्मी रत्न	24.8×11.5 12×28	2	"	"	-
1325.	17945	अरणक मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	16.1×13.6 15×20	185-186	"	1860	-
1326.	18121	"	"	16×11.5 12×18	214-215	"	1890	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1327.	17738	"	कवियण	17×13.2 15×24	171-	पूर्ण	20वीं	-
1328.	17972	अर्बुदाचल स्तवन	रूपचंद	16.1×13.6 15×18	247-348	"	1860	र.का. 1821
1329.	17928	अल्प-वहुत्व स्तवन	समयसुन्दर	" -	149-151	"	"	-
1330.	17233	अष्टकर्म प्रकृति स्तवन	हमीरविजय	25.5×12 15×28	6	पूर्ण	19वीं	अंत में पंचकरवाण भाषार्थ है
1331.	16189	अघटभय निवारण गौडी पार्श्वनाथ छंद	धर्मसिंह	24.5×10.5 13×35	2	"	1865	-
1332.	17609	अष्टमी स्तवन	-	19.8×14.5 14×24	74-75	"	19वीं	-
1333.	17899	अष्टमी स्तुति	-	16.1×13.6 11×18	71वां	"	1860	-
1334.	17909	अष्टमी स्तुति	जिनसुख सूरि	16.1×13.6 11×18	77-78	"	1860	-
1335.	16192	अष्टापद स्तवन	समयसुन्दर	27×13 11×35	6ठा	"	1897	लि.क. लाभसमुद्रगणि
1336.	18027	"	"	16.1×13.6 13×22	369-370	"	1860	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1337.	18171	अष्टापद स्तुति	समयसुन्दर	13.3×9.5 8×14	46-47	पूर्ण	1886	-
1338.	18294	अष्टापद स्तुति	समयसुन्दर	11×9.4 12×18	23-24	पूर्ण	19वीं	-
1339.	17610	आठम री सज्झाय	शांतिविजय	19.8×14.5 14×24	76-80	"	"	साथ में मौन इग्यारस स्तवन एवं सज्झाय है
1340.	18213	आत्मबोध सज्झाय	धर्मसी	13.3×9.5 8×14	188-191	"	1886	-
1341.	17996	आत्महित सज्झाय	-	16.1×13.6 13×22	326-327	"	1860	-
1342.	18293	"	भुवनकीर्ति	11×9.4 13×28	22-23	"	19वीं	-
1343.	16173	आदि जिन स्तवन	जिनचन्द्र	25.5×11.2 12×14	2रा	"	1921	7.3×9 साइज का मालवा कलम युक्त एक रंगीन चित्रित पत्र है।
1344.	16176	"	सहजकीर्ति	23.2×10.8 13×38	2	"	19वीं	-
1345.	16205	आदिजिन स्तवन	समयसुन्दर	25.1×10.7 10×37	2	पूर्ण	20वीं	लि.क.बच्छराज,लि.स्था. समदसर
1346.	17670	आदि जिन स्तवन	खुशालचंद	17×13.2 15×24	141-142	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1347.	17671	आदि जिन स्तवन	हरखचंद	,, -	142	पूर्ण	20वीं	-
1348.	17915	,,	राजसमुद्र जिनराजसूरि	16.1×13.6 11×18	87-90	,,	1860	-
1349.	18194	,,	क्षमा कल्याण	13.3×9.5 8×14	140-141	,,	1886	-
1350.	18197	,,	आनन्दवर्द्धन	,, -	143-144	,,	,,	-
1351.	18199	,,	जिनहर्ष	,, -	144-145	,,	,,	-
1352.	18255	,,	समयसुन्दर	12×11 9×12	140-146	,,	1862 लि.स्था.महिमापुर	लि.क.कल्याणविजय
1353.	18184	आदि जिन वृद्ध स्तवन	समयसुन्दर	13.3×9.5 8×14	105-111	पूर्ण	1886	-
1354.	17486	आदि नाथ अष्टक	-	22.6×10.8 11×22	2	,,	19वीं	-
1354.	17486	आदि नाथ अष्टक		22.6×10.8 11×22	2	,,	19वीं	-
1355.	16237	आदि नाथ आलोयणा	समयसुन्दर	25.8×11 13×35	2	,,	,,	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1356.	17983	आदिनाथ जन्म पद	-	16.1×13.6 16×22	277-278	पूर्ण	1860	-
1357.	18168	आदिनाथ जिन स्तवन	शोभ	13.3×9.5 8×14	44वां	"	1886	-
1358.	15387	आदिनाथ विनती	कीर्तिविजय	27.1×12.3 12×33	2	"	1926	लि.क. कामेश्वर
1359.	16140	आदिनाथ स्तवन	राजलाभ वाचक	25.5×11.3 13×36	2	"	18वीं	र.का.1759 जीर्ण
1360.	16212	"	धर्मसुन्दर	25.8×11.5 14×35	3-4	"	1795	-
1361.	16213	आदिनाथ स्तवन	राजसमुद्र	25.8×11.5 14×35	4था	पूर्ण	1795	-
1362.	17731	"	जिन सौभाग्य सूरि	17×13.2 15×35	167वां	"	20वीं	-
1363.	17981	"	नयनभद्र	16.1×13.6 16×20	273-274	"	1860	-
1364.	17988	"	सहजकीर्ति	" -	287-289	"	"	-
1365.	18150	"	-	9.2×11.7 10.9	8-17	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1366.	17806	आदिश्वर जिन स्तवन		17×13.2 15×24	204वां	पूर्ण	"	-
1367.	17793	"	नवल	17×13.2 15×24	200वां	"	"	-
1368.	17993	आदिश्वर वृद्ध स्तवन	समयसुन्दर	16.1×13.6 13×22	302-304	"	1860	-
1369.	16221	आराधना पताका भगवती सज्झाय	ज्ञानउद्योत ज्ञानसागर	22.4×12.6 13×30	16	पूर्ण	19वीं	र.का.1800
1370.	16589	आलोयणा गर्भित आदिनाथ स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	25×11.2 13×32	2	"	"	-
1371.	15581	आलोयण स्तवन	कमलसुन्दर	18.8×10.9 9×18	5	"	"	र.का. 1833
1372.	16593	"	लावण्यसमय	26.1×11.2 12×38	3	"	18वीं	लि.क. कीर्तिविजय
1373.	17821	"	धर्मसी	17×13.2 15×24	230-233	"	20वीं	र.स्था. फलौधी
1374.	17991	"	कमल हर्ष	16.1×13.6 15×18	243-246	"	1860	-
1375.	15318	आषाढभूति राजर्षि गीत	-	26×10.1 11×46	3	"	17वीं	जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1376.	17813	इरियावही स्तवन	लक्ष्मी वल्लभ	17×13.2 15×24	212-213	पूर्ण	20वीं	-
1377.	15761	इलाची मुनि सज्झाय	-	25×12.3 13×35	3-6	पूर्ण	19वीं	-
1378.	17736	इलापुत्र सज्झाय	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	170वां	"	20वीं	-
1379.	17944	"	लब्धि विजय	16.1×13.6 15×20	184-185	"	1860	-
1380.	18122	"	"	16×11.5 12×18	215-216	"	1890	-
1381.	15352	उत्तराअध्ययन गीत	राजशील	26.3×10.8 11×42	16	अपूर्ण	1654	लि.क. भवनसोम अप्राप्त
1382.	15368	"	"	26.1×11 12×44	13	पूर्ण	17वीं	पत्र चिपके जलसिक्त एवं क्षतिग्रस्त है।
1383.	16246	उत्पत्ति सज्झाय	श्रीसार रतनहर्ष	25.5×11.4 17×50	1-2	"	19वीं	जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त
1384.	16259	उपदेश मंगलीक माला	-	23.4×12.7 15×37	1-6	"	"	"
1385.	15439	उपदेशी कडा	रायचन्द	23.5×11 14×34	3	पूर्ण तिवरी लि.क. छतमल लि.स्था. जोधपुर	1950	र.का. 1828 र.स्था.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 1386.	15441	उपदेश लावणी सज्झाय		25.1×12.3	26	पूर्ण	19वीं	-
				21×46				
प 1387.	15412	उपदेशी स्तवन संग्रह	-	25.1×13	1-36	”	”	पत्र सं. 11 वां भूल से
				22×38			लगा नही है कृति	अटूट है
1388.	16175	ऋषभ जिन स्तवन	लालचंद	25.5×11.2	3रा	”	1921	र.का. 1839 र.स्था.
				12×44	बीकानेर लि.क.	चित्रसोम मुनि	8×8.8 का मालवा	कलम युक्त एक
								रंगीन चित्र साथ है।
1389.	17729	ऋषभ जिन स्तवन	ऋषभदास	17×13.2	167वां	”	20वीं	-
				15×24				
1390.	17809	”	जिनभक्ति सूरि	”	205-206	”	”	-
				-				
1391.	17964	ऋषभ जिन स्तवन	अमृतधर्म	16.1×13.6	222-223	पूर्ण	1860	-
				8×14				
1392.	18006	”	राजसमुद्र जिनराज	”	356-57	”	”	-
			सूरि	-				
1393.	18162	”	समयसुन्दर	13.3×9.5	39-40	”	1886	-
				8×14				
1394.	18175	”	साधुकीर्ति	”	40वां	”	”	-
				-				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1395.	18175	ऋषभ जिन स्तवन	शोभ	" –	54-55	पूर्ण	1886	-
1396.	17872	ऋषभदेव जिन आरती	मूलचंद	17×13.2 15×24	257वां	"	"	-
1397.	17866	ऋषभदेव ज़िन स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	" –	252-255	"	"	-
1398.	17868	"	लालचंद	" –	254-255	"	"	र.का. 1839 र.स्था. वीकानेर
1399.	17721	ऋषभदेव लावणी	ऋषभदास	17×13.2 15×24	164-165	पूर्ण	20वीं	-
1400.	17985	ऋषभदेव स्तवन	जिनसुखसूरि	16.1×13.6 13×22	280-281	"	1860	-
1401.	18072	"	लालचंद	" –	415-416	"	"	पत्र सं. 417-421 ग्रंथ सूची है
1402.	17811	ऋषभनिन्दा स्तुति स्तवन	धर्मसी	17×13.2 15×24	209	"	20वीं	लि.क. विजयहर्ष
1403.	15488	ऋषभ स्तवन	पासचन्द्र	25.8×11 11×38	67-72	"	17वीं	-
1404.	15488	ऋषभ स्तुति	समयसुन्दर उपाध्याय	23.9×11.7 13×35	10	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1405.	15600	एक सौ दस द्वार समास स्तवन		24.8×11.7 11×38	10	पूर्ण	17वीं	-
1406.	17391	एकसदशांग सज्झाय	विनयचन्द्र	28.2×13 11×26	23-30	"	1917	लि.क. देवकर्ड्ड लि.स्था. अजीमगंज
1407.	17936	एकादशांग सज्झाय	विनयचन्द्र	16.1×13.6 15×20	171-178	पूर्ण	1860	र.का. 1758 र.स्था. अहमदावाद
1408.	17523	एकादशी सज्झाय	उदयरत्न	26.3×13 9×32	1	"	19वीं	-
1409.	15170	कंस की लावणी	-	11.9×21 14×36	2	"	20वीं	जीर्ण
1410.	16600	कंस कृष्ण लावणी	विनयचन्द	27.2×11.2 12×36	3	"	19वीं	-
1411.	15566	कमठ रो छन्द	-	24.7×10.8 15×41	2	"	19वीं	जिन स्तुति है।
1412.	15557	कर्म सज्झाय	-	20.7×10.7 11×29	13-17	"	"	-
1413.	15564	"	-	25.3×12.2 17×38	3	"	"	-
1414.	17743	"	ऋद्धिहर्ष	17×13.2 15×24	174	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1415.	18076	कर्म सज्झाय	-	15.3×11.5 9×16	32-37	पूर्ण	19वीं	-
1416.	18141	”	ऋद्धिहर्ष	16×11.5 12×18	227-229	”	1890	-
1417.	16207	कलावती सज्झाय	जैमल	23.8×11.1 19×38	1-2	”	20वीं	जीर्ण, लि.क.धन्ना
1418.	16590	कल्याण स्तवन	पासचन्द सूरि	25.7×11.2 12×43	2	”	1662	जीर्ण, लि.क.गुणराज
1419.	18277	”	पुण्यसार	11.3×10.3 13×16	118-122	”	1675	-
1420.	16248	कल्याण पार्श्वनाथ लावणी	-	23×13.7 12×31	2	”	1962	लि.क. चतुरपद्म, लि. स्था. सेजरासर
1421.	16158	कल्याण मंदिर स्तोत्र भाषा	वनारसीदास	24.3×11.3 13×35	3	”	1816	-
1422.	6385	”	”	24.8×11.5 10×27	6	”	19वीं	जीर्ण, पत्र 3 तक स्फुट पद हैं।
1423.	16849	कल्याण मंदिर स्तोत्र भाषा गौडी पार्श्व छंद	वनारसीदास	26×11.8 16×46	2-4	पूर्ण	1946	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 1424.	16965	कवित पदादि स्फुट	-	20.4×12.1 10×25	4-14	पूर्ण	19वीं	-
1425.	18314	कायापद	लिखमा	17.5×15 16×20	67-68	"	1849	लि.क. रामां लि.स्था. हदा
1426.	17733	काया सज्झाय	रत्नविमल	17×13.2 15×24	17वां	"	20वीं	-
1427.	15770	क्रोध सज्झाय	-	25×12.3 13×35	17वां	"	19वीं	-
1428.	18334	गजसु कुमाल गीत	मनरंग	26×10.8 11×35	1	"	17वीं	-
1429.	17744	गज सुकुमाल सज्झाय	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	175-176	"	20	-
1430.	17947	"	जेठमल	16.1×13.6 15×20	187-189	"	1860	-
1431.	15187	गिरनार गीत	कनक निधान	10.5×24 20×58	12वां	पूर्ण	18वीं	-
प 1432.	15535	गीत स्तवनादि	-	21.3×11.3 11×22	9	"	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1433.	15371	गौडी पार्श्वछन्द	रूप	24.7×10.6 12×36	6	पूर्ण	1845	लि.क.हरचन्द लि.स्था. रिणी
1434.	15372	”	रूप	27.5×11.6 14×43	3	”	1821	-
1435.	16174	गौडी पार्श्व जिन स्तवन	कमलसुन्दर	25.5×11.2 12×44	2-3	”	1921	र.का. 1839
1436.	17794	”	जिनभक्ति सूरि	17×13.2 15×24	200वां	”	20वीं	-
1437.	17802	”	दीपचंद	” -	203वां	”	”	-
1438.	17804	”	खेम	” -	204वां	”	”	-
1439.	17965	गौडी पार्श्व जिन स्तवन	लालचंद	16.1×13.6 15×18	223वां	”	1860	-
1440.	18117	”	प्रीतविमल	16×11.5 12×18	195-201	”	1890	-
1441.	18204	”	वखता	13.3×9.5 8×14	151-153	”	1886	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1442.	15574	गौडी पार्श्वनाथ छन्द	धर्मसी	23.6×10.6 14×42	2	पूर्ण	19वीं	लि.क.अमृतधर्म
1443.	16168	गौडी पार्श्व लघु स्तवन	-	24.1×10.8 15×46	6ठा	"	"	-
1444.	17667	गौडी पार्श्व वृद्ध स्तवन	प्रीतविमल	17×13.2 15×24	137-141	"	20वीं	-
1445.	15398	"	लावण्य समय	27×13 15×38	2	"	1836	लि.स्था. कोठारा
1446.	15551	"	प्रीत विमल	26×9.7 12×32	4	"	18वीं	जीर्ण,कीटविद्ध
1447.	16226	गौडी पार्श्व वृद्ध स्तवन	प्रीत विमल	25.6×12.3 12×37	2	"	1920	-
1448.	16235	"	कमल सुन्दर	26.1×12 11×28	2रा	"	19वीं	-
1449.	17565	"	प्रीत विमल	9.5×11 15×15	30-36	"	"	-
1450.	17607	"	"	19.8×14.5 14×24	68-7	"	"	-
1451.	17989	"	समयरंग	16.1×13.6 13×22	289-291	"	1860	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1452.	18021	”	जिनभक्ति सूरि	” --	365-366	पूर्ण	1860	-
1453.	16129	गौतम संवाद छन्द	लक्ष्मीकीर्ति पाठक	26.2×11 15×42	8	”	19वीं	-
1454.	17677	गौतम स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	143वां	”	20वीं	-
1455.	15324	गौतम स्वामी छंद	नयरंग	25.7×10.9 15×42	4	पूर्ण	18वीं	कीटबिद्ध
1456.	15325	”	राज	25.5×11.2 15×44	1-4	”	1785	जीर्ण लि.क. कुशल, लि. स्था.कालू
1457.	18032	गौतम स्वामी स्वाध्याय	लावण्य समय	16.1×13.6 13×22	387-388	”	1860	-
1458.	16191	गौतमाष्टक	समयसुन्दर	27×13 11×35	5-6	”	1897	लि.क. लाभसमुद्रगणि
1459.	17527	”	”उपाध्याय	11.2×25.5 19×20	1	”	19वीं	-
1460.	17634	”	”	17×13.2 15×24	108-109	”	”	-
1461.	17713	चन्द्रप्रभु स्तवन	सुगण	” -	160-161	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1462.	17714	चन्द्रप्रभु स्तवन	जिनहर्ष	,, -	161वां	पूर्ण	19वीं	-
1463.	7867	चिन्तामणि पार्श्व स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	17×13.2 15×24	254वां	पूर्ण	20वीं	-
1464.	18166	,,	भावरतन	13.3×9.5 8×14	41-42	,,	1886	-
1465.	15475	चूंदडी ढाल	-	25.1×11.7 19×40	2-3	,,	19वीं	-
1466.	17734	चेलणा सज्झाय	समयसुन्दर उपा.	17×13.2 15×24	169वां	,,	20वीं	-
1467.	17937	,,	,,	16.1×13.6 15×10	179वां	,,	1860	-
1468.	15776	चैत्यवन्दन स्तुति	-	28.1×12.5 12×35	3	,,	1897	लि.क. सौभाग्य सागर
1469.	17642	चैत्री पूनम स्तवन	साधुकीर्ति	17×13.2 15×24	115-116	,,	20वीं	-
1470.	18015	,,	,,	16.1×13.6 13×22	361-362	,,	1860	-
1471.	18119	चौपड़ री सज्झाय	रतनसागर	16×11.5 12×18	211-212	पूर्ण	1890	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1472.	15510	चौबीस जिन स्तवन	धर्मसी	24.4×10.9 16×38	7-8	पूर्ण	19वीं	-
1473.	16216	"	ऋषभ	26.1×11.4 15×32	3	"	"	-
1474.	17931	"	धर्मसी (धर्मवर्द्धन)	16.1×13.6 16×20	159-162	"	1860	र.का. 1725 र.स्था. रिणी
1475.	17444	" स्तुति	जसविजय वाचक	24×11.7 15×45	5	"	19वीं	लि.क. दयाचन्द्र
1476.	17612	"	-	17×13.2 15×24	7-14	"	"	-
1477.	15392	चौबीस तीर्थंकर स्तुति	हीर ऋषि	24.2×11.2 10×34	6	"	1873	लि.क.हंसराज लि.स्था. लाडनू
1478.	16594	"	ऋषि	26.7×12.6 13×35	2	"	"	-
1479.	15381	चौबीस दण्डक स्तवन	पासचन्द	25.5×10.8 11×34	2	पूर्ण	19वीं	-
1480.	16266	"	धर्मसिंह पुत्र विजय हर्ष	25.6×12.2 10×30	6-9	"	"	र.का. 1729 र.स्था. जैसलमेर
1481.	17814	"	धर्मसी	17×13.2 15×24	213-216	"	20वीं	"

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1482.	15636	चौवीसी	समयसुन्दर	25.5×10.8 11×28	5	पूर्ण	19वीं	-
1483.	15779	"	"	25.3×10.5 15×52	3 अहमदावाद अहमदावादे संघपति सोमजी समभ्यर्थनया कृतानि	"	18वीं	र.का. 1658 र.स्था.
प 1484.	16230	चौवीसी गीत संग्रह	जिनरत्न	26×10.7 13×40	6	"	18वीं	जीर्ण
1485.	15716	चौबीसी चैत्यवंदन नमस्कार	क्षमा कल्याण	25×11.7 11×31	8	"	20वीं	र.का. 1856 र.स्था. नागपुर
प 1486.	15346	चौबीस स्तवन	जिनराजसूरि	25.5×11.2 13×44	22	पूर्ण	18वीं	-
प 1487.	15350	"	आनन्दघन	26×11.5 15×42	8	"	1816	लि.क.अमृत विजय
प 1488.	15384	"	विनयचंद	25.8×11.8 13×50	7 जयपुर अंत में रामदास कृत आत्म सज्झाय है।	"	1925	र.का. 1906 लि.स्था.
प 1489.	15388	"	मगनलाल	26×11.2 17×38	5 जयपुर लि.क. लछमन लि.स्था. अम्बाला	"	20वीं	र.का. 1939 र.स्था.
प 1490.	15405	"	जिनराजसूरि	26.8×11.8 14×44	10-15	"	19वीं	-
1491.	16127	"	संयममूर्ति पुत्र विनय मूर्ति	25×11.2 15×52	8	"	18वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1492.	16128	चौवीस स्तवन	"	24×10.8 17×45	8	पूर्ण	18वीं	लि.स्था. स्वर्णगिरी
1493.	16177	चौवीस स्तवन	जयकीर्ति	26×12.3 17×40	2	पूर्ण	19वीं	-
1494.	17199	चौवीसी स्तवन	जिनराज सूरि	26.5×11.8 10×30	10	"	19वीं	-
1495.	17408	"	-	26.2×13.5 17×40	4	अपूर्ण	"	-
प 1496.	17843- 1765	"	जिनराजसूरि	17×13.2 15×24	243-251	"	पूर्ण	20वीं -
प 1497.	17920	"	जसविजय	16.1×13.6 11×20	125-139	"	1860	-
1498.	18183	"	आनन्दघन	13.3×9.5 8×14	65-105	"	1886	-
1499.	18222	"	जयवन्त	15.7×10.5 10×22	9-12	"	19वीं	-
प 1500.	18248	"	-	12×11 9×12	1-27	"	"	-
1501.	17812	चौरासी आशातना स्तवन	धर्मसी	17×13.2 15×24	210-212	पूर्ण	20वीं	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1502.	17930	चौरासी आशातना स्तवन	धर्मसी	16.1×13.6 16×20	157-159	पूर्ण	1860	-
1503.	16163	चौदह गुणठाणा सज्झाय	जयसोम	25.8×10.8 16×45	3	"	1749	लि.क. प्रतापहंस
1504.	16208	"स्तवन	धर्मसिंह	22.8×11.8 15×35	2	"	1860	र.का., 1729 लि.क. कनकरत्न, लि.स्था. रंगपुर
1505.	16265	"	धर्मसी विजयहर्ष	25.6×12.2 10×30	3-6	"	19वीं	र.का. 1729, र.स्था. वाहडमेर
1506.	16583	"	पदमराज	26.3×11.3 10×55	4	"	"	लि.क. प्रेमराज
1507.	17810	"	धर्मसी	17×13.2 15×24	206-209	"	20वीं	र.का. 1729
1508.	17978	"	"	16.1×13.6 14×18	268-272	"	1860	"
1509.	16218	चौदह स्वप्न धवल	विनयलाभ	24.4×10.8 13×42	2	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
1510.	18002	"पद	-	16.1×13.6 14×18	354वां	"	1860	-
1511.	16249	"सज्झाय	जैमल	23.4×10.5 13×33	2	"	20वीं	जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1512.	17957	च्यार कषाय सज्झाय	उदयरत्न	16.1×13.6 14×18	198-200	पूर्ण	1860	-
1513.	15386	च्यार मंगल	जैमल	24.8×11.9 18×46	6	"	19वीं	-
1514.	15390	छतीस स्वाध्याय	उदयविजय	26.5×11.5 9×25	28	"	1802	लि.क. औरंगाबाद
1516.	16191	"	-	27×13 11×35	8वां	"	1897	लि.क. लाभसमुद्र गणि
1517.	16197	जिनकुशल सूरि स्तवन	जयसागर उपाध्याय	27×13 11×35	8-9	पूर्ण	1897	लि.क. लाभसमुद्र गणि
1518.	18101	जिन चौवीसी	आनन्दघन	15.3×11.5 9×16	214-233	"	19वीं	-
1519.	16217	जिन नमस्कार	दान	24.9×11 11×35	11	"	1790	-
1520.	17672	जिन पद	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	142वां	"	20वीं	-
1521.	17674	"	जिनलाभसूरि	" -	143वां	"	"	-
1522.	17681	"	जिनहर्ष	" -	145वां	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1523.	17701	जिनपद	सेवक	17×13.2 15×24	157-158	पूर्ण	20वीं	-
1524.	18062	"	-	16.1×13.6 13×22	401वां	"	1860	-
1525.	18067	जिन पद	हरखचन्द	16.1×13.6 13×22	402-403	पूर्ण	1860	-
1526.	18096	"	जिनचंद	15.3×11.5 9×16	93वां	"	19वीं	-
1527.	18126	"	"	16×11.5 12×18	218-219	"	1890	-
1528.	18127	"	"	" -	219वां	"	"	-
1529.	18128	"	हरखचंद	" -	219-220	"	"	-
1530.	18129	"	शोभ	" -	220वां	"	"	-
1531.	18135	"	-	" -	223वां	"	"	-
1532.	18165	"	जिनलाभसूरि	13.3×9.5 8×14	41वां	'	1886	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1533.	18174	जिनपद	शोभ	13.3×9.5 8×14	52-53	पूर्ण	1886	-
1534.	18202	”	विमल	” -	147-148	”	”	-
1535.	18252	”	जिनहर्ष	12×11 9×12	102-103	”	1862	-
1536.	15594	जिन पूजा स्तुति	-	25.8×11 7×38	1	”	19वीं	-
1537.	17999	जिन प्रतिभा स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	16.1×13.6 12×22	351वां	”	1860	-
1538.	17929	जिन मालिका स्तवन	-	16.1×13.6 16×20	151-157	”	”	र.स्था. मुलतान
1539.	18139	जिन लावणी	जिनचंद	16×11.5 12×18	224-225	”	1890	-
1540.	17685	जिनवाणी महिमा स्तवन	रत्ननिधान	17×13.2 15×24	146-147	पूर्ण	20वीं	-
1541.	18028	”	कन्त	16.1×13.6 13×22	370	”	1860	-
प 1542.	15520	जिन स्तवन संग्रह	-	25.9×11 13×54	3	”	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 1543.	15521	जिन स्तवन संग्रह	-	24.6×10.9 21×50	3	पूर्ण	19वीं	-
प 1544.	15527	”	-	23.5×8.3 9×40	3	”	”	-
1545.	15549	”	धर्मसी	25.5×12.2 11×34	3	”	”	र.का- 1729 र.स्था. जैसलमेर, लि.क. विवेक विजय
1546.	16157	”	आणन्दमुनि	22.7×10.1 11×35	2	”	1798	र.का. 1562, लि.स्था. सोजत
प 1547.	17423	”	-	25.3×12.5 17×30	8-12	”	20वीं	-
1548.	17668	जिन स्तवन	रूपचंद	17×13.2 15×24	141वां	पूर्ण	20वीं	-
1549.	17787	”	रजननंद ग्यान	” -	199वां	”	”	-
1550.	17967	”	देवचन्द	16.1×13.6 15×18	225वां	”	1860	-
1551.	18170	”	लावण्य	13.3×9.5 8×14	45वां	”	1886	-
1552.	18180	”	ऋषभदास	13.3×9.5 8×14	63-64	”	1886	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1553.	18181	जिन स्तवन	रूपविमल	” -	64वां	पूर्ण	19वीं	-
1554.	15572	जिन स्तुति	गुणविजय	25.9×11.2 10×30	2	”	19वीं	लि.क.पं.मोतीसागर लि. स्था. राजनगर
प 1555.	14936	जिन स्तुति संग्रह	-	11.8×26 12×28	7	”	”	लि.क- गौतमकुशल लि. स्था. खंभात
1556.	15773	जिनाज्ञा सज्झाय	क्षमा कल्याण	25×12.3 13×35	18-19	पूर्ण	19वीं	-
प 1557.	16756	जैन स्तवन संग्रह	-	26×11.3 12×38	8	”	”	-
1558.	17739	ज्ञान चौपड सज्झाय	-	17×13.2 15×24	172वां	”	20वीं	-
1559.	15538	ज्ञान पंचमी स्तवन	समयसुन्दर	26.6×12.3 9×20	3	”	19वीं	-
1560.	16164	”	”	24.1×10.8 15×46	प्रथम	”	”	-
1561.	16588	”	”	25.5×11 10×35	2	”	18वीं	-
1562.	17608	”	लक्ष्मी सूरि	19.8×14.5 14×24	72-73	”	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1563.	17640	ज्ञानपंचमी स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	112-114	पूर्ण	20वीं	-
1564.	17660	”	”	” –	124-125	”	”	-
1565.	18284	”	खेमराज	11.3×10.3 13×16	125-127	”	1675	लि.क. दयाशेखर आद्यन्त में 3-3 पत्र जिनमें राजस्थानी स्फुट पद है। कुछ पत्र क्षतिग्रस्त है।
1566.	17715	ज्ञान होली पद	ज्ञानचंद	17×13.2 15×24	161वां	”	20वीं	-
1567.	18120	ढंढण ऋषि सज्झाय	जिनहर्ष	16×11.5 12×18	212-214	”	1890	-
1568.	17942	ढंढण कुमार सज्झाय	”	16.1×13.6 15×20	183-184	”	1860	-
1569.	15516	ढाल पद संग्रह	”	23.3×12 13×30	5	”	19वीं	चवदैगुण स्थान धर्मसी र.का- 1732 र.स्था. वाहडमेर पत्र 1-3 2. श्री दंडक गणधर सुदर पत्र 3-5 3. तुम तो भले पद सेवक पत्र 5वां 4. जय बोलो धमाल जिनचंद पत्र 5वां
प 1570.	18303	ढाल पद स्तवन	-	15×11 12×18	61-118	पूर्ण	1841	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1571.	15528	ढाल पद स्तवन	पासचंद, संवलदास	24.8×12.6 23×42	1	पूर्ण	19वीं	-
1572.	15529	"	धर्मसी, जिन भक्तिसूरि	27.1×11.7 11×30	3	"	"	-
1573.	16605	तम्वाखू गीत	"	25×10.7 14×40	3रा	"	"	-
1574.	17907	तीर्थ स्तुति	जिनलाभसूरि	16.1×13.6 11×18	76वां	"	1860	-
1575.	17635	तीर्थावली स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	109-110	"	20वीं	-
1576.	18116	तीर्थावली स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	16×11.5 12×18	193-195	पूर्ण	1890	-
1577.	18153	"	"	9.2×11.7 10×9	27-30	"	20वीं	-
1578.	18161	"	"	13.3×9.5 8×14	36-39	"	1886	-
1579.	15375	तेरापंथी ढाल	-	24.9×11.1 24×64	5	"	1916	लि.क. मजूलाल लि.स्था. फलौधी
1580.	16257	त्रेसठ सलाका पुरुष स्तवन	मुनि वसता	25×11.7 12×35	2	'	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1581.	17661	त्रेसठ शलाका पुरूष स्तवन	"	17×13.2 15×24	125-126	पूर्ण	20वीं	-
1582.	15404	थमण पार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ	26.8×11.8 14×44	8	"	19वीं	-
1583.	16165	"	"	24.1×10.8 15×46	2-4	"	"	-
1584.	17556	थमण पार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ	24.7×12.5 13×37	3	पूर्ण	19वीं	-
1585.	17986	"	"	16.1×13.6 13×22	281-285	"	1860	-
1586.	18246	" स्तोत्र	विजयहर्ष	18.6×19 15×20	24-25	"	1970	र.स्था. वनारस लि.क. अम्वालाल यति
1587.	18254	थावच्चा पुत्र अणगार	क्षमाकल्याण	12×11 9×12	129-140	"	1862	र.का. 1847 र.स्था. महिमापुर जीर्ण
1588.	15597	थूलिभद्र गीत हृदय	जिनहर्ष	25.3×10.7 10×32	2	"	19वीं	
1589.	15595	थूलिभद्र वारहमासा	लाभउदय	26.1×10.4 8×30	2	"	19वीं	-
1590.	15451	" सज्झाय	लालचंद	26×11.2 15×44	3रा	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1591.	15452	थूलिभद्र सज्झाय	लक्ष्मीवल्लभ	” -	3-4	पूर्ण	”	-
1592.	15760	थूलिभद्र सज्झाय	समयसुन्दर	25×12.3 13×35	1-3	पूर्ण	19वीं	-
1593.	16206	”	-	23.8×11.1 19×38	प्रथम	”	20वीं	जीर्ण
1594.	16261	”	लावण्यविजय	25.6×12.2 10×30	”	”	19वीं	-
1595.	16262	”	जिनहर्ष	” -	1-2	”	”	-
1596.	16263	”	समयसुन्दर	” -	2रा	”	”	-
1597.	16264	”	”	” -	2-3	”	”	-
1598.	17745	”	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	176-177	”	20वीं	-
1599.	17955	थूलभद्र सज्झाय	लालचंद	16.1×13.6 15×20	196-197	”	1860	-
1600.	16171	” स्तवन सचित्र	जिनहर्ष	25.5×11.2 12×44	प्रथम	”	1921 8.5×8.8	लि.क.चितसांमुनि मालवाकलम युक्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1601.	16231	दण्डक स्तवन	धर्मसी	23.8×10 10×35	1-4	पूर्ण	19वीं	-
1602.	17973	"	धर्मसुन्दर	16.1×13.6 15×18	249-250	"	1860	-
1603.	16145	दशार्णभद्र गीत	पदमराज	26.2×11 13×50	2-3	"	17वीं	लि.क.सोमरंजन लि.स्था. अंजारनगर अंत में थूलिभद्र गीत व स्फुट पद हैं।
1604.	17982	दस पच्चक्खांण स्तवन	रामचन्द	16.1×13.6 15×20	274-277	"	1860	-
1605.	17939	दस श्रावक सज्झाय	श्रीसार	16.1×13.6 15×20	180-181	"	"	-
1606.	15509	दस वैकालिक गीत	जैतसी	24.4×10.9 16×38	3-7	"	19वीं	-
1607.	17974	"	"	16.1×13.6 15×18	251-256	"	1860	-
1608.	18035	"	"	16.1×13.6 13×22	389-391	"	"	-
1609.	18030	दस वैकालिक स्वाध्याय	वृद्धिविजय	16.1×13.6 13×22	377-386	पूर्ण	1860	-
1610.	17521	दादाजी जिन कुशलसूरि रो गीत	धर्मसी	10.8×24.8 38×35	1	"	19वीं	अडगै छप्पय कुंडलिया शाक आदि छंद है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1611.	18142	दादाजी जिन कुशल सूरि रो गीत	लालचंद	16×11.5 12×18	229वां	पूर्ण	1890	-
1612.	16180	"	हर्षहंस	24.7×10.7 12×42	1-2	"	19वीं	-
1613.	16202	"	विजयहर्ष	27×13 11×35	15-16	"	1897	लि.क.लाभसमुद्रगणि
1614.	17580	" पद	जिनचंद	15×10 9×18	87-90	"	19वीं	-
प 1615.	16602	" स्तवन संग्रह	-	26×12 14×42	6	"	"	जीर्ण लि.क. सुजाण लि. स्था. पाटण अंत में पार्श्वस्तवन है।
प 1616.	17750-79/0	दादाजी जिन कुशल सूरि स्तवन संग्रह	कविराज	17×13.2 15×24	181-194	पूर्ण	20वीं	-
1617.	18140	"	जिनचंद	16×11.5 12×18	225-227	"	1890	-
1618.	15567	दिगम्वर साधु गुण	बनारसीदास	24.7×10.8 14×46	2	"	19वीं	-
प 1619.	15416	दूहा पद स्तवन संग्रह	-	25.4×11.5 19×62	28	अपूर्ण	19वीं	20वां पत्र अप्राप्त
1620.	15038	देववन्दन विधि स्तवन	लालचंद	13.3×23.5 -	3	पूर्ण	20वीं	र.का. 1839 र.का. वीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1621.	15383	देवाधिदेव रचना पद्य	हरजसराय	24.3×12.5 14×40	7	पूर्ण	1936 बेलिराम, लि.स्था. गुजरांवाला	र.का.1860, लि.क.
1622.	15497	"	"	24.7×12.5 15×44	1-6	"	1939 लालचंद, लि.स्था. स्यालकोट	र.का. 1860 लि.क.
1623.	15498	देवाधिदेव रचणा पद्य	हरजसराय	24.7×12.5 15×44	06-46	पूर्ण	1939	र.का. 1860 लि.क
1624.	17732	धन्ना ऋषि सज्झाय	तिलोकसी	17×13.2 15×24	167-169	"	20वीं	-
1625.	17950	धन्ना मुनि सज्झाय	विद्या कीर्ति	16.1×13.6 15×20	192-193	"	1860	-
1626.	17951	"	खेतसी	" -	193-194	"	"	र.स्था. अहमदावाद
1627.	15774	धन्ना शालिभद्र सज्झाय	समयसुन्दर	25×12.3 13×35	19वां	"	19वीं	-
1628.	17953	"	"	16.1×13.6 15×20	195वां	"	1860	-
1629.	15766	धन्ना सज्झाय	तिलोकसी	25×12.3 13×35	14वां	"	19वीं	र.स्था. अकबराबाद
1630.	17357	"	अमरसी	25.4×11.7 12×27	2	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1631.	18018	धन्ना सज्झाय	विद्याकीर्ति	16.1×13.6 13×22	363-364	पूर्ण	1860	-
1632.	18219	"	-	15.7×10.5 10×22	4-6	"	19वीं	र.स्था. अकराबाद
1633.	18088	धमाल पद	सुमत	15.3×11.5 9×16	85-86	"	"	-
1634.	15466	धर्मगीत	कनकप्रभ	26.4×11.1 13×42	4	"	18वीं	जीर्ण एवं कीटबिद्ध
1635.	15560	धर्म धमाल गीत	कनककीर्ति	25.5×11 15×34	2	"	18वीं	जीर्ण एवं कीटविद्ध
1636.	17716	ध्यान रंग होली पद	-	17×13.2 15×24	161-162	"	20वीं	-
1637.	15762	नन्दिषेण सज्झाय	जिनराज सूरि	25×12.3 13×35	6-9	"	19वीं	-
1638.	17946	"	"	16.1×13.6 15×20	186-187	'	1860	-
1639.	17638	नमस्कार स्तवन	पदमराज	17×13.2 15×24	110-111	पूर्ण	20वीं	-
1640.	15575	नरक गति सज्झाय	गुणसागर	24.8×10.6 12×28	2	"	19वीं	लि.क.गंगाराम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1641.	17871	नवकार आरती	-	17×13.2 15×24	256-257	पूर्ण	20वीं	लि.क. गंगाराम
1642.	17537	नवकार छन्द	पदमहाराज	22.5×10 11×25	प्रथम	"	19वीं	जीर्ण
1643.	17720	"	कुशललाभ	17×13.2 15×24	163-164	"	20वीं	-
1644.	18113	"	"	16×11.5 12×18	184-187	"	1890	-
1645.	17678	नवकार मंत्र स्तवन	गुणसुन्दर	17×13.2 15×24	143-144	"	20वीं	-
1646.	15568	नवकार सज्झाय	-	25×13.3 14×38	2	पूर्ण	1780	लि.क. मिहरचंद लि. स्था. कुरुक्षेत्र
1647.	1736	नवकार स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	109-110	"	20वीं	-
1648.	17719	"	-	17×13.2 15×24	163वां	"	"	-
1649.	18098	"	कुशललाभ	15.3×11.5 9×16	95-99	"	19वीं	-
1650.	18152	"	पदमराज	9.2×11.2 10×9	23-27	"	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1651.	18167	नवकार स्तवन	पदमराज	13.3×9.5 8×14	42-44	पूर्ण	1886	-
1652.	18221	"	खुशाल	15.7×10.5 10×22	8-9	"	19वीं	-
1653.	16651	नवपद चैत्यवंदन	हीरधर्म	21×11.3 9×22	9	"	"	लि.क.गोविन्दचंद्र
1654.	17473	नवपद चैत्यवंदन	-	25.9×12.3 13×35	9-19	पूर्ण	20वीं	-
1655.	17662	नवपद स्तवन	-	17×13.2 15×24	126-127	"	"	-
1656.	17688	"	जिनसौभाग्य सूरि	17×13.2 15×24	148वां	"	"	-
1657.	17689	"	"	" -	148-149	"	"	-
1658.	18169	"	लालचंद	13.3×9.5 8×14	45वां	"	1886	-
1659.	15473	नववाडि ढाल	-	26.1×12.1 20×52	5	"	1932	र.स्था. पादु लि.क.श्रीकृष्ण लि.स्था. जयपुर
1660.	15611	नवबाडि सज्झाय	पुण्यसागर	26.2×10.8 18×58	20वां	"	1770	जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1661.	16120	नववाडि सज्झाय	जिनहर्ष	26.3×11.4 14×42	4	पूर्ण	1854	र.का. 1729 लि.क. चेला राम लि.क.स्था. सिरियारी
1662.	16126	नववाडि सज्झाय	जिनहर्ष	24.5×10.8 12×38	5	पूर्ण	18वीं	जीर्ण र.का. 1729
1663.	16182	"	-	24.7×10.7 12×42	2-3	"	19वीं	-
1664.	18070	"	जिनहर्ष	16.1×13.6 13×22	405-412	"	1860	-
1665.	17742	निन्दा त्याग सज्झाय	सहजसुन्दर	17×14.2 15×24	174वां	"	20वीं	-
1666.	18212	नींद सज्झाय	कनकनिधान	13.3×9.5 8×14	186-188	"	1886	-
1667.	15585	नेमजी का मंगल गीत	नौरंगसाह	25×12.6 366	2	"	1955	र.का. 1750 लि.स्था. सहजादपुर
प 1668.	15525	नेमनाथ राजिमती गीतादि सचित्र	-	25.5×10.6 11×34	5	" पत्र पर पूर्ण मुगल जैन शैली में महावर का चित्र है।	18वीं	जीर्ण एवं कीटविद्ध अंतिम
1669.	15573	नेमनाथ रो सिलोको	सौभाग्य विजय	22.5×10.4 11×36	2	पूर्ण	19वीं	लि.क. आनन्द विजय लि.स्था. वलूंदा
1670.	15454	नेम राजिमती लेखगीत	जिनहर्ष	26×11.2 15×14	5-6	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1671.	15540	नेम राजिमती गीत	-	26×12.2 15×44	2	पूर्ण	"	-
1672.	18309	नेम राजुल गीत	जिनहर्ष	17.5×15 15×20	61-62	"	1849	-
1673.	18310	"	श्रीदेव	" -	62-63	"	"	-
1674.	15425	नेम राजुल पखवाड़ो	रंगविजय	26.4×12.8 16×38	10-11	"	1948	-
1675.	17704	नेमि कुंवर पद	क्षमा कल्याण	17×13.2 15×24	158वां	"	20वां	-
1676.	17686	नेमि गीत	खुशाल	17×13.2 15×24	147	पूर्ण	20वीं	-
1677.	17698	"	-	" -	155-156	"	"	-
1678.	16172	नेमि जिन स्तवन	रूपचंद	25.5×11.2 12×14	1-2	"	1921	-
1679.	18257	"	-	12×11 9×12	160-161	"	-	-
1680.	15474	नेमि ढाल	आसकरण	25.1×11.7 19×40	1-2	"	19वीं	र.का. 1839 र.स्था. कुचोर, लि.क. मनीराम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1681.	17652	नेमिनाथ जिन स्तवन	क्षमाकल्याण	17×13.2 15×24	123वां	पूर्ण	20वीं	-
1682.	15444	नेमिनाथ वारहमासा	लालविनोद	25.3×11.5 12×34	3	"	19वीं	-
1683.	15523	नेमिनाथ वारहमासा	-	25.8×11 13×34	प्रथम	"	19वीं	र.का. 1689, अंत में स्तवन है।
1684.	16258	नेमिनाथ सज्झाय	-	23.4×12.7 15×37	प्रथम	पूर्ण	19वीं	जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त
1685.	16227	नेमिनाथ सिलोको	कुशलविनय	24.8×12.3 11×30	2	"	"	र.का. 1759, र.स्था. कैरू
1686.	17484	" स्तवन	लालचंद	25.3×12 14×32	2	"	"	र.का- 1833, र.स्था. अजीमगंज
1687.	17680	"	"	17×13.2 15×24	144-145	"	20वीं	"
1688.	17991	"	"	16.1×13.6 13×22	294-298	"	1860	"
1689.	18095	"	मनरूप	15.3×11.5 9×16	91-92	"	19वीं	-
1690.	15379	" हमची	लावण्य समय	26×11.3 14×42	4	"	17वीं	र.का- 1564

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1691.	15763	नेमि राजीमती सज्झाय	जिनहर्ष	25×12.3 13×35	9-11	पूर्ण	19वीं	-
1692.	15571	नेमि राजुल गीत	-	26.1×10.6 15×42	2	पूर्ण	18वीं	जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त
1693.	15380	पंचकल्याणक	रूपचंद	26×11.6 13×42	4	"	19वीं	-
1694.	17870	पंचतीर्थ आरती	-	17×13.2 15×24	256वां	"	20वां	-
1695.	17594	पंच तीर्थ चैत्यवन्द	कमलविजय	19.8×14.5 14×21	1-10	"	19वीं	-
1696.	17659	पंच तीर्थ नमस्कार	क्षमाकल्याण	17×13.2 15×24	124वां	"	20वीं	-
1697.	17277	पंच परमेष्टि मंत्र स्तवन	-	24.2×10.2 9×28	48-51	"	1896	-
1698.	17935	पंचम आरा री सज्झाय	समयसुन्दर	16.1×13.6 51×20	169-170	"	1860	-
1699.	15515	पंचमी तप स्तवन	-	26.2×11.7 13×44	3	"	19वीं	र.का. 1793 लि.क. केशरविजय
1700.	17913	पचंमी लघु स्तवन	समयसुन्दर	16.1×13.6 11×18	85-86	पूर्ण	1860	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1701.	18206	पंचमी लघु स्तवन	समयसुंदर	13.3×9.5 8×14	158-159	पूर्ण	1886	-
1702.	17912	पंचमी वृद्ध स्तवन	"	16.1×13.6 11×18	82-85	"	1860	-
1703.	18205	"	"	13.3×9.5 8×14	153-158	"	1886	-
1704.	15596	पंचमी समवाय स्तवन	विनयविजय	26.3×12.2 19×46	2	"	19वीं	-
1705.	15353	"	समयसुन्दर	23.5×10.7 11×36	2	"	17वीं	कीटविद्ध
1706.	15744	"	वर्धमान	26.7×11.8 11×30	4	"	19वीं	र.का. 1584
1707.	17538	"	समयसुन्दर उपाध्याय	22.5×10 11×25	1-2	"	"	जीर्ण
प 1708.	15522	पद चौपई संग्रह	-	25×12.7 21×0	5	पूर्ण	19वीं	-
प 1709.	15589	"	-	21.4×11.6 13×32	6	"	19वीं	-
1710.	16123	"	आनन्दघन	21.2×11.5 20×35	9	"	1921	लि.क. जीव लि.स्था. वालूचर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 1711.	17047	पद चौपाई संग्रह	-	27×12 11×27	33-35	पूर्ण	1929	लि.क. मोहनमुनि लि.स्था.
प 1712.	17532	"	-	7.6×6.3 7×8	193	"	19वीं	-
1713.	16603	" सज्झाय	प्रीतविजय	25.2×12.3 11×28	5	"	"	चिपके पत्र
प 1714.	18156	पद स्तवनादि संग्रह	-	7.5×5.5 4×10	164	"	19वीं	-
1715.	17656	पद्मनाभ स्तुति	-	17×13.2 15×24	124	"	20वीं	-
1716.	18196	पद्नाभ जिन स्तवन	जसविजय	13.3×9.5 8×14	141-143	पूर्ण	1886	-
1717.	17422	पद्मावती आलोयणा	-	25.3×12.5 17×30	7-8	"	20वीं	-
1718.	18075	"	समयसुन्दर	15.3×11.5 9×16	28-32	"	19वीं	-
1719.	16204	पद्मावती सज्झाय	"	25.4×11.2 11×35	2	"	1863	लि.क.भाग्यविजय
1720.	16222	"	"	26.1×11.8 17×40	2	"	20वीं	लि.क. गुमानी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1721.	16223	पद्मावती सज्झाय	समय सुन्दर	25.8×12.5 10×25	3	पूर्ण	20वीं	-
1722.	17959	पांच इन्द्री सज्झाय	जिनहर्ष	16.1×13.6 15×20	201-202	”	1860	-
1723.	17645	पार्श्वजिन वृद्ध स्तवन	समयरंग	17×13.2 15×24	118-120	”	20वीं	-
1724.	16210	पार्श्व जिन स्तवन	क्षमाप्रमोद	25.8×11.5 14×35	प्रथम	पूर्ण	1795	र.का. 1785 लि.क. रूपचंद
1725.	16513	”	जिनचन्द्रसूरि	25.7×11.5 11×29	2रा	”	19वीं	-
1726.	17647	”	”	17×13.2 15×24	122वां	”	20वीं	र.का. 1722
1727.	17683	”	जिनलाभसूरि	” -	145-146	”	”	र.का. 1807
1728.	17724	”	सुगुण सेवक	” -	166वां	”	”	-
1729.	17784	”	श्रीधर	” -	198वां	”	”	-
1730.	17791	”	-	” -	199वां	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1731.	17800	पार्श्व जिन स्तवन	कनककीर्ति	” -	202-203	पूर्ण	20वीं	-
1732.	17801	पार्श्वजिन स्तवन	अनोपचंद	17×13.2 15×24	203वां	”	20वीं	-
1733.	17803	”	धर्मसी	” -	203-204	”	”	-
1734.	17816	”	मेघराज	” -	218	”	”	-
1735.	17873	”	बनारसीदास	17×13.2 15×24	257वां	”	20वीं	-
1736.	18007	”	जिनलाभसूरि	16.1×13.6 13×22	357वां	”	1860	-
1737.	18008	”	जिनचन्द्रसूरि	” -	357	”	”	-
1738.	18009	”	चन्द	” -	357-358	”	”	-
1739.	18010	”	जिनचन्द्रसूरि	” -	358वां	”	”	-
1740.	18012	”	”	” -	359वां	”	”	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1741.	18013	पार्श्वजिन स्तवन	कनककीर्ति	16.1×13.6 13×22	359	पूर्ण	1860	-
1742.	18016	"	जिनलाभसूरि	" -	362-363	"	"	-
1743.	18017	"	जिनराय	" -	363वां	"	"	-
1744.	18124	"	अनोपचंद	16×11.5 12×18	216-217	"	1890	-
1745.	18148	"	जिनचंद	" -	224-225	"	"	-
1746.	18148	"	"	16×11.5 -	241-242	"	1890	-
1747.	18182	"	"	13.3×9.5 8×14	64-65	"	1886	-
1748.	18200	"	रंग	" -	145-147	"	"	-
1749.	18201	"	कनककीर्ति	" -	147वां	"	"	-
1750.	18203	पार्श्वजिन स्तवन	जिन अक्षय सूरि	13.3×9.5 8×14	148-151	पूर्ण	1886	र.का. 1819

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1751.	16225	पार्श्वनाथ घग्घर निसांणी	जिनहर्ष	26×12.3 11×32	148-151	पूर्ण	1886	र.का. 1819
1752.	16252	"	"	25.8×11.4 12×40	3	"	19वीं	-
1753.	17564	"	"	9.5×11 15×15	25-30	"	"	-
1754.	15505	" छन्द	-	25.9×11 17×46	1-2	"	"	-
1755.	15506	"	खेतसी	25.9×11 17×46	2रा	अपूर्ण	"	आदिहीन
1756.	16159	"	-	25.8×10.8 15×37	1-2	पूर्ण	"	-
1757.	16187	"	"	24.7×10.7 12×42	6-7	"	"	-
1758.	16967	पार्श्वजिन छन्द	मुनि मेघराज	25.5×11.7 13×40	1ला	पूर्ण	19वीं	छन्द एक ही है।
1759.	17653	पार्श्वजिन स्तवन	-	17×13.2 15×24	123वां	"	20वां	-
1760.	17669	"	लाभ उदय	17×13.2 15×24	141वां	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1761.	17727	पार्श्व जिन स्तवन	वाल	17×13.2 15×24	167वां	पूर्ण	20वीं	-
1762.	17725	"	खुस्याल चन्द	17×13.2 15×24	166वां	"	"	-
1763.	15539	पार्श्वनाथ जी री निसाणी	जिनहर्ष	26.4×11.7 13×36	3	पूर्ण	19वीं	-
1764.	18144	" रो सिलोको	जोरावरमल	16×11.5 12×18	232-239	"	1890	लि.क.भीमविजय लि.स्था. हैदरावाद
1765.	15397	पार्श्वजिन देसान्तरी छंद	लक्ष्मीवल्लभ	27.9×12.6 13×48	3	"	1864	लि.क.जीवण ऋषि,लि.स्था. थानेश्वर, अंत में शारदा स्तोत्र राजस्थानी में है।
1766.	18066	पार्श्वछन्द	जिनचंद	16.1×13.6 13×22	402वां	पूर्ण	1860	-
1767.	18191	" रेखता	लालचंद	13.3×9.5 8×14	135वां	"	1886	-
1768.	17987	" वृद्ध स्तवन	मति विलास	16.1×13.6 13×22	285-287	"	1860	-
1769.	13924	" विविध स्तवन	-	25.3×11 13×48	8-10	"	19वीं	जीर्ण लि.क. खुस्याल 1. शंखेश्वर पार्श्वनाथ लघु स्तवन 8बी-9ए 2. जीरावाला पार्श्वनाथ स्तवन 9ए,9बी, 3. जीरावला पार्श्वलघु स्तवन भक्तिलाभ 4. स्तवन 10ए 5. नाकोडा पार्श्वस्तवन समय सुन्दर 10बी 6. चिन्तामणि पार्श्व स्तवन समय सुन्दर 10 बी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1770.	15517	पार्श्वनाथ स्तवन	-	25.7×11.3 9×28	5	पूर्ण	18वीं	-
1771.	15543	"	-	25.3×10.8 13×46	2	"	1715	जीर्ण लि.क. यशोलाभ लि. स्था. मुलतान
1772.	15550	"	जगरूप	26×11.8 8×30	2	"	19वीं	-
1773.	15576	"	समयरंग शिष्य गुणशेखर	25.8×10.7 13×42	2	"	18वीं	लि.क. दयाशेखर
1774.	15579	"	-	25.5×11.5 13×35	2	"	19वीं	-
1775.	16144	"	समयसुन्दर	26.2×11 13×40	1-2	"	17वीं	-
1776.	16250	"	प्रीतविमल	25.5×11.4 15×42	2	"	1847	लि.क.माणिक्यराज लि. स्था. वीकानेर
1777.	16514	"	धर्मसी	25.7×11 11×29	2रा	"	19वीं	-
1778.	16244	पार्श्वनाथ स्तवन	खेमकरण	26.2×12.9 11×29	2	पूर्ण	1905	लि.क. नयनचन्द्र लि.स्था. रतलाम
1779.	16245	"	समयसुन्दर	25.7×11.3 13×32	2	"	1705	लि.क. उदयविशाल लि.स्था बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1780.	16850	पार्श्वनाथ स्तवन	"	26×11.8 16×46	4था	पूर्ण	1946	-
1781.	16852	"	-	26×11.8 16×46	4था	"	"	-
1782.	17663	"	जिनचन्द्र सूरि	17×13.2 15×24	127वां	"	20वां	-
1783.	17699	"	"	" -	156-157	"	"	-
1784.	17990	"	धर्मसी	16.1×13.6 13×22	291-294	"	1860	-
1785.	18020	"	जिनचन्द्रसूरि	" -	265वां	"	"	-
1786.	18023	पार्श्वनाथ स्तवन	वसता	16.1×13.6 13×22	367वां	पूर्ण	1860	-
1787.	18024	"	मतिविलास	" -	367-368	"	"	-
1788.	18192	"	"	13.3×9.5 8×14	135-138	"	1886	-
1789.	18193	"	"	" -	138-140	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1790.	17976	पार्श्वनाथ स्तुति	कमल सुन्दर	16.1×13.6 11×18	263-265	पूर्ण	1860	र.का.1833 वि.
1791.	17911	''स्तव	समयसुन्दर	16.1×13.6 11×18	81-82	''	1860	-
1792.	17440	पास नाथ री सज्झाय	हंसभवन सूरि	24.2×12.5 12×25	2	''	19वीं	-
1793.	16170	पुण्डरीक गिरि स्तवन	साधुकीर्ति	25×11 11×26	2	पूर्ण रानेर लि.क.	19वी प्रेमविजय लि.स्था.	र.का. 1729 र.स्था. खानपुर
1796.	17606	''	'	19.8×14.5 14×24	62	''	''	र.का. 1729 वि.र. स्था. रानेर
1797.	16199	पूजाष्टक	अमृतधर्म	27×13 11×35	11-12	''	1897	लि.क.लाल समुद्र गणि
1798.	15150	प्रत्येक वुध सज्झाय आदि	समयसुन्दर	23.8×10.7 3. नमिराज ऋषि गीत	1ला 1. करकडराजऋषि सज्झाय समयसुन्दर-1 2. वीजा प्रत्येक बुद्ध गीत 4. प्रत्येक बुद्धगीत 5. प्रत्येक	'' बुद्ध चतुर्थ सिज्झाय समय सुन्दर	19वीं	लि.स्था. घडसीसर
1799.	15345	प्रभंजना सज्झाय	देवचंद	29×12 12×40	3	पूर्ण	19वीं भोजक लखमीचंद जेठा	र.स्था. लीम्वडी लि.क
1800.	15545	प्रभातीगीत आदि	-	26.4×11.6 12×40	2 महिमा गीत समयसुन्दर-1 2. गवडी स्तुति दीपचंद	''	''	1. प्रभाती गीत जिन धर्म 3. श्रावक री करणी जिन हरख

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1801.	18019	प्रमादोपरि सज्झाय	कनकनिधान	16.1×13.6 13×22	364-365	पूर्ण	1860	-
1802.	18084	फागपद होली खेलो रे भवीक		15.3×11.5 9×16	82-83	"	19वीं	-
1803.	17555	फूलडा सस्तवक	वीरविजय	25×11.9 15×35	2	"	1871	वि.
1804.	18214	वतीस दोष सज्झाय	-	13.3×9.5 8×14	192-195	"	1886	-
1805.	17943	बलभद्र मुनि सज्झाय	-	16.1×13.4 15×20	184वां	"	1860	-
1806.	17202	वासठ बोल स्तवन	जिनेन्द्र सागर	26.1×11.5 14×36	7	पूर्ण	1825	र.का. 1783 र.स्था. उदयपुर
1807.	17941	वाहुबली मुनि सज्झाय	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	169-170	"	20वीं	-
1809.	17952	"	"	16.1×13.6 15×20	194वां	"	1860	-
1810.	15565	बूढे री सज्झाय	-	24.8×11.7 13×42	3	"	19वीं	जीर्ण
1811.	14093	भक्तामर स्तोत्र भाषा	-	25.5×11 15×42	26	"	1822	लि.क.पं. श्रीचंन्द लि. स्था. करडावास

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1812.	15396	भवतामर स्तोत्र भाषा	हेमराज	25.3×10.8 10×46	4	पूर्ण	18वीं	-
1813.	15419	"	"	26.8×13.2 15×46	1-4	"	19वीं	-
1814.	16624	भक्तामर स्रोत भाषा वालावबोध	हेमराज	25×12.2 13×37	4	पूर्ण	19वीं	-
1815.	16848	"	"	26×11.8 16×46	1-2	"	1946	.
1816.	17161	भक्तामर स्रोत भाषा सटीक	मू. मानतुंगाचार्यटी.	22.7×14.5 12×28	36	"	1873	लि.क. सुखचंद पत्र सं.
					7 से सभी पत्रों का एक पृष्ठ ही लिखित है भाषा संस्कृत मिश्रित है।			
1817.	15326	भरत वाहुवली छंद	राज	25.5×11.2 15×44	4-8	"	1785	जीर्ण, लि.क. कुशल लि. स्था. कालू
1818.	17717	भाव वसन्त पद	अमरमुनि	17×13.2 15×24	162वां	"	20वीं	-
1819.	17235	मंगलिक	क्षमाविजय	25.9×116 15×34	4	"	19वीं	-
1820.	15503	मणिभद्रजी छन्द	शांतिसूरि	25.4×11.9 13×28	3	"	1926	लि.क. चंद लि. स्था णा
1821.	18123	मन ऊपरि सज्झाय	महमद	16×11.5 12×18	216वा	"	1890	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1822.	16178	मल्लिजिन स्तवन	धर्मसिंह	25.8×11 13×53	4	पूर्ण	18वीं	जीर्ण र.का. 1679 वि.
1823.	17874	मल्लिनाथ जिन स्तवन	रूपचंद	17×13.2 15×24	257वां	"	20वीं	-
1824.	17654	महावीर जिन स्तवन	क्षमा कल्याण	" -	123	"	"	-
1825.	17673	"	जिनचन्द्रसूरि	" -	142-143	"	"	-
1826.	17786	"	चन्द्रकीर्ति	" -	198-199	"	"	-
1827.	18112	"	जैतसी	16×11.5 12×18	181-184	"	1890	-
1828.	18125	"	जिनचंद	16×11.5 12×18	217-218	"	1890	-
1829.	18176	"	शोभ	13.3×9.5 8×14	55-57	"	1886	-
1830.	18178	"	"	" -	62-63	"	"	-
1831.	17906	महावीर जिन स्तुति	जिनलाभसूरि	16.1×13.6 11×18	75-76	पूर्ण	1860	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1832.	13335	महावीर पारणा	मुनिमाल	24.5×11.5 22×28	8-10	पूर्ण	19वीं	-
1833.	15534	"	-	25.5×13.3 11×23	8	"	20वीं	-
1834.	16242	"	-	27.2×13 15×30	4-6	"	19वीं	-
1835.	17291	"	-	23.9×12 13×35	4-5	"	"	-
1836.	17552	"	-	25.5×11.8 12×40	2	"	1866	लि.क.रामचन्द्र लि.स्था. वीकानेर
1837.	17554	"	-	24.8×11.8 11×23	3	"	19वीं	-
1838.	17643	महावीर भाषा	-	17×13.2 15×24	116-118	"	20वीं	-
1839.	18083	महावीर पारणा	-	15.3×11.5 9×16	78-82	पूर्ण	19वीं	-
1840.	18114	"	-	16×11.5 12×18	187-190	"	1890	-
1841.	18177	"	-	13.3×9.5 8×14	57-62	"	1886	-

22(6) जैन स्तुति स्तवन

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1842.	17639	महावीर वृद्ध स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	111-112	पूर्ण	20वीं	-
1843.	15343	महावीर सतावीस भव	वीर विजय	26.6×11.4 13×42	4-8	”	”	र.का. 1901 र.स्था. हैदरावाद
1844.	15556	महावीर स्तवन	-	26.7×10.8 13×42	2	”	19वीं	-
1845.	16234	”	समयसुन्दर	26.1×12 11×28	1-2	”	”	-
1846.	18320	”	-	14.5×10.5 10×18	25वां	”	”	-
1847.	15771	माया सज्झाय	उदयरतन	25×12.3 13×35	17-18	पूर्ण	19वीं	-
1848.	16132	मुनि मालिका	चरित्रसिंह मतिभद्र	25.2×12.8 11×30	4	”	20वीं	र.का. 1636 र.स्था. रिणी तारानगर
1849.	16149	”	”	25.2×10.7 15×30	3-6	”	1848	-
1850.	16215	”	”	25.8×11.5 14×35	5-7	”	1795	र.का. 1636 र.स्था.रिणी
1851.	17573	”	”	15×10 9×18	26-33	”	19वीं	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1852.	17666	मुनि मालिका	-	17×13.2 15×24	134-137	पूर्ण	20वीं	-
1853.	18014	मुहपति पडिलेहण स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ	16.1×13.6 13×22	359-361	-	1860	-
1854.	15227	मृगापुत्र सज्झाय	कवियण	10.8×25.5 14×40	10वां	पूर्ण	1850	-
1855.	15767	”	खेम	25×12.3 13×35	14-15	”	19वीं	-
1856.	17948	”	जिनहर्ष	16.1×13.6 15×20	189-190	”	1860	-
1857.	18220	”	-	15.7×10.5 10×22	7-8	”	19वीं	-
1858.	17949	मृगापुत्र साधु सज्झाय	खेम	16.1×13.6 15×20	190-192	”	1860	-
1859.	15768	” सज्झाय	कनक	26×10.8 14×52	7-9	”	18वीं	-
1860.	15768	’ सज्झाय	-	25×12.3 13×35	15-16	”	19वीं	-
1861.	17749	”	पुण्य	17×13.2 15×24	179-181	”	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1862.	15769	मेतारिज रिख सज्झाय	महिमासुन्दर	25×12.3 13×35	16-17	पूर्ण	19वीं	-
1863.	15366	मौन एकादशी स्तवन	दान	26×11.7 15×48	6	,,	1786	लि.क. हीररत्न सूरि अंत में स्फुट स्तवन है
1864.	15541	,,	-	25×12.2 18×36	3	,,	19वीं	-
1865.	17641	,,	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	114-115	,,	20वीं	-
1866.	17914	,,	,,	16.1×13.6 11×18	86-87	,,	1860	र.का. 1861 र.स्था. जैसलमेर
1867.	15423	रतन कम्वल शालिभद्र सज्झाय	-	26.4×12.8 16×38	3-4	,,	1948	लि.क.प्रेमचंद
प 1868.	15421	रागपद संग्रह	आनन्दघन	26.8×13.2 15×46	12-14	,,	19वीं	-
1869.	17881	राजुल नेमि पद	चैन विजय	17×13.2 15×24	258वां	,,	20वीं	-
1870.	17637	राणापुर स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय	17×13.2 15×24	110वां	पूर्ण	20वीं	-
1871.	18094	,,	,,	15.3×11.5 9×16	89-90	,,	19वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1872.	15582	रात्रि भोजन सज्झाय	बसता	26.2×11.9 20×46	2	पूर्ण	19वीं	-
1873.	18211	''स्वाध्याय	''	13.3×9.5 8×14	184-186	''	1886	-
1874.	15513	रोहिणी स्तवन	श्रीसार	25.6×10.7 14×43	2	''	1793	र.का. 1700 लि.क. सुख हेम लि.स्था. वीकानेर अंत में काशीराम कृत दो कवित है
1875.	16254	''	''	25×11.7 10×20	5	''	19वीं	-
1876.	17139	''	''	26×11.5 8×28	4	''	1874	र.का. 1700 लि.क. रामचन्द्र लि.स्था. लोहागंज
1877.	17209	''	''	26×12 17×45	2	''	1855	र.का. 1700
1878.	17822	रोहिणी स्तवन	श्रीसार	17×13.2 15×24	233-235	पूर्ण	20वीं	र.का. 1700
1879.	15772	लोभ सज्झाय	उदयरतन	25×12.3 13×35	18वां	''	19वीं	-
1880.	15342	वर्द्धमान जन्म मंगल	हर्षचंद्र	24.3×11.8 13×38	158-159	''	20वीं	-
1881.	17705	वसन्त पद	जिनचन्द्रसूरि	17×13.2 15×24	158-159	''	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1882.	17706	बसन्त पद	भूधर	" -	159वां	पूर्ण	20वीं	-
1883.	17707	"	ज्ञानसार	" -	"	"	"	-
1884.	18136	"	जिनभक्तिसूरि	16×11.5 12×18	223-224	"	1890	-
1885.	18137	"	जिनलाभसूरि	" -	224वां	"	"	-
प 1886.	17697	वसन्त रा स्तवन	-	17×13.2 15×24	152-155	"	20वीं	-
1887.	17711	वासुपूज्य फाग स्तवन	स्वप्नसुन्दर	17×13.2 15×24	160वां	पूर्ण	20वीं	-
1888.	15478	विचार मंजरी स्तवन	जगऋषि	24.6×10.8 10×30	11	"	18वीं	र.का. 1673
1889.	18308	विमलाचल स्तवन	जयसोम	17.5×15 14×20	61वां	"	1849	लि.क. रामां
प 1890.	15347	विहरमान वीसी गीत	जिनराजसूरि	25.9×10.8 13×44	6	"	1685	लि.क.भावविजय लि. स्था.सितपत्रनगर
प 1891.	15367	"	"	25.5×10.8 17×54	3	"	1726	लि.क. सोमनन्दन, लि. स्था. जैमसलमेर पुनरुद्धारित पत्र जीर्ण

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 1892.	15370	विहरमान वीसीगीत	जिनराजसूरि	26×11 15×40	5	पूर्ण	1717	लि.क.विद्यालाभ लि.स्था. मेडता
प 1893.	15406	”	”पुत्र जिनसिंहसूरि	26.8×11.8 14×44	15-19	99	19वीं	-
1894.	15512	”	’	26.1×10.5 14×46	1	”	1697	लि.क. महिमाकुमार लि. स्था. राजनगर अंत में गौडी पार्श्वनाथ लघुस्तवन है।
1895.	16153	विहरमान वीसी गीत	समयसुन्दर	23.8×10.7 18×50	3रा	पूर्ण	19वीं	-
1896.	16267	”	धर्मसिंह विजयहर्ष	25.6×12.2 10×30	9	”	”	र.का. 1729 र.स्था.
प 1897.	17823-42	”	जिनराजसूरि	17×13.2 15×24	235-243	”	20वीं	-
1898.	17908	”	-	16.1×13.6 11×18	76-77	”	1860	-
1899.	17169	वीर जिन स्तवन	पदमविजय	23.2×11.5 12×29	10	”	19वीं	लि.क.साकरराम लि.स्था. पाटणनगर
1900.	17682	”	देवचन्द	17×13.2 15×24	145वां	”	20वीं	-
1901.	18164	”	जिनलाभसूरि	13.3×9.5 8×14	40-41	”	1886	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1902.	15385	वीर निर्वाण	देवचंद	25.7×12 13×38	8	पूर्ण	1852	-
1903.	17962	वीस स्नातक स्तवन	वसता	16.1×13.6 13×18	204-206	"	1860	पत्र 206-209 ग्रंथ सूची है पत्र 210-213 रिक्त है
1904.	16253	वृहन्नवकार	जिनवल्लभसूरि	24.1×12.5 13×28	2	"	19वीं	-
1905.	15588	वैराग्य शतक स्वाध्याय	गुणचंद	26.7×12.1 12×38	8	"	"	र.का. 1870 र.स्था. बनारस
1906.	16944	वैराग्य सज्झाय	धर्मसी	26.9×13 15×41	7वां	"	"	-
1907.	17740	"	मुहमद	17×13.2 15×24	172-173	"	20वीं	-
1908.	17741	"	समयसुन्दरउपाध्याय	" -	173-174	"	"	-
1909.	17747	"	राजसमुद्र	17×13.2 15×24	178वां	"	20वीं	-
1910.	17961	"	जिनराजसूरि	16.1×13.6 15×20	203वां	"	1860	-
1911.	17644	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	118वां	पूर्ण	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1912.	18188	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	पदमविजय	13.3×9.5 8×14	121-123	पूर्ण	1886	-
1913.	15369	शत्रुजंय स्तवन बालावबोध	विजयतिलक	26.7×11 14×53	16	"	16वीं	जीर्ण
1914.	17679	"	नयनतिलक	" -	152वां	"	"	-
1915.	17696	"	नयनतिलक	" -	152वां	"	"	-
1916.	18005	"	जिनचन्द्रसूरि	16.1×13.6 13×22	335-356	"	1860	-
1917.	18001	"	"	" -	358-359	"	"	-
1918.	18172	"	ऋद्धिहर्ष	13.3×9.5 8×14	47-51	"	1886	-
1919.	17905	शत्रुंजय स्तुति	नन्दसूरि	16.1×13.6 11×18	75वां	पूर्ण	1860	-
1920.	15561	शांतिनाथ छन्द	-	26.4×12.5 11×34	2	"	19वीं	-
1921.	16238	" जन्माभिषेक स्तवन	विजयश्री	24×10 10×42	2	"	17वीं	जीर्ण एवं कोणे खंडित

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1922.	17651	शांतिनाथ जिन स्तवन	-	17×13.2 15×24	123वां	पूर्ण	20वीं	-
1923.	17788	"	ज्ञानधर्म	" -	199वां	"	"	-
1924.	15546	"	कनकसोम	26×11 13×39	2	"	17वीं	-
1925.	16142	"	मेघमुनि	25.4×9.9 11×35	3	"	19वीं	जीर्ण
1926.	16129	"	गुणसूरि पदमसागर	23.8×10.7 7×28	3	"	1919	-
1927.	16606	शांतिनाथ स्तवन	जयसोम	23.3×10 11×28	3	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
1928.	15208	शालिभद्र सिलोको	सीहामुनि	11.4×23 15×32	8	"	"	र.का. 1781
1929.	18234	"	"	18.6×19 14×20	1-14	"	1970	पत्र सं. 1-5 द्विरावृत
1930.	15355	शाश्वत जिन स्तवन	नयरंग	26.2×10.8 12×42	3	"	19वीं	-
1931.	15365	'	लक्ष्मीविजय	26.2×11.3 12×38	2	"	18वीं	लि.क.लक्ष्मीविजय, लि.स्था.विजापुर शाहपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1932.	17933	शाश्वती प्रतिमा जिन	समयसुन्दर	16.1×13.6 15×20	165-167	पूर्ण	1860	-
1933.	17658	शिखर जी नी स्तुति	-	17×13.2 15×24	124वां	”	124वां	20वीं
1934.	18000	शीतल जिन स्तवन	कल्याण	16.1×13.6 12×22	351-352	”	1860	-
1935.	16214	शीतल नाथ स्तवन	समयसुन्दर	25.8×11.5 14×35	4-5	पूर्ण	1795	-
1936.	17994	शीतलनाथ वृद्ध स्तवन	”	16.1×13.6 13×22	304-305	”	1860	-
1937.	15426	शीयल नववाडी सज्झाय	उदयरत्न	26.1×11.8 11×48	1-3	”	19वीं	-
1938.	15440	शील का कड़ा	-	23.6×11 14×35	3	”	”	-
1939.	18034	शील उपाध्याय	-	16.1×13.6 13×22	389वां	”	1860	-
1940.	17633	श्रावक करणी सज्झाय	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	106-108	”	20वीं	-
1941.	18115	”	”	16×11.5 12×18	191-193	”	1890	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1942.	18151	श्रावक करणी सज्झाय	जिनहर्ष	9.2×11.7 10×9	17-23	पूर्ण	20वीं	-
1943.	18160	श्रावक करणी सज्झाय	जिनहर्ष	13.3×9.5 8×14	33-36	"	1886	-
1944.	17712	श्री संग फाग पद	क्षमा	17×13.2 15×24	160वां	"	20वीं	-
1945.	18209	श्रेयांश जिन स्तवन	जसविजय	13.3×9.5 8×14	180-181	"	1886	-
1946.	17940	षट् संवर सज्झाय	-	16.1×13.6 15×20	181-182	"	1860	-
1947.	16179	संगीत छंद	-	24.7×10.7 12×42	प्रथम	"	19वीं	-
1948.	17737	संतोष सज्झाय	-	17×13.2 15×24	170-171	"	20वीं	-
1949.	17954	सम्प्रति राजा सज्झाय	कनक	16.1×13.6 15×20	195-196	"	1860	-
1950.	17708	संभवनाथ जिन स्तवन	सुगुण	17×13.2 15×24	159-160	"	20वीं	-
1951.	17709	"	"	" -	160वां	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1952.	18186	संभवनाथ जिन स्तवन	जसविजय	13.3×9.5 8×14	119-120	पूर्ण	1886	-
1953.	17984	समेत शिखर स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	16.1×13.6 15×20	278-279	"	1860	-
1954.	18251	"	गुणभद्र	12×11 9×12	99-102	"	1862	-
1955.	18245	सकलतीर्थ नमस्कार स्तोत्र	जीव	18.6×19 15×20	23-24	"	1970	-
1956.	17818	सडसठ बोल समकित नी सज्झाय	जसविजय	17×13.2 15×24	220-225	"	20वीं	-
1957.	15428	" सज्झाय	ब्रह्म	16.1×11.9 11×48	4था	"	19वीं	कलह सव मूल निवारू
1958.	15569	सज्झाय आदि कृतियां	वाचक जसविजय	26.5×13.2 11×34	6	पूर्ण	19वीं	लि.क.गोपीनाथ साथ है
					1. स्वाध्याय 2.	जती धर्मवतीसी 3.	द्रष्टि रागनी	सज्झाय 4. दूहा गोपीनाथ
प 1959.	15448	सज्झाय गीत बारहमासा	-	26×11.3 15×42	14	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 7-10
प 1960.	15526	सज्झाय संग्रह	-	25.4×11.5 22×66	27	"	1851	लि.क. मनसार लि.स्था.
						रिवाडी 15वां	पत्र अप्राप्त	अंतिम सज्झाय अपूर्ण
प 1961.	15583	"	-	25×12.6 25×50	19	"	19वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1962.	17918	सतरसौ जिन नाम स्तवन	हंस	16.1×13.6 15×20	100-103	पूर्ण	1860	पत्र 104वां रिक्त है।
1963.	17960	सप्त व्यसन सज्झाय	धर्मसी	16.1×13.6 15×20	202-203	"	"	-
1964.	18215	"	जयरंग	13.4×9.5 8×14	195-198	"	1886	लि.क.मेघसुन्दर लि.स्था. कलकता, पत्र 199-202 ग्रंथ सूची है।
प 1965.	15533	समव[illegible]ण स्तवन	-	24.2×10.8 10×32	29	पूर्ण	19वीं	-
1966.	17820	"	धर्मवर्द्धन	17×13.2 15×24	228-230	"	20वीं	-
1967.	17497	सरस्वती छन्द	शांतिकुशल विनय	26×11.6 12×37	2	"	1879	लि.क. लूणकरण लि.स्था. मदाणपुर
1968.	15559	सर्वजिन स्तवन	-	25.7×11.1 14×34	2	"	19वीं	लि.क. पन्ना, लि.स्था. बीकानेर
1969.	16233	सर्वतीर्थंकर वृहत् स्तवन	समयसुन्दर	23.8×10 10×35	6-7	"	19वीं	-
1970.	18033	सर्वार्थ सिद्धि स्वाध्याय	गुणविजय	16.1×13.6 13×22	388-389	"	1860	-
1971.	18001	सहस्र कूट जिन स्तवन	रामविजयोपाध्याय रूपचन्द्र	" -	352-354	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1972.	18036	सांकलिया	ज्ञानविमल	” -	391-393	पूर्ण	1860	-
1973.	16247	सात व्यसन सज्झाय	धर्मसी	25.5×11.4 17×50	2रा	पूर्ण	19वीं	जीर्ण
1974.	17958	”	समयरंग	16.1×13.6 15×20	200-201	”	1860	-
1975.	14999	साधु आराधना	समयसुन्दर	25×11.8 15×45	118-125	”	19वीं	र.का. 1685 र.स्था. रिणी कीटविद्ध
1976.	15361	साधुगुणमाला	हरजसराय	27.5×12.5 15×58	8	”	1947	लि.क.वीलीराम लि. स्था. गुजरांवाल, र.का. 1864
1977.	15362	”	”	24.7×12.4 15×50	9	”	1941	”
1978.	16131	”	”	25.8×11.9 17×45	9	”	1918	”
1979.	15411	साधु वन्दना	जैमल ऋषि देवचंद	25.1×13 22×38	1-8	”	19वीं	लि.क.विहारीलाल, लि. स्था.कोटनगर
1980.	15431	”	पासचन्द्र	25×10.8 10×30	7	”	18वीं	-
1981.	15436	साधुवन्दना	पासचन्द्र	25.2×10.8 17×44	3	पूर्ण	19वीं	कोणकीटविद्ध

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1982.	15458	साधुवन्दना	पुण्यसागर	26×10.8 14×52	1-4	पूर्ण	19वीं	अपभ्रंश में है।
1983.	15468	"	"	23.7×10.5 13×34	7	"	"	"
1984.	15483	"	पासचन्द्र	25.8×11.2 11×38	45-50	"	17वीं	-
1985.	15620	"	समयसुन्दर	25×10.7 17×48	16	"	18वीं	जीर्ण र.का. 1697 र. स्था.अहमदाबाद लि.क. कल्याण लि.स्था. सीरो महानगर
1986.	15777	"	पुण्यसागर	26×11 13×35	6	"	"	-
1987.	16124	"	"	26×10.9 15×40	5	"	1746	लि.क. नेनिसुन्दर लि. स्था. मरोट
1988.	16125	साधु वन्दना	-	24×11.2 13×28	3	पूर्ण	1873	-
1989.	16134	"	जैमल	24.9×11.9 15×42	3	"	19वीं	-
1990.	16383	"	समयसुन्दर उपाध्याय	25.6×11 13×46	21	"	17वीं	र.का. 1697 र.स्था. अहमदाबाद
1991.	16587	"	देवमुनि	24.3×11.3 16×55	6	"	1903	लि.क. शिवदास लि. स्था. विक्रमपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1992.	17476	साधुवन्दना	समयसुन्दर	25.7×11 11×32	36	पूर्ण	18वीं	र.का. 1697 र.स्था. अहमदावाद
1993.	17969	"	पुण्यसागर उपाध्याय	16.1×13.6 15×18	231-240	"	1860	-
1994.	16219	साधु सज्झाय	कल्याणधीर	25.8×10.9 13×35	2	"	18वीं	जीर्ण एवं कीटविद्ध
1995.	15418	सिहचलो छन्द	रूपचंद	26.8×13.2 15×46	प्रथम	"	19वीं	-
1996.	17693	सिद्धगिरि स्तवन	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	150-151	पूर्ण	20वीं	-
1997.	17869	सिद्धचक्र आरती	-	" -	255-256	"	"	-
1998.	17655	सिद्धचक्र स्तवन	-	" -	123-124	"	"	-
1999.	18003	"	कल्याण	16.1×13.6 13×22	354वां	"	1860	-
2000.	15340	सिद्धाचल तीर्थमाला स्तवन	अमृत	27.8×12.2 12×38	8	"	19वीं	र.का. 1840
2001.	15363	"	"	24.9×11.4 9×36	12	"	1938	लि.क.कामेश्वर लि.स्था. स्तंभपुर, जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2002.	17356	नमस्कार	-	26.3×13 11×28	5	पूर्ण	19वीं	-
2003.	17650	" स्तवन	-	17×13.2 15×24	123वां	"	20वीं	-
2004.	17684	सिद्धाचल स्तवन	ज्ञानउद्योत	17×13.2 15×24	146वां	पूर्ण	20वीं	-
2005.	17690	"	जिनचन्द्रसूरि	" -	149वां	"	"	-
2006.	17691	"	पदम	" -	149-150	"	"	-
2007.	17692	"	जिनचन्द्रसूरि	" -	150वां	"	"	-
2008.	17694	"	क्षमारत्न	" -	151वां	"	"	-
2009.	17695	"	जिनहर्ष	" -	151-152	"	"	-
2010.	17700	"	शिवचन्द	" -	157वां	"	"	-
2011.	17926	"	पदम	16.1×13.6 15×18	142-143	"	1860	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2012.	17966	सिद्धाचल स्तवन	क्षमाकल्याण	” -	224-225	पूर्ण	”	-
2013.	18004	सिद्धाचल स्तवन	जयसोम	16.1×13.6 13×22	354-355	”	1860	-
2014.	18026	”	पदम	” -	369वां	”	”	-
2015.	18216	”	जिनहर्ष	13.3×9.5 8×14	203-205	”	1886	-
2016.	18313	”	लिखमीचंद	17.5×15 16×20	67वां	”	1849	-
2017.	17601	” स्तुति	-	19.8×14.5 14×20	35वां	”	19वीं	-
2018.	16147	सीता सज्झाय	जीतमल	25.7×10.4 13×35	2	”	20वीं	र.का. 1[illegible]63 लि.क. वखतावरी
2019.	17746	सीता सज्झाय	जिनहर्ष	17×13.2 15×24	177-178	”	”	-
2020.	17646	सीमन्धर जिन स्तवन	भक्तिलाभ	17×13.2 15×24	120-122	”	”	-
2021.	17797	सीमन्धर जिन स्तवन	जिनचन्द्र सूरि	17×13.2 15×24	201-202	पूर्ण	20वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2022.	17798	सीमन्धर जिन स्तवन	जिनहर्ष	" -	202वां	पूर्ण	20वीं	-
2023.	17799	"	"	" -	"	"	"	-
2024.	18187	"	रतनचंद	13.3×9.5 8×14	120-121	"	1886	-
2025.	15399	"विज्ञप्ति	जसविजय	27×12.2 12×24	17	"	1754	लि.क. सुगालचंद
2026.	15593	'स्तवन	-	25.5×10.9 13×48	2	"	18वीं	जीर्ण
2027.	17910	"	भक्तिलाभ	16.1×13.6 11×18	78-81	"	1860	-
2028.	18022	"	जिनचन्द्रसूरि	16.1×13.6 13×22	336-367	"	"	-
2029.	18025	"	जिनहर्ष	" -	368-369	"	"	-
2030.	18316	सीमन्धर स्तवन	नेतसी	17.5×15 16×20	68-70	पूर्ण	1849	-
2031.	17600	सीमन्धर स्तुति	-	19.8×14.5 14×20	34-35	"	19वीं	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2032.	17657	सीमन्धर स्तुति	-	17×13.2 15×24	124वां	पूर्ण	20वीं	-
2033.	17243	सीमन्धर स्वामी गीत	जयवंतसूरि	26.5×11.3 11×42	4	"	17वीं	-
2034.	17244	"	राजसागर	25.5×11.2 9×31	3	"	"	-
2035.	16209	" लेख	-	26×11.3 11×38	3	"	"	-
2036.	16166	" स्तवन	-	24.1×10.8 15×46	4-5	"	19वीं	-
2037.	17579	"	भक्तिलाभ	15×10 8×93	82-86	"	"	-
2038.	18195	सुपार्श्व जिन स्तवन	जसविजय	13.3×9.5 8×14	141-142	पूर्ण	1886	-
2039.	17748	सोलह सती सज्झाय	उदयरत्न	17×13.2 15×24	178-179	"	20वीं	-
2040.	17956	"	प्रेमराज	16.1×13.6 15×20	197-198	"	1860	-
2041.	18031	"	"	16.11×13.6 13×22	386-387	"	"	-

22(6) जैन स्तुति स्तवन

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प2042.	15163	स्तवन संग्रह	-	11.7×23.9 15×44	25-46	पूर्ण	20वीं	-
प2043.	15408	"	-	26.8×11.8 14×44	23-25	"	19वीं	-
प2044.	15409	"	-	25.6×10.3 11×38	61	"	"	-
प2045.	15413	"	-	25.6×11.6 13×38	1-81	"	1917	लि.स्था. विक्रमपुर
प2046.	15415	स्तवन संग्रह	-	25.8×12.8 16×40	77	पूर्ण	19वीं	-
प2047.	15417	"	-	26×11.3 15×48	55	अपूर्ण	"	28वां पत्र अप्राप्त
प2048.	15531	"	-	25.5×11 11×44	13	पूर्ण	"	लि.क. सहजंलक्ष्मी
2049.	15538	"	-	25.1×12.2 10×28	6	"	"	1. अंतरीक पार्श्वनाथ
					स्तवन, ललित कीर्ति विनैराज र.का. 1772, पत्र 1-4 2. सीमन्धर स्तवन लाभउदय जिनचंद्र 4-6 3. सबल भरोसो तेरा पद रूपचंद 6ठा			
प2050.	15544	"	-	23.4×11.8 11×26	13	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प2051.	15577	स्तवन संग्रह	-	24.3×11.6 -	23	पूर्ण	-	-
प2052.	15578	"	-	24.9×10.6 17×44	7	पूर्ण	19वीं	-
प2053.	15580	"	-	22.2×9.8 9×26	14	"	"	-
प2054.	15695	"	-	32×13.2 10×28	4	"	1870	-
प2055.	16141	"	-	26×11 13×35	2	"	1786	-
प2056.	17581	"	-	15×10 9×18	91-253	"	1849	-
प2057.	18100	"	-	15.3×11.5 9×16	106-213	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 127, 130-133
प2058.	18232	"	-	9.5×7.5 7×10	85	पूर्ण	"	-
प2059.	16527	स्तुति संग्रह	-	26.1×10.8 12×34	6	"	"	कुछ स्तुतियां संस्कृत में भी है।
प2060.	17045	स्तवन संग्रह	-	27×12 11×27	18-22	पूर्ण	1929	लि.क.मोहनमुनि लि. स्था. महिमापुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प 2061.	17596	स्तवन संग्रह	-	19.8×14.5 14×21	11-15	पूर्ण	19वीं	-
2062.	16151	स्फुट गीत	समयसुन्दर-जिनराज	23.8×10.7 18×50	1-2	"	"	र.का. 1636 र.स्था.रिणी
2063.	16155	"	राजसमुद्र जिनराज रतनसागर	" -	4था	"	"	-
2064.	17726	स्फुट जिन पद	वालक	17×13.2 15×24	166-167	"	20वीं	-
2065.	17728	"	-	" -	167वां	"	"	-
2066.	17730	"	जिन सौभाग्य सूरिन्द	" -	"	"	"	-
2067.	17790	"	नवल आनंद	" -	199वां	"	"	-
2068.	17792	"	जिनभक्ति	" -	199-200	"	"	-
2069.	17795	स्फुट जिन पद	हरखचंद	17×13.2 15×24	200-201	पूर्ण	20वीं	-
2070.	17805	"	-	" -	204वां	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2071.	17807	स्फुट जिन पद	-	” -	204-205	पूर्ण	20वीं	-
2072.	17877	”	तहठु	” -	257-258	”	”	-
2073.	18228	”	समयसुन्दरकीर्ति	15.7×10.5 10×16	87-88	”	1868	-
2074.	17998	स्फुट ढाल	जिनदास	16.1×13.6 13×22	238-330	अपूर्ण	1860	अप्राप्त पत्र 331-350
2075.	16941	स्फुट-दोहा	-	16.2×11.5 17×37	18-19	पूर्ण	1833	-
2076.	17570	स्फुट पद	भूषन, आनंदराज शुद्धक्षमा	9.5×11 12×12	173-176	”	19वीं	लि.क. अम्वालाल
2077.	17676	स्फुट पद	जिनरंगसूरि	17×13.2 15×24	143वां	पूर्ण	20वीं	-
2078.	17675	”	-	” -	”	”	”	-
2079.	17687	”	वालक	” -	147-148	”	”	-
2080.	17702	”	ज्ञानविमल	” -	158वां	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2081.	17703	स्फुट पद	आनन्दघन	" -	"	पूर्ण	20वीं	-
2082.	17783	"	-	" -	198वां	"	"	-
2083.	17789	"	ज्ञानउद्योत	" -	199वां	"	"	-
2084.	17796	"	-	" -	201वां	"	"	-
2085.	17875	"	दौलतराम	" -	257वां	"	"	-
2086.	17781	स्फुट पद	फतैचंद	17×13.2 15×24	197-198	'	20वीं	-
2087.	17782	स्फुट पद	-	17×13.2 15×24	198वां	पूर्ण	20वीं	-
2088.	17785	"	रूपचंद	" -	"	"	"	-
2089.	17876	"	-	" -	257वां	"	"	-
2090.	17878	"	आनन्दघन	" -	258वां	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2091.	17879	स्फुट पद	-	” -	”	पूर्ण	20वीं	-
2092.	17880	”	घासी	” -	”	”	”	-
2093.	17882	स्फुट पद द्वय	चैनविजय, संपत	” -	”	”	”	-
2094.	17883	”	सेवक रेखा	” -	258-259	”	”	-
2095.	17884	”	”	” -	259वां	”	”	-
2096.	17885	”	-	” -	259-260	”	”	-
2097.	17886	स्फुट पद	रूपचंद	17×13.2 15×24	260वां	पूर्ण	20वीं	-
2098.	17887	”	-	” -	”	”	”	-
2099.	17888	”	-	” -	”	”	”	-
2100.	17889	”	-	-	260-261	”	”	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2101.	17890	स्फुट पद	नवल	" -	261वां	पूर्ण	20वीं	-
2102.	18037	स्फुट पद त्रय	हरखचंद भूधर देव	16.1×13.6 13×22	393-394	"	1860	-
2103.	18038	"	"	" -	394-395	"	"	-
2104.	18039	"	ज्ञानउद्योत	" -	395वां	"	"	-
2105.	18040	"	वृद्धिकुशल	" -	"	"	"	-
2106.	18041	"	सेवक	" -	"	"	"	-
2107.	18042	स्फुट पद	रतन	16.1×13.6 13×22	395वां	पूर्ण	1860	-
2108.	18043	"	धर्मपाल	16.1×13.6 -	395-396	"	"	-
2109.	18044	"	रूपचंद	" -	396वां	"	"	-
2110.	18045	"	दास	" -	"	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2111.	18046	स्फुट पद	नवल	" -	"	पूर्ण	1860	-
2112.	18047	"	समयसुन्दर	" -	396-397	"	"	-
2113.	18048	"	जयराम	" -	397वां	"	"	-
2114.	18049	"	ऋषभविजय	" -	"	"	"	-
2115.	18050	"	भूधर	" -	"	"	"	-
2116.	18051	"	समयसुन्दर	" -	397-398	"	"	-
2117.	18052	स्फुट पद	जसवंतसागर	16.1×13.6 -	398वां	पूर्ण	1860	-
2118.	18053	"	केशर कुशल	" -	399वां	"	"	-
2119.	18054	"	हरखचंद	16.1×13.6 -	399वां	"	"	-
2120.	18055	"	श्रीधर	" -	"	"	"	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2121.	18056	स्फुट पद	हरखचंद	” -	399-400	पूर्ण	1860	-
2122.	18057	”	रूपचंद	” -	400वां	”	”	-
2123.	18058	”	भूपविजय	” -	”	”	”	-
2124.	18059	”	”	” -	”	”	”	-
2125.	18060	”	-	” -	400-401	”	”	-
2126.	18061	”	”	” -	401वां	”	”	-
2127.	18068	स्फुट पद	रूपचंद	16.1×13.6 13×22	403वां	पूर्ण	1860	-
2128.	18069	”	कीर्तिकल्याण	” -	403-404	”	”	-
2129.	18085	”	सुरनर	15.3×11.5 9×16	83वां	”	19वीं	-
2130.	18091	”	वनारसी	” -	87-88	”	19वीं	-

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2131.	18092	स्फुट पद	-	” -	88वां	पूर्ण	19वीं श.	-
2132.	18093	”	उदयरतन	” -	88-89	”	”	-
2133.	18097	”	जिनहर्ष	” -	93-95	”	”	-
2134.	18173	”	रूपचंद जिनराज	13.3×9.5 8×14	51-52	”	1886	-
2135.	18179	”	सुमत	” -	63वां	”	”	-
2136.	18198	स्फुट पद	राजसिंध	13.3×9.5 8×14	144वां	पूर्ण	1886	-
2137.	18217	”	हीरधर्म	” -	205-206	”	”	-
2138.	17722	स्फुट लावणी	-	17×13.2 15×24	165वां	”	20वीं	-
2139.	17723	”	”	” -	165-166	”	”	-
2140.	16203	स्फुट सवैया	ज्ञानसुन्दर	27×13 11×35	16-19	”	1898	1-18 सवैया है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
प2141.	18099	स्फुट स्तवन	-	15.3×11.5 9×16	99-106	पूर्ण	19वीं	-
प2142.	18105	"	-	" -	276-312	अपूर्ण	"	अप्राप्त पत्र 302-309 जीर्ण एवं अस्त व्यस्त प्रति है।
2143.	18305	"	विनयचंद जिनचंद विनयलाभ जिनहर्ष	17.5×15.3 15×22	26-28	पूर्ण	1841	र.स्था. जैसलमेर
प2144.	18154	स्फुट स्तवन	-	9.2×11.7 10×18	30-83	अपूर्ण	20वीं	अप्राप्त पत्र 45-48
प2145.	18295	"	-	11×9.4 12×18	25-80	पूर्ण	19वीं	-
प2146.	18322	"	-	14.5×10.5 10×18	38-50	"	"	-
2147.	18064	"	भूप	" -	402वां	"	"	-
2148.	18064	"	भूप	" -	402वां	"	"	-
2149.	18065	"	-	" -	"	"	"	-
2150.	18130	"	-	16×11.5 -	220वां	"	1890	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2151.	18131	स्फुट स्तवन	रतनसागर	16×11.5 12×18	220-221	पूर्ण	1890	-
2152.	18132	”	क्षमाकल्याण	” -	”	”	”	-
2153.	18153	होरी पद	जिनलाभसूरि	16×11.5 12×18	220वां	पूर्ण	1890	-
2154.	18134	”	जिनभक्तिसूरि	” -	222-223	”	”	-
2155.	18086	होली पद	रतनसागर	15.3×11.5 9×16	83-84	”	19वीं	-
2156.	18087	”	-	” -	84वां	”	”	-
2157.	18089	”	अवीर	” -	86वां	”	”	-
2158.	18090	”	अनंत कल्याण	” -	86-87	”	”	-
2159.	17979	होली बसन्त पद	जिनलाभसूरि	16.1×13.6 15×20	272-273	”	1860	-
2160.	17980	होली बसन्त पद	जिनचन्द्रसूरि	” × -	273वां	”	”	-

परिशिष्ट

297/15400-देव-देवी छन्द

क्रमांक	ग्रन्थ नाम	कर्ता	पत्रसंख्या
1.	क्षेत्रपाल रो छन्द	सुखौ	1-2
2.	क्षेत्रपाल छन्द	नारायण	2-3
3.	क्षेत्रपाल छन्द	रूप	3रा
4.	क्षेत्रपाल कवित	जसराज	"
5.	खेतवल्लवीर निसाणी	विवेक विजय पी/ओ लाभ विजय पी/ओ. रत्नविजय	4-5
6.	क्षेत्रपाल पाठ गीत छन्द	माधौ	5
7.	माता सिचियाय जी री स्तुति	सिद्धसूरि	7वां
8.	माता जालिया जी रो गीत	-	7-8
9.	भवानी छंद	सुमतिरंग	8-9
10.	आई जी रो छंद	सगतो	9वां
11.	महादेव पाठ गीत छंद	घनश्याम	"
12.	माता जी रो पाठ गीत छंद	लखमो	10वां
13.	सरस्वती छंद	हेम	"
14.	भगवती छंद	समधर	10-12
15.	गणेश छंद	हेमरत्न	12-13
16.	महादेव जी री निसांणी	तिलोक	13वां
17.	सूरज जी रो कवित		13वां
18.	नवग्रही छंद	खेतल	14-16
19.	शनिश्चर छंद	हेम	16-17
20.			

690/15037 बीस स्थानक पूजा विधि

	पत्र संख्या
1. सचित्रा-चित्र विवरण सज्झाय नयविमल	1-2
2. काउसग उगणीस दोष सज्झाय नय विमल	2-3
3. पोसा अठारह दोषण	3रा
4. पच्चकराण गुणचास भांगा	3-4
5. पंचम्मादि तपो ग्रहण विधि	4-5
6. पंचमी अष्टमी एकादसी विधि	5वां
7. पंचमी वीस स्थानक प्रमुख तप उजवण विधि	5-6
8. वीस स्थानक उच्चारण विधि	6ठा

743/17569 सिद्ध चक्र नव पद पूजा

	पत्र संख्या
1. सिद्धचक्राय नवपद पूजा	76-92
2. "	92-104
3. साधु वंदना	104-113
4. गौतम रास	113-119
5. दंडक बोल	120-136
6. नवमो अध्ययन	136-141
7. बतीसमो अध्ययन	141-158
8. नवकार छंद-कुशललाभ	158-161
9. अजीत शांति स्तवन- भेरूनंद	161-163
10. महावीर स्तवन-अभयसूरी	163-165
11. नेमनाथ स्तवन-वणवीर पी/ओ. टीकम	165-168
12. मृगा पुत्र सज्झाय-खेम	168-170
13. धन्ना स्वाध्याय-तिलोकसी	170-171
14. धर्मनाथ स्तवन- रूपविजै	171-172

1051/16136 बूढा रासो

	पत्र संख्या
1. चालो राजा श्रेणिक पावापुरी	4था
2. राजुल पुकारे नेमी पीया (रेखता) चन्द	"
3. प्रीत प्रभु जी सूं लग रही	"
4. खाज्यो पीज्यो विलसज्यो-जिनदास	4-5
5. छोरे नै क्यूं मारे छै	5वाँ
6. नेम न जानी मारीं	"
7. माई मोरे प्रभुजी ने	"
8. मेरा जीवड़ा लग्या जिणेसर	"
9. छवि चन्द्रा प्रभुजी- रतनचंद	"
10. नानड़ियो गोद खिलावै-चन्दखुस्याल	"
11. दूहा-केशव	"
12. जीव समझावण सज्झाय-माणक्यरंग	6ठा
13. पार्श्वनाथ स्तवन- जिनहर्ष	"
14. मूरति मोहन गारी मनै- जिन भक्ति सूरी	"
15. आज नेह जारी ढोलो-वसतो	"
16. मिसर जी रंग लागो चित- सिवचंद मुनि	7वां
17. सौले सत्या नाम- उदयरतन	"

1386/15441 उपदेशी लावणी सज्झाय संग्रह

पत्र संख्या	
1. उपदेसी-जैमल	1ला
2. श्रावक इक्कसी-रतनचंद	"
3. इकबीसी-समयसुन्दर	1-2
4. सीमन्धर स्वामी विनती- सरूपचंद लि.का.	2रा
5. किण दिनों हे सजनी ढाल- ऋषि भगवानदास	2-3
6. विनती महावीर जी री-जसमय सुन्दर	3रा
7. दान तो दीजो प्राणी-रतनचंद	3-4
8. चौवीसी- मुनिराम	4था
9. जैमल जी री ढाल-मुनिराम	"
10. सवा नौ मास उदर में लटक्यो-रामचन्द्र	4-5
11.वैरण जीभडी मारग नी चाले ट-रतन	5वां
12. उपदेसी- हीरो	"
13. पार्श्व प्रभु जी सज्झाय-हीरो	5-6
14. धन्ना जी री लावणी- अनोपचंद	6ठा
15. राम राव रो मैं चाकर पद-किसनदास	6-7
16. गाफिल क्यू मान"	7वां
17. साधो एक अचम्भा-"	"
18. कहो गयो रे पंछी	"
19. इक राजा नगर उजीणी	"
20. इक राजा गौड बंगाल का	7वां
21. चौवीस तीर्थंकर रावेटा री सज्झाय-सुखलाल	7-8
22. वेसे साथ साधवी पास-मोतीचंद	8वां
23. सीमन्धर स्वामी रो कागद-जैमल	8वां
24. सीमन्धर जी रो स्तवन- मुनिराम	8-9
25. गौतम गणधर किसो ढाल-मुनिराम	9वां
26. खटदर्व जामै कसानि-देव	"
27. सीमर सीमर जी वा श्री नवकार- जीणदास	"
28. उठ भणे प्रभात जी-	"
29. नगरी तो राजग्रही रा वाग- वीर जिणन्द	9-10
30. कथा सुण भागवत गीता लावणी- दास	10वां
31. द्रिग द्रिग संसार झमेला- शिवकरण	"
32. ए तो जगत मीथ्यात-मनरूप	10-11
33. चौवीसी री निसानी- ऋशजी	11वां
34. उपदेशी सज्झाय- मुनि	11-12
35. धन-2 साधु जी संसार में-ऋषिगुण	- 12
36. चेतन अवै चेतीये- मुनिराम	"
37. तुम्हारो बाबो रे बाबो- कवीर	12-13
38. बाविस सुभट ने जीत-	13वां
39. पारसनाथ पास थारे-प्रधान सागर	"
40. पास की वारी जाऊं रे-दास	"

41. तूं मेरा दिल में- जिनरग 13वां
42. काया वाडी कारमी- पदमतिलक ”
43. चतुर धर्म परखज्यो कोम सज्झाय- 13-14
44. इन्द्र धनुष रचना हुवै-विनयचंद 14वां
45. एक दिन ऐसा हूकारै- नवल ”
46. मना रे मेरो प्रभु-आनन्दघन ”
47. सदगुर है सौदागर- श्रावग ”
48. नारी नागण सारी ”
49. वर्धमान जिनराय वतीस सील री उपमा री सज्झाय-हीराचंद 14-15
50. आरज देस में आये- हीराचंद 15वां
51. आरज देस में आये- हीराचंद ”
52. अरिहंत भगवत वां मान- जिनचन्द्रोजल ”
53. अष्टादश वोलो री सज्झाय-आसकरण 15-16
54. तुम चलो सखी लावणी- रामचन्द्र 16वां
55. ममत मत की जोरा-प्रेम ”
56. गज सुकमाल री लावणी-मुनिराम 1858 जोधपुर ”
57. मगध देश राजग्रही-चंद 1870 पीपाड 16-17
58. तुम भाग चलो तो लावणी- मुनिराम . 17वां
59. पखवाडो ज्ञान रो- मूलचंद 17-18
60.उपदेशी स्तवन- मुनि 18वां 18वां
61. ”सज्झाय चौथमल 1858 ”
62. दानशील तप भावना सज्झाय-दुरग दास गणि 18वां 18वां
63. संवर द्वार रो तान- 18-19
64. सात वीस न छोडो भाव सूं-रामचंद 19वां
65. कर मन की गत वाकडी- ”
66. मैं परजू तोने पर नारी- मुनिराम ”
67. संत वर तै जी थारा-रामचन्द्र ”
68. सति जिणन्दा अति सुख- आसकरण 1868 19-20
69. प्रातः उठ श्री शांतिजी- रतनचंद 20वां
70. सांवरियो साहिब है भेदो ”
71. तू धन तू धन तू धन ”
72. महावीर स्वामी ने सिवरूँ-कुशलचंद ”
73. सांवलियां साहिब सुखदायक- रतनचंद ”
74. जोवनियां री भोजां फोजां ” ”
75. प्रभातिया पद-वनेचंद 20-21
76. चौव दै थानक जीव रा 21वां
77. श्री ऋषभ अजस संभव-रायचंद 1832 नागौर ”
78. पुह उठ प्रभाति-जैमल ”
79. तुम तरण तारण-सिद्धार्थ नन्दन ”
80. काल री सज्झाय-रतनचंद 1868 किशनगढ 22वां
82. आदिनाथ अरिहंत घ्यावो-देव ”
83. चेलणा री सज्झाय-समयसुन्दर ”

84. दरसण पच्चीसी-मनरूप 1877 वीसलुपर 22-23
85. जीवनै समझावण सज्झाय-जैमल 23-24
86. रावण मोटो राव कहीं जै लावणी 24वां
87. व्रह्मदत चक्री ने तीहां 24
88. चित कहे व्रह्मराय ने-कवियण 24-25
89. गजसुकुमाल रो स्तवन-रतनो सखरग्राम 25वां
90. विजै कुंवर री लावणी-लालचंद 1861 कोट रामपुर 25-26
91. रावण री लावणी- रामचंद 26वां

1387/15412 उपदेशी स्तवन संग्रह

1. सीखडी नी सज्झाय-राममुनि र.का. 1900 र.स्था.नागौर 1ला
2. पूज जैमल जी रा गुण वर्णन-राममुनि ''
3. अनुभव ज्ञान पद-किशनदास ''
4. निर्गुण पद-कबीर ''
5. पार्श्वनाथ जिन स्तवन-हीरा पुत्री मनरूप र.स्था.वीसलपुर 1-2
6. बलभद्र जी सज्झाय-रतनचंद ऋषि र.स्था. पीपाड़ शहर 2रा
7. श्री सीमन्धर जिन स्तवन- जैमल ऋषि ''
8. वैराग्य नी सज्झाय-चौथमल ऋषि र.का. 1858 स्था. मेड़ता 3रा
9. शांति जिन सज्झाय- रामचंद्र ''
10. '' रतनचंद ''
11. पार्श्वनाथ जिन घग्घर निसाणी जिनहर्ष 3-5
12. जिन स्तवन- रायचंद ऋषि र.का. 1836 स्था. नागौर 5वां
13. अष्ट जिन स्तवन- रायचंद ऋषि पुत्री जैमलजी र.का. 1836 स्था. नागौर ''
14. चौवीस तीर्थकरां रे बेटा बेटी सज्झाय- सुखलाल ऋषि पुत्री चन्द्रभाण र.का. 1874 स्था. पाली 5-6
15. तू मारो बावो रे वावो पद-कबीर 6ठा
16. शांति जिन स्तुति पद- जिनरंग सूरि ''
17. कावा वाडी कारमी पद-पदमतिलक ''
18. दानशील तप भावना सज्झाय-दुर्गादास गणि 6-7
19. पखवाड़ा री सज्झाय- मूलचंद पुत्री जयरत्न 7वां
20. सम्वर नी सज्झाय- 7-8
21. चिंतामणि पार्श्व स्तुति पद- रतनचंद 8वां
22. शांति जिन स्तुति पद-'' ''
23. महावीर जिन स्तुति पद-कुशाल चंद ऋषि ''
24. नेमिनाथ जिन स्तुति पद-रतनचंद ''
25. प्रभाती पद- वेनचंद 8-9
26. चतुर नर नारी मत निरखो लावणी पद 9वां
27. जोबनिया री माजा फोजां जाय पद- रतनचंद ''
28. चेलणा सती सज्झाय- रतनचंद ''
29. गजसुकमाल सज्झाय- रतनचंद ''
30. नेमजी की जान की लावणी- जिनदास 10वां

31. उपदेशी स्तवन- चन्द्रभाण ऋषि ”
32. नेमजी री ढाल- रतनचंद 10-12
33. छकाय नी सज्झाय-कुशल 12वां
34. धन्धे माहे भूल गई भगवान पद-रायचंद ऋषि र.का. 1839 स्था.हरसोर गांव ”
35. अवधू ऐसा ज्ञान विचारी पद-सुन्दर ”
36. जोगाराम को मारग वांको पद ”
37. सीमन्धर स्वामी स्तवन- राममुनि 12-13
38. चेत आनन्द मान कहवा मेरा लावणी पद-कुशल 13वां
39. खवर नहीं है जग में मल की पद -अक्षयपति ”
40. ए ही जग स्वपने की माया लावणी पद-कालीराम भण्डारी 13वां
41. चतुर नर मन को समझाना लावणी पद-देव ”
42. जोवन पचीसी-रायचंद पूज्य र.का. 1840 र.स्था.जोधपुर 14वां
43. सुगुरू पचीसी- जिनहर्ष 14-15
44. कपट पचीसी- रायचंद ऋषि पुत्री जैमल जी र.का. 1833 र.स्था. 15वां
45. हां रे चांगले ऐसी करणा पद 15-16
46. मिनखां देही दुलभ वहुत है पद- अक्षयपति 16वां
47. कर कर भजन स्वजन साहिव का पद-दीन ”
48. दाय पडे सोई कहो री दुनिया लावणी पद ”
49. जीव जागो रे माथे ढलियो सूर पद 16-17
50. चेतन चतुर तणे घरे सुमति कुमति दोय नार पद-कल्याण मुनि 17वां
51. संसार की माया काची पद-आसकरण जी र.का. 1832 ”
52. मत कर हो जीव पर तात दिन रात तूं पद 17वां
53. झिगमिग झिग मिग जो पद- दीन 18वां
54. चमक चमक अरू विजली चमके- दीन ”
55. नगरी खूवी वणी हे जी पद ”
56. जीव चेतो रे पद-जैमल जी 18-19
57. जीव काया नी सज्झाय-रूपचंद ऋषि मुनि जैमलजी 19वां
58. सिद्धशिला सगलासी रै पद-रायचंद ऋषि पुत्री जैमल जीर.का. 1820 र.स्था फलोदी 19-20
59. भवि यण इरियावही पडिकमिए पद-जैमलजी 20वां
60. मटिया ओढण मटिया पहिरण 20-21
61. संगत कीजे हो धरमी पुरुष नी सज्झाय- आसकरण पुत्री जैमलजी 21वां
62. दान इकवीसी-रायचंद पूज्य 21-22
63. चौपड री ढाल- रतनसागर 22वां
64. निन्दक इकवीसी-आसकरण पुत्री जैमल ऋषि र.का. 1852 र.स्था.पीपाडशहर 22-23
65. उपदेशी चौवीसी ढाल- आसकरण पुत्री जैमल ऋषि र.का. 1827 23वां
66. चौरासी लाख जीवा को घडो ढाल- आसकरण र.का. 1827 23-24
67. तप सज्झाय- आसकरण ऋषि र.का. 1853 र.स्था.जोधपुर 24-25
68. उपदेश चौवीसी ढाल- जैमल पूज्य 25वां
69. पर माया काहे कूं जोडी रे-जैमल पूज्य 25-26
70. हाथि जोड़ी गौतम कहे ढाल 26वां
71. वर्द्धमान जिनवर नमुं ढाल ”

72. पाप रूपणी खोडज लागी रे 27वां
73. जरा आया पहिली रे ,,
73. जरा आया पहिली रे ,,
74. वावा सूत्र भणी काहा कीनो ढाल 27-28
75. मम कर माया कारमी ढाल 27-28
76. उपदेश नी ढाल 28-29
77. आद अनाद को जीवडो उपदेशी सज्झाय-जैमल जी 29-31
78. चौबीस जिन स्तवन- लालचंद पुत्री दौलत पूज्य 31-32
79. चौवीस जिन स्तवन- लालचंद पुत्री दौलत पूज्य 32वां
80. नेम राजुल सज्झाय- खेममुनि र.का. 1730 ,,
81. चौबीस जिन स्तवन- 32-33
82. वलभद्र जी नी सज्झाय- रायचंद पुत्री जैमल पूज्य र.का. 1847 र.स्था. जोधपुर 33वां
83. महावीर जिन स्तवन-लालचंद ऋषि र.का. 1862 र.स्था. रामपुर 33-34
84. सीमन्धर जिन स्तवन- दौलतराम पूज्य र.का. र.स्था 34वां
85. वहुत निहाल किया हो परमगुरू ढाल- रायचंद पूज्य 34-35
86. बीस विहरमान जिन स्तवन- रायचंद ऋषि 35वां
87. उपदेश पच्चीसी- मनरूप ऋषि र.स्था. पाली 35-36

1424/16965 गौडी पार्श्व छन्द

1. कवित 1-5 वनारसी- शिखरचंद 4-5
2. भविष्य नमस्कार चौवीसी- समरचंद सूरि 5-6
3. अतीत चौवीस जिन नाम स्तवन 6-7
4. सवइया 7-8
5. देख्या मैं अजव तमाशा अवीर 8-9
6. कलिजुग पदम 9वां
7. गौडी पार्श्व जिन स्तवन 9-10
8. मन सुनी रे थारी लावणी जिणदास 10-11
9. प्रभु मत कर ज्यो निरासरा स्तवन 11-12
10. मेरा जियरा पानी स्तवन अवीर 12-13
11. अमि जाय वो आली पद दो अवीर 13-14
12. सुगुन नाव 14वां
13. मन लगा जिन सूं ,,

1432/15535 गीत स्तवन आदि

1. चक्रेसरी गीत-कविशंकर	1ला
2. आदिश्वर गीत-भावसागर	2रा
3. नेम राजिमति पद-अनोपचंद	2-3
4. पार्श्वजिन स्तवन-"	3रा
5. थूलभद्र सज्झाय- जिनहरख	3-5
6. नेमजी रो बारहमासो-कवियण	5-6
7. नेमनाथ गीत- लधराज	6-7
8. नेमजी रो बारहमासो-देवचंद	7-8
9. नेम राजिमति गीत-रूघनाथ	8-9

1484/16230 चौबीसी गीत संग्रह

1. चौबीसी- जिनरत्न	1-4
2. शीलइ सुरनर वसिहवइ-विप्रसार	4वां
3. चंचल जीवड़ा रे पद	4-5
4. अवन्ती सुकुमाल नीं ढाल	5वां
5. शील प्रवन्ध- जिनरत्न	"
6. पंच प्रमाण परिहर संवंध	5-6
7. श्रेणिक चौढालियो-समयसुन्दर	6ठा

1486/15346 चौबीसी स्तवन

1. ऋषभाव गीत- जिनराज	1ला
2. अजितनाथ गीत-	"
3. संभवनाथ गीत	"
4. अभिनन्दन गीत	1-2
5. सुमति नाथ गीत	2रा
6. पदमप्रभु गीत	"
7. सुपार्श्व गीत	"
8. चन्द्रप्रभु गीत	2-3
9. सुविधिनाथ गीत	3रा
10. शीतलनाथ गीत	"
11. श्रेयांस गीत	3-4
12. वासु पूज्य गीत	4था
13. विमलनाथ गीत	"
14. अनंतनाथ गीत	"
15. धर्मनाथ गीत	"
16. शांतिनाथ गीत	4-5
17. कुंथुनाथ गीत	5वां
18. अरनाथ गीत	"
19. मल्लिनाथ गीत	"

T

20. मुनि सुव्रत गीत	5-6
21. नेमिनाथ गीत	6ठा
22. नेमिनाथ गीत	"
23. पार्श्वनाथ गीत	"
24. वीर गति	6-7
25. चतुर्विंशति गीत	7वां
26. सीमंधर गीत	"
27. युगमंछर गीत	"
28. बाहु सामी गीत	7-8
29. सुवाहु गीत	8वां
30. सुजात गीत	"
31. स्वयंप्रभु गीत	"
32. रिषभानन गीत	"
33. अनंतवीर गीत	8-9
34. विशाल गीत	9वां
35. सूरप्रभु गीत	"
36. वज्र प्रभु गीत	"
37. चन्द्रानन गीत	9-10
38. चन्द्रवाहु गीत	10वां
39. भुजंगम स्वामी गीत	"
40. नेमि प्रभु गीत	"
41. ईश्वर प्रभु गीत-जिनराज	10वां
42. वीर सेन गीत	10-11
43. देवजस गीत	11वां
44. महाभद्र गीत	"
45. अजीत वीरज गीत	"
46. विहरमाण गीत	11-12
47. विमलाचल गीत	12वां
48. वासुप्राज्ञ गीत-राजसमुद्र	"
49. ऋषभदेव गीत	12-13
50. मोह महावल गीत-जिनराज	13वां
51. मुनिवर गीत-राजसमुद्र	13-14
52. ऋषि गीत	14-15
53. वयरसार गीत	15वां
54. आईमात गीत	"
55. दमयंती गीत-मुनिराज	15-16
56. सीतागीत- जिनराज	16वां
57. सीता वियोगी- राजसमुद्र	16-17
58. कलावती गीत	17वां
59. मयणरेहा गीत	"
60. एवेन्द्री असवरण गीत	17-18
61. चिंतामणी पार्श्व गीत-राजसमुद्र	18वां

62. शंखेश्वर गीत ”
63. पारा गीत-जिनराज ”
64. पार्श्व स्रोत 18-19
65. पाश्वगीत 19वां
66. गौडी पार्श्वगीत ”
67. अमीझरा पार्श्वनाथ स्तोत्र ”
68. नेमि चतुर मासिक- राजसमुद्र 19-20
69. नेमि गीत 20वां
70. जकडी गीत 20वां
71. निंदा निवारक गीत ”
72. जीवन मोरा गीत ”
73. देव गीत ”
74. जकडी गीत ”
75. जकडी गीत ”
76. जकडी गीत ”
77. जकडी गीत 20-21
78. जकडी गीत 21वां
79. वीर गीत-राजसमुद्र 21वां
80. मेरा जी गीत-मुनिराज ”
81. कुशलगुरू गीत-जिनराज ”
82. कुशल गुरु गीत- मुनिराज 21वां
83. कहा कोऊ और गीत-जिनराज ”
84. हिलमिल साहिव गीत-राज ”
85. जव जाणउ जाग गीत ”
86. कहा अज्ञानी गीत ”
87. हरि बोलउ गीत 21-22
88. रे मन मूढ गीत 2वां
89. रे जीव काहे गीत ”
90. मन रे पृच्छा गीत ”
91. कइसउ सास गीत ”
92. रे जीव काहे गीत ”
93. जीव रे चलत गीत ”

1487/15350 चौबीसी स्तवन

1. ऋषभ जिन स्तवन- आनन्दघन 1ला
2. अजीतनाथ स्तवन ”
3. संभव जिन स्तवन 2रा
4. अभिनन्दन स्तवन ”
5. सुमतिनाथ जिन स्तवन ”
6. पदमप्रभु जिन स्तवन ”
7. सुपार्श्व जिन स्तवन 2-3
8. चन्द्रप्रभु जिन स्तवन 3रा

9. सुविधिनाथ स्तवन	"
10. शीतल जिन स्तवन	"
11. श्रेयांस जिन स्तवन	3-4
12. वासूपूज्य जिन स्तवन	4था
13. विमल जिन स्तवन	"
14. अनन्त जिन स्तवन	"
15. धर्मनाथ	4-5
16. शांतिनाथ	5वां
17. कुंथुनाथ	"
18. अरनाथ	"
19. मल्लिनाथ	6ठा
20. मुनि सुव्रत जिन स्तवन	6-7
21. नेमिनाथ स्तवन-आनन्दघन	7वां
22. नेमिनाथ स्तवन	7-8
23. पार्श्वनाथ स्तवन	8वां
24. वीरजिन स्तवन	"

1488/15384 चौबीसी स्तवन

1. आदि जिन स्तवन-विनयचन्द्र	1ला
2. अजित जिन स्तवन	"
3. संभव जिन सतवन	"
4. अभिनन्दन जिन स्तवन	1-2
5. सुमति जिन स्तवन	2रा
6. पदमप्रभु जिन स्तवन	"
7. सुपार्श्व जिन स्तवन	"
8. चन्द्रप्रभु स्तवन	2-3
9. सुविध स्तुति	3रा
10. शीतल जिन पद	"
11. श्रेयांस पद	"
12. वासूपूज्य	"
13. विमल जिन	3-4
14. अनंत	4था
15. धर्मनाथ	"
16. शांतिनाथ	"
17. कुंथुजिन	4-5
18. अरहनाथ	5वां
19. मल्लिनाथ पद-विनयचंद्र	5वां
20. मुनि सुव्रत पद	"
21. नेमिनाथ	5-6
22. नेमनाथ	6ठा
23. पार्श्व	"
24. वीर जिन	"

1489/15388 चौबीसी स्तवन

1. कह सेवा ऋषभ जिणचंद-मगन	1ला
2. जित शत्रु नृप विजयनंद	,,
3. संभव जिण सांची तू	,,
4. श्री अभिनंदन गुण	,,
5. सुमति जिणेसर नित	,,
6. पदमप्रभु से प्रीत	1-2
7. सुपारस प्यारो राजप्यारो	2रा
8. चन्द्रप्रभु जिनचंद	,,
9. पुष्पदत्त परमल मल्या	,,
10. द्वार बड़ा दरवार शीतल	,,
11. श्रेयांस जी अव मुझ	2-3
12. प्रणम वासपूज्य जिन	3रा
13. म्हारा विमलनाथ जी निज	,,
14. अनंत जिणद दूराव	,,
15. चतुर स्याणा भाई	,,
16. शांतिनाथ जी सान्ता वरताई	3-4
17. कुंथ जिन भजन करे भाई	4था
18. अरहनाथ कृमा करी	,,
19. मिथला नगरी जन्म स्थान-मगन	4था
20. श्री मुनि सुव्रत गाइयै	,,
21. जग जीवन न वाला	4-5
22. समुद्र विजै सेवा देविका	5वां
23. सुग्यानी जिया मिल्या छै	,,
24. महावीर सास सण धणी	,,

1490/15405 चौबीसी स्तवन

1. आदिनाथ जिन स्तवन-जिनराज	10-11
2. अजीतनाथ गीत	11वां
3. संभवनाथ गीत	,,
4. अभिनन्दन गीत	,,
5. सुमतिनाथ गीत	,,
6. पदमप्रभु गीत	11-12
7. सुपारस जी गीत	12वां
8. चन्द्रप्रभु गीत	,,
9. सुविधि नाथ गीत	,,
10. शीतलनाथ गीत	,,
11. श्रेयांस जिन स्तवन	12-13
12. वासूपूज्य गीत	13वां
13. विमलनाथ गीत	,,
14. अनन्तनाथ गीत	,,
15. धरमनाथ गीत	,,

16. शांतिनाथ गीत	"
17. कुंथुनाथ गीत	13-14
18. अरिनाथ गीत	14वां
19. मल्लिनाथ गीत	14वां
20. मुनि सुव्रत गीत	"
21. नेमनाथ गीत	"
22. नेमिनाथ गीत	14-15
23. पार्श्वनाथ स्तवन	15वां
24. महावीर गीत	"
25. वर्तमानचतुर्विंशति	"

1496/17843-17865 चौबीस स्तवन

1. 17843 आदि जिन स्तवन जिनराज सूरि	243वां
2. 17844 अजितनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	243-244
3. 17845 संभवनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	244वां
4. 17846 अभिनन्दन जिन स्तवन जिनराज सूरि	244-245
5. 17847 सुमतिनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	245वां
6. 17848 पदमप्रभु जिन स्तवन जिनराज सूरि	"
7. 17849 सुपार्श्व जिन स्तवन जिनराज सूरि	245-246
8. 17850 चन्द्रप्रभु जिन स्तवन जिनराज सूरि	246वां
9. 17851 सुविधिनाथ जिनस्तवन जिनराज सूरि	"
10. 17852 शीतलनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	246-247
11. 17853 श्रेयांसनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	247वां
12. 17854 वासूपूज्य जिन स्तवन जिनराज सूरि	"
13. 17855 (अ) विमलनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	247-248
14. 17855 (व) अनन्तनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	248वां
15. 17856 धर्मनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	"
16. 17857 शांतिनाथ जिन स्तवन जिनराजसूरि	248-249
17. 17858 कुंथुनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	249वां
18. 17859 अरनाथ जिन स्तवन जिनराज सूरि	"
19. 17860 मल्लिनाथ जिन स्तवन- जिनराजसूरि	249-250
20. 17861 मुनिसुव्रत जिन स्तवन- "	250वां
21. 17862 नेमिनाथ जिन स्तवन	"
22. 17863 नेमिनाथ जिन स्तवन	250-251
23. 17864 पार्श्वनाथ जिन स्तवन	251वां
24. 17865 महावीर जिन स्तवन	"

1497/17920 चौबीसी स्तवन

1. ऋषभ जिन स्तवन-जसविजय वाचक पी/ओ नयविजय 125-126
2. अजीत जिन स्तवन 126-127
3. संभव जिन स्तवन 127वां
4. अभिनन्दन जिन स्तवन 127-128
5. सुमतिनाथ जिन स्तवन 128वां
6. पदमप्रभु जिन स्तवन 128वां
7. सुपार्श्व जिन स्तवन 129वां
8. चन्द्रप्रभु जिन स्तवन 129-130
9. सुविध जिन स्तवन 130-131
10. शीतल जिन स्तवन 131वां
11. श्रेयांस जिन स्तवन 131-132
12. वासुवूज्य जिन स्तवन 132वां
13. विमल जिन स्तवन 132-133
14. अनन्त जिन स्तवन 133-134
15. धर्म जिन स्तवन 134
16. शांति जिन स्तवन 134-136
17. कुंथनाथ जिन स्तवन 135वां
18. अर जिन स्तवन 135-136
19. मल्लिनाथ जिन स्तवन 136वां
20. मुनि सुव्रत जिन स्तवन 136-137
21. नेमि जिन स्तवन 137वां
22. नेमिनाथ जिन स्तवन 137-138
23. पार्श्व जिन स्तवन 138वां
24. महावीर जिन स्तवन 138-139

1500/18248 चौबीसी स्तवन

1. ऋषभ स्तवन 1ला
2. शांति स्तवन 1-2
3. नेमि स्तवन क्षमाकल्याण 2रा
4. पार्श्व स्तवन 2-3
5. वीर जिन चैत्यवंदन-कल्याणनिधि 3रा
6. सिद्ध चक्र स्तवन चैत्यवंदन 3-4
7. पसनाथ स्तुति 4-5
8. सीमन्धर स्वामी चैत्यवंदन 5वां
9. समेत शिखर चैत्यवंदन 5-6
10. सिद्धचक्र स्तुति-जिनलाभ सूरि 6-8
11. एकादशी स्तुति-जिनचन्द्र 8-9
12. पार्श्वजिन स्तुति 9वां
13. सम्भव जिन स्तवन-प्रीतसागर गणि पी/ओ अमृतधर्मगणि 11-12
14. सुविधि जैन स्तवन 12-13
15. सीमन्धर साहिबा पद-क्षमाकल्याण 13-14
16. सुविधि जिन स्तवन 14-16

17. आज नगर में 16-17
18. समेत शिखर मण्डन स्तवन 17-19
19. समेत शिखर मण्डन स्तवन 19-20
20. आज भले मैं भेटयो-जिनचंद्र 20-23
21. भव वासी रे प्राणी- क्षमाकल्याण 23-25
22. समेत शिखर जिन स्तवन 25-26
23. महावीर जी स्तवन- 26-27

1542/15520 जिन स्तवन संग्रह

1. आदि जिन स्तवन-कुसर कुशल 1ला
2. अजित जिन स्तवन ”
3. सम्भव जिन स्तवन ”
4. अभिनन्दन गीत ”
5. सुमति जिन स्तवन ”
6. पदमनाथ जिन स्तवन 1-2
7. सुपास जिन स्तवन 2रा
8. जिनवर जगनायक जिन स्तवन ”
9. सुविधनाथ जिन स्तवन ”
10. शीतलनाथ जिन स्तवन 2-3
11. श्रेयांस जिन स्तवन 3रा
12. गुणसागर जिन स्तवन ”
13. विमलनाथ जिन स्तवन ”
14. अनंतनाथ जिन स्तवन ”

1543/15521 जिन स्तवन

1. वर्द्धमान स्वामी वृद्ध स्तवन जसवंत र.का. 1793 पत्र प्रथम
2. चौवीस जिन स्तवन जिनभ्रदसूरि र.का. 1493 1-2
3. उपप्रधान भव स्तवन, सुन्दर 2रा
4. गुणस्थानक विवरण, जिनचद्रसूरि र.का. 1619 2-3
5. श्रीपार्श्व जिन नाम वृद्ध स्तवन ”

1544/15527 जिन स्तवन

1. ऋषभ जिन स्तवन- केसर कुशल प्रथम
2. रहो रहो वाल्हा एह देश 1-2
3. भय भयन्त तुम जिन जी -उदयकुशल 2रा
4. राजाजी आया देश- केसर कुशल ”
5. बण्यो रे कुंवर जी रो सेहरो-उदयकुशल 2-3
6. श्री पदमप्रभु जिन राज नी अपूर्ण 3रा

1547/17423 जिन स्तवन

1. ऋषभदेव जी स्तवन-देवचंद्र	8वां
2. अभिनन्दन स्तवन	8-9
3. पास प्रभु स्तवन	9वां
4. वास पूज्य स्तवन	"
5. कुंथुनाथ जी स्तवन	9-10
6. प्रभु जी विनतडी अव धारियै-क्षमाकल्याण	10वां
7. तोमी देखु जिनराज	"
8. अहो गुरू देव जी इमुन को- सेवक	10-11
9. साचो साहिवा ने रे धारी-कमलसुन्दर	11वां
10. चलो देखन जाइयै प्रभु-सेवक	"
11. मुजरा साहिवा 3 मेरा रे-रूपचंद	"
12. विजय विदै परिगडो श्री मंदिर स्तवन-विजयरंग	"
13. सुण चन्दा जी सीमन्धर	11-12
14. वै कर जोड विन कुंरे जिनराज	12वां
15. आदि जिनेसर वोल तू ती मेरी -घानत	"
16. टूकमहर निजर दी करना-जगतराम	"
17. ऋषभ जिणेसर त्रिभुवन-लालचंद वीकानेर	"
18. आज महो छव रंगरली री-हर्षचंद	"

1555/14936 जिन स्तवन

1. प्रतिपदा स्तुति- नयविमल	1ला
2.द्वितीय स्तुति -नय विमल	"
3. तृतीय स्तुति- नय विमल	1-2
4. चतुर्थस्तुति- नय विमल	2रा
5. पंचमी स्तुति -नय विमल	"
6. छठी स्तुति -नय विमल	"
7. सातमी स्तुति न-य विमल	2-3
8. आठवीं स्तुति -नय विमल	3रा
9. नौवमी स्तुति -नय विमल	3-4
10. दसमी स्तुति -नय विमल	4था
11. द्वादस स्तुति -नय विमल	"
12. बारस स्तुति -नय विमल	4-5
13. तेरस तिथि स्तुति -नय विमल	5-6
14. चतुर्दश स्तुति -नय विमल	6ठा
15. पूर्णिमा थुई	6-7
16. अमावस्या थुई	7वां

1557/16756 जैन स्तवन संग्रह

1.कमलराल विहंगम वाहन पद	1ला
2. वामा सुत जी सू मन लागे पद गंगाराम	,,
3. कापरदेहा पार्श्व जिन स्तवन जिन हर्ष	,,
4. शांतिनाथ स्तवन विजय सोम गणि	2रा
5. पार्श्वनाथ स्तोत्र	,,
6. सतीसर जिनवर भेंटिया पद	,,
7. पार्श्व जिन स्तवन-ज्ञानविमल	3रा
8. महावीर स्रोत- जिन वल्लभ मुनि	,,
9. श्री स्तवन-	,,
10. होजी अविनयण मन धर गीत- क्षेम विमल वाचक	4था
11. नवकार-गुण प्रभु	5वां
12. चौवीस तीर्थंकर स्तवन- आसकरण	,,
13. श्री चैत्यवन्दन	6ठा
14. साधुगुण गीत-खींदड	7वां
15. थूलभद्र गीत	8वां

1570/18303 ढाल पद स्तवन

1.महावीर जी रो पारणो		61-64
2. शत्रुनय स्तवन	आणन्द	64
3. पार्श्व जिन स्तवन	नयविमल	65वां
4. आदिजिन स्तवन	जिनसूरत	,,
5. तेवीमा जिन तहारोजी	विशाल	65-66
6. जिन स्तवन	समयसुन्दर	66-67
7. पारसनाथ स्तवन	मनसागर	67-68
8. संखेश्वर पार्श्व जिन स्तवन	जिनहर्ष	68वां
9. आणन्द संधि	श्रीसार	68-85
10. आदिजिन गीत	जिनराज	85वां
12. सम्भवनाथ गीत	,,	85-86
13. अभिनंदन गीत	,,	86वां
14. सुमति गीत	,,	86-87
15. पदमप्रभु गीत	,,	87वां
16. सुणंसु गीत	,,	87-88
17. चन्द्रप्रभु गीत	,,	88वां
18. सुविधि गीत	,,	88-89
19. शीतलनाथ गीत	,,	89वां
20. श्रेयासं जिन गीत	,,	,,
21. वासू पूज्य गीत	,,	89-90
22. विमल गीत	,,	90वां
23. अनन्त गीत	,,	90-91
24. धरमनाथ गीत	,,	91वां

25. शांतिनाथ गीत	”	”
26. कुंथुनाथ गीत	”	91-92
27. अनन्त गीत	”	92वां
28. मल्लिनाथ गीत	”	92-93
29. मुनि सुव्रत गीत	”	93वां
30. नेमि गीत	”	”
31. नेमिनाथ गीत	”	93-94
32. पार्श्वनाथ गीत	”	94वां
33. वीर गीत	”	94-95
34. चौबीसी गीत	”	95वां
35. सीमन्धर गीत	”	95वां
36. युगमन्धर गीत	”	95-96
37. बाहुवली गीत	”	96वां
38. सुवाहु गीत	”	96-97
39. त्रीसुजात गीत-जिनराज	”	97वां
40. स्वयं प्रभु गीत	”	98वां
41. ऋषभानन गीत	”	98-99
42. अनन्तवीर्य गीत	”	99वां
43. विशाल गीत	”	99-100
44. सूरप्रभु गीत	”	100वां
45. वहुधर गीत	”	100-101
46. चन्द्रानन गीत	”	101वां
47. चन्द्रबाहु गीत	”	101-102
48. भुजंगम सामि गीत	”	102वां
49. नेमि प्रभु गीत	”	102-103
50. ईश्वर प्रभु गीत	”	103वां
51. वीरसेन गीत	”	103-104
52. देवजसा गीत	”	104वां
53. महाभद्र गीत	”	104-105
54. अजीत वीरज गीत	”	105वां
55. विहरमान गीतानि	”	106वां
56. श्रीजिनराज तणी कांने सुणिये	”	107-110
57. सुग्रीव नगर सोहावणो-खेत	खेत	111-112
58. गौडी पार्श्व जिन स्तवन- जिनसागर सूरी	जिनसागरसूरी	112वां
59. श्री स्तम्भक पार्श्वनाथ विज्ञप्ति का नमस्कार अपूर्ण		113वां
60. ऋषि हेसरण्य नमी ढाल		113-114
61. शत्रुञ्जय इकीस नाम		114-115
62. केवलन्यानी प्रमुख तीर्थंकर ढाल		115-116
63. प्रथम उठी गौतम प्रणंमीजै		117वां
64. सांती जिन स्तवन		”

T

1615/16602 दादाजी स्तवन संग्रह

1. जिन कुशल सूरि गीत-जयसागर 1ला
2. दरसण देज्यो हो ''
3. कुंसल गुरु अब मोही दरसण ''
4. कुसल गुरु कुशल करो भरपूर ''
5. दादा रहो मन वांछित सोरा-गुणविनय 1-2
6. दादोजी परतिख देवता-जिनलाभ सूरि 2रा
7. दादोजी दीन दौलत धाय-जिनरंग सूरि 2रा
8. जिनकुशल सूरी गीत-चरित्र सुन्दर सूरि ''
9. तुम हो परम कृपालु रे सनेही-चंद ''
10. मालण ल्यावै फूलडा ऐ देशी- कविराज 2-3
11. नींदउली हठीली वैरण हुयरैयी-पुण्यशीलवाचक 3रा
12. सदा ही ऊँगत सूर-कीर्ति तिलक ''
13. जिन कुशल सूरि रो छन्द-विजयहर्ष ''
14. सवैया कवित जिन कुशल संवधित 3-4
15. जिन कुशल सूरि गीत- धर्मसी 4था
16. जिन दत सूरि गीत-राजहर्ष ''
17. कैसे कैसे अवसर में थभु- गूजर ''
18. कुशल गुरु देव के दरसण 4-5
19. दादाजी दौलत दाता- कनककीर्ति 5वां
20. गाजै जिन कुशल गडाजै- जिनभक्ति जति ''
21. दादो तो दरसण दाखै-समयसुन्दर ''
22. कोई लो परवत धूधलो रे ''
23. सदगुरु श्री जिनकुशल सूरिन्द स्तवन- जिनचंद ''
24. आयो आयो री समसरता-महिमराज 5-6
25. जिन पद आय रहो दिलवाग में-करमसिय 6ठा
26. जिन स्तवन- रूपचंद लि.क. सुजाण पारण ''
27. आज काल करत प्यारे ''
28. मोही कैसे तारोगे दीन दयाल- रूपचंद ''
29. नित उठ कुशल सूरीन्द कै-चरित्र सुन्दर ''
30. जय बोलो पास जिणेसर की- जिनचंद लि.क. सुजाण,पाटण ''

1616/17750-17779 दादाजी स्तवन संग्रह

1. 17750 जिन कुशल सूरी स्तवन- कविराज 181वां
2. 17751 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनलाभसूरि 181-182
3. 17752 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनचन्द्र सूरि 182वां
4. 17753 जिन कुशल सूरी स्तवन- क्षमानन्द ''
5. 17754 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनहर्ष 182-183
6. 17755 जिन कुशल सूरी स्तवन- गूजर 183वां
7. 17756 जिन कुशल सूरी स्तवन- राज ''
8. 17757 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनचन्द्र सूरि ''
9. 17758 जिन कुशल सूरी स्तवन- रत्न निधान 183-184

10.17759 जिन कुशल सूरी स्तवन- ज्ञानसार	184वां
11. 17760 जिन कुशल सूरी स्तवन- रामचन्द्र	"
12. 17761 जिन कुशल सूरी स्तवन- "	184-185
13. 17762 जिन कुशल सूरी स्तवन- सेवक	185-186
14. 17763 जिन कुशल सूरी स्तवन- अष्टप्रकारी पूजा जिनचन्द्र सूरि	186-188
15. 17764 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनरंग सूरि	189वां
16. 17765 जिन कुशल सूरी स्तवन- "	189वां
17. 17766 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनचन्द्र सूरि	189-190
18. 17767 जिन कुशल सूरी स्तवन- "	190वां
19. 17768 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनराजसूरि	"
20. 17769 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनचन्द्र सूरि	"
21. 17770 जिन कुशल सूरी स्तवन- लालचन्द	"
22. 17771 जिन कुशल सूरी स्तवन- साधुकीर्ति	190-191
23. 17772 जिन कुशल सूरी स्तवन- समयसुन्दर उपाध्याय	192वां
24. 17773 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनलाभसूरि	"
25. 17774 जिन कुशल सूरी स्तवन- समयसुन्दर उपाध्याय	"
26. 17775 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनलाभ सूरि	"
27. 17776 जिन कुशल सूरी स्तवन- राजरमण	192-193
28. 17777 जिन कुशल सूरी स्तवन- जिनचन्द्र सूरि	193वां
29. 17778 जिन कुशल सूरी स्तवन- लाभ उदय	193-194
30. 17779 जिन कुशल सूरी स्तवन- कविराज	194

1619/15416 दूहा पर स्तवन संग्रह

1. आयो एकलो पद	1ला
2. खबर नहीं पल में पद	"
3. दोहा	1-2
4. दोहा	"
5. चेतन लख जा रे ढाल- रामचन्द	2रा
6. सम्पूर्ण दोहा	2-3
7. दोहा	3रा
8. दोहा एवं ढाल रतनचंद आदि	15वां
9. वीतराम पद ऋषराय लि.का. 1951	15-16
10. विभिन्न पद	16-26
11. दूहा	26वां
12. परदेशी राय गुण स्तवन	26-27
13. जिन पद	27-28
14. दिशा विचार ज्योतिष	28वां
15. मलूकचंद जी नाकडा, माधो, मंगल लि.स्था. जहानावाद	28वां
16. आचार वावनी मोतीचंद लि.का. 1836 लि.स्था. दक्षिण	28-29

1668/15525 नेमनाथ राजीमति गीतादि

1. कहानी अग्यानी जीव कूं -जिनराज 1ला
2. कुण धरमक उमर लहै -जिनराज ,,
3. कबहु महनी कइनाथ-राजसमुद्र 1-2
4. मन रे तू छोड 2रा
5. तुम झूलउ रे आन ,,
6. ने म कांई फिर चालहो -जिनहर्ष ,,
7. राजीभति नेम भणी 2-3
8. कई रीसाणा होवे मन 3रा
9. ऋषभ जिणेसर भेंट हो आदिसर स्तवन 3-4
10. उमाहो अधिक धरो आय-जयरत्न र.का. 1712 4-5
11. पार्श्व लघु स्तवन-समयसुन्दर 5वां

1708/15522 पद चउपई संग्रह

1. देखकर कलयुग का पापा पद 1ला
2. सुन्दर तन रूप अधिक ठाया पद ,,
3. कलू की अजव महिमाई पद ,,
4. कंपेना क्यूं दुनिया पद ,,
5. कौन इस भावी को टालै पद 2रा
6. किसका दोष नहीं कोई पद ,,
7. जागै जब बखत पद ,,
8. लगै जिसे वान दुखकारी पद ,,
9. जोगी बण रूप अनूप पाया पद ,,
10. विसा जो काम देव भराता पद ,,
11. धीरज करै सीता सती रे 126 पद 3-5

1709/15589 पद चउपई संग्रह

1. जीया चतुर सुजांण 1ला
2. नवपद महिमा अजब बणी-जिन सौभाग्य सूरि ,,
3. जिन नित नमो ,,
4. डोलत जीवडा यूं ही फिर-लालचंद ,,
5. चतुर नर मन कूं समझाव-देव 1-2
6. सुगुण नर श्री जिन गुण गाना- क्षमाकल्याण 2रा
7. भवि जन मिल खेलत होली-रतनसुन्दर ,,
8. नेम स्याम से कहियो नेरी ,,
9. मरू देवानंदन की-बालचंद 3रा
10. मोरे घट की गगरिया ,,
11. ऐसे नेम कुमार खेले वसत-समुद्रविजय ,,
12. माई रंग भर खेलेंगे धमाल-जिनभक्ति ,,
13. मधु वन में जायमची होरी-अमृतरूप ,,
14. यादव मन मेरो हर लियो- चन्द 4था

15. इक सुणले नाथ अरज मेरी-गुणदास	"
16. नेमि निरजन ध्यावो रे- जिनधर	"
17. जिन राज जुहारो क्या है-सेवक	"
18. नेमनाथ वर पायो री- जयरंग	4-5
19. तेरी सूरत जिन मेरा-शिवचंद	5वां
20. होरी खेलो रे भविक मन	5वां
21. दादै जी की अष्टप्रकारी पूजा-जिनचंद्रसूरि	5-6
22. भाया भक्ति सूं पूररहो-जिनहर्ष सूरि	6ठा
23. हूं तो मोही रहो जी महाराज-जिनकुशल सूरि	"
24. कुसल गुरू कुशल करो-जिनचंद सूरि	"

1711/17047 पद चउपई संग्रह

1. थारै मुखड़ा री हो वारी राज- जिणचंद	33वां
2. अव तो उधारयो मोह-हरखचंद	33-34
3. तेरे दरस को चाह लग्ये- चैनविजय	34वां
4. प्रभुजी सूं मेरी लगन लगी-आनन्दरत्न	"
5. नेमनाथ वर पायो री- जयरंग	"
6. मेरे घट की गगरिया रंग से भरी -मोहन रंग	34-35

1712/17532 पद चउपई संग्रह

1. गुरू गीत-साधुकीर्ति	1-6
2. गाजै जिन कुशल गडालै- जिनभक्ति जति 1781	7-10
3. दादा जी स्तवन-जिनलाभ	10-12
4. दादा पूरो हो मन वांछित-गुणविनय	12-13
5. कुशल गुरू अब मोहि- जिनराज	14-15
6. जिन कुशल सूरी जी स्तवन- जिनचंद सूरी	15-16
7. दादो जी दौलत दाता-कनककीर्ति	16-17
8. कुशल गुरू दे दो दरसण- लालचंद	17-18
9. जिनचंद सूरि स्तुति	18-19
10. दादो जी दीज दौलत थाई-जिनरंग	19-21
11. कोई लो परवत धूधलो रे- समयसुन्दर	21-23
12. जिनदत सूरी स्तवन- राजहर्ष	23-27
13. जिन कुशल सूरी स्तवन- राजसागर	27-30
14. जिन दत सूरी स्तवन- भुवनकीर्ति	30-34
15. जिन कुशल सूरी स्तवन-जिनभक्ति	34-35
16. कुशल सूरी स्तवन- जिनचंद	35-37
17. जिन कुशल सूरी स्तवन-	37-39
18. दादा जी स्तवन- समयसुन्दर	39-40
19. श्री जिन कुशल जुहारा- कमल सुन्दर वाचक	40-41
20. दादाजी स्तवन- जिणदत	41-42

65. आदि नाथ स्तवन-उदयलाभ	154-157
66. शीतलजिन स्तवन-कल्याण	157-160
67. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन- हर्ष	160-164
68. " दो पत्र खंडित	164-166
69. जिन स्तवन	166-169
70. तू मेरा भमरा पद	169वां
71. जिन नाम समर पद	169-170
72. विन छूहै पूज कित-अश्वसेन	171-172
73. देखो महिमा अनु पद-हर्षचंद	172-173
74. कौन वनवीर समो पद	174-175
75. जिन कुशल सूरि स्तवन- लालचंद	175-176
76. जिन कुशल को ध्याइये-पद	176-177
77. चाल रेखता की	177वां
78. तीरथ नायक जिनवरू-कल्याण	177-179
79. नवपद महिमा जीर्ण-लालचन्द्र	179-180
80. श्री जिन स्तवन- जिनचन्द्र	180-182
81. समेत शिखर स्तवन-हर्ष	182-185
82. अष्टापद स्तवन- सुरनायक	185-188
83. अष्टापद स्तवन-समयसुन्दर	188-189
84. वास पूज्य जिन स्तवन	189-190
85. वीस पूज्य जिन स्तवन जीर्ण	191-192
86. जिन प्रभु जिन साहिब अपूर्ण एवं जीर्ण	192-193

1714/18156 पद स्तवनादि संग्रह

1.कुशल सूरी पद-जिनभक्ति	1-7
2. जिन कुसल सूरीछंद-साधुकीर्ति पाठक	1-6
3. "	6-14
4. " आरती-जिनलाभ	11-13
5. " -पाठक रत्न सुन्दर	13-16
6. एक अर्ज पद-"	16-20
7. शिखर स्तवन "	20-22
8. जिन सूरिन्द स्तवन कमलसुन्दर	22-28
9. कुंथु- ऋषि रूप	29-30
10. कुंथू	30-31
11. कुंथू	31-32
12. कुंथु	32-34
13. चंद प्रभु स्तुति	34-36
14. चंद प्रभु स्तुति	36-37
15. "	37-38
16. धवल मंगल गीत-ज्ञानविमल	39-42
17. पार्श्वनाथ स्तवन- जिनलाभ	42-46
18. जिनदत सूरि स्तवन- भुवनकीर्ति	46-52
19. जिन कुशल स्तवन- जिरंगसूरि	52-54

1868/15421 राग पद संग्रह

1. प्यारे ना घर विन यों ही	12वां
2. घर के घर विन मेरा कैसे-वीर विवेक	"
3. रहे तुम आज वधू	"
4. रैण विहानी रे रसिया- ग्यानसार	"
5. क्या सोवे उठ जाग-आनंदघन	"
6. रे घरिया रे बाउ रे- आनंद घन	"
7. जिय जानै मेरी सफल	"
8. सुहागन जागी अनुभो प्रीत	12-13
9. अनुभव प्रीतम कैसे मनाणी	13वां
10. अव मेरे पति गति	"
11. म्हारो वालूडो संन्यासी	"
12. म्हारो मनै कव मिलसी	"
13. क्या रै मोनै मिलस्ये	"
14. कुवध कुक्री कुटिल	"
15. आतम अनुभौ रीति	"
16. चैतन चतुर चौगान	"
17. सुनि मनि होनहार उदय	14वां

1886/17697 बसन्त रा स्तवन

1. रंग मच्यो जिनद्वार	152-153
2. होरी खेलइया हारे -जिनलाभ	153वां
3. मेरे पारस प्रभुजी के -जिनचंद	"
4. गढ गिरनार की तलहटी-हरखवाचक	153-154
5. जैसे नेमकुमार खेले वसन्त-समुद्र विजै	154वां
6. वीनतडी अव धारो हो- जिनहर्ष	"
7. समकित विन जीव जगत- रूपचंद	154-155
8. ऐसी होली मैं प्रीतम पाया, चंद	155वां
9. जिन मंदिर जयकार जैसे- जिनलाभ	"
10. माई रंग भर खेलेंगे- जिनभक्ति	"
11. होली खेलो रे भवी	"

1890/15347 विहरमान बीसी गीत

1. सीमन्धर गीत-जिनराज	1ला
2. युगमन्धर गीत	"
3. बाहुसामी गीत	"
4. सुबाहु गीत	"
5. सुजात गीत	2रा
6. स्वयंप्रभु गीत	"

T

7. ऋषभानन गीत ”
8. अनन्तवीर गीत ”
9. श्री विशाल गीत 20-3
10. सूरप्रभु गीत 3रा
11. वज्रधरगीत ”
12. चन्द्रानन गीत ”
13 चन्द्रबाहु गीत 3-4
14. भुजंग स्वामी गीत 4था
15. नेमप्रभु गीत ”
16. ईसर प्रभु गीत ”
17. वीरसेन गीत 4-5
18. देवजस गीत 5वां
19. महाभद्र गीत ”
20. अजीत वीरज गीत ”
21. विरहमान गीत 5-6
22. गोडी पार्श्वनाथ लघु स्तोत्र 6ठा

1891/15367 विहरमान वीसी गीत

1. सीमन्धर स्वामी गीत-जिनराज 1ला
2. युगन्धर गीत ”
3. बाहुसामी गीत ”
4. सुबाहु गीत ”
5. सुजात गीत ”
6. स्वयंप्रभु गीत ”
7. ऋषभानन गीत 1-2
8. अनन्तवीर गीत 2रा
9. श्री विशाल गीत ”
10. सूरप्रभु गीत ”
11. वज्रधरगीत ”
12. चन्द्रानन गीत ”
13 चन्द्रवाहु गीत ”
14. भुजंग स्वामी गीत ”
15. नेमप्रभु गीत 2-3
16. ईसर जिन प्रभु गीत 3रा
17. वीरसेन गीत ”
18. देवजस गीत ”
19. महाभद्र गीत ”
20. अजीत वीरज गीत ”
21. वीस विहरमान गीत ”

1892/15370 विहरमान बीसी गीत

1. सीमन्धर स्वामी गीत-जिनराज	1ला
2. युगमन्धर गीत	"
3. वाहुसामी गीत	1-2
4. सुवाहु गीत	2रा
5. सुजात गीत	"
6. स्वयंप्रभु गीत	"
7. ऋषभानन गीत	"
8. अनन्तवीर गीत	2-3
9. श्री विशाल गीत	3रा
10. सूरप्रभु गीत	"
11. वज्रधरगीत	"
12. चन्द्रांनन गीत	3-4
13 चन्द्रवाहु गीत	4था
14. भुजंग स्वामी गीत	"
15. नेमप्रभु गीत	"
16. ईसर जिन प्रभु गीत	"
17. वीरसेन गीत	"
18. देवजस गीत	4-5
19. महाभद्र गीत	5वां
20. अजीत वीरज गीत	"
21. वीस विहरमान गीत	"

1893/15406 विहरमान वीसी गीत

1. सीमन्धर स्वामी गीत-जिनराज	15वां
2. युगमन्धर गीत	15-16
3. वाहुसामी गीत	16वां
4. सुवाहु गीत	"
5. सुजात गीत	"
6. स्वयंप्रभु गीत	"
7. ऋषभानन गीत	16-17
8. अनन्तवीर गीत	17वां
9. श्री विशाल गीत	"
10. सूरप्रभु गीत	"
11. वज्रधरगीत	"
12. चन्द्रानन गीत	"
13 चन्द्रवाहु गीत	17-18
14. भुजंग स्वामी गीत	18वां
15. नेमप्रभु गीत	"
16. ईसर जिन प्रभु गीत	"

17. वीरसेन गीत ”
18. देवजस गीत 18-19
19. महाभद्र गीत 19वां
20. अजीत वीरज गीत ”
21. विंशति विहरमान गीत ”

1897/17823-17842 विहरमान वीसी गीत

1. 17823 सीमन्धर स्वामी गीत- जिनराज सूरि 235-236
2. 17824 जुग मंदिर जिन स्तवन- जिन राज सूरि 236वां
3. 17825 श्रीबाहु जिन स्तवन- जिन राज सूरि ”
4. 17826 सुबाहु जिन स्तवन -जिनराज सूरि 236-237
5. 17827 सुजात जिन स्तवन -जिनराज सूरि 237वां
6. 17828 स्वयंप्रभु जिन स्तवन -जिनराज सूरि 237-238
7. 17829 ऋषभानन जिन स्तवन- जिनराजसूरि 238वां
8. 17830 अनंतवीर्य जिन स्तवन -जिनराज सूरि ”
9. 17831 विशाल जिन स्तवन- जिनराज सूरि 238-239
10. 17832 सूरप्रभु जिन स्तवन- जिनराज सूरि 239वां
11. 17833 वज्रधर जिन स्तवन -जिनराज सूरि ”
12. 17834 चन्द्रानन जिन स्तवन- जिनराज सूरि 239-240
13. 17835 चन्द्रबाहु जिन स्तवन -जिनराज सूरि 240वां
14. 17836 भुजंग जिन स्तवन -जिनराज सूरि ”
15. 17836 भुजंग जिन स्तवन जिनराज सूरि 240-241
16. 17838 ईश्वर जिन स्तवन जिनराज सूरि 241वां
17. 17839 वीरसेन जिन स्तवन जिनराजसूरि 241-242
18. 17840 देवजसा जिन स्तवन जिनराज सूरि 242वां
19. 17841 महाभद्र जिन स्तवन जिनराज सूरि ”
20. 17842 अजितवीर्य जिन स्तवन जिनराज सूरि 242-243

1959/15448 सज्झाय गीत बारामासा आदि

1. धन्ना ऋषि सज्झाय -विद्याकीर्ति 1ला
2. सनतकुमार सज्झाय- जिनराज ”
3. धन्ना शालिभद्र सज्झाय-समयसुन्दर ”
4. गजसुकुमाल सज्झाय-भावसागर गणि 1-2
5. अन्नाथी ऋषि सज्झाय-समयसुन्दर 2रा
6. धन्ना सज्झाय- तिलोकसी ”
7. बाहुवलि सज्झाय-विमलकीर्ति 2-3
8. नेमिराज सज्झाय- विमलकीर्ति 3रा
9. ढंढण कुमारी री सज्झाय-जिनहर्ष 3रा
10. मृगापुत्र सज्झाय- मुनिखेम 3-4
11. दस श्रावक सज्झाय-श्रीसार 4था
12. रावण राणा सज्झाय- रुघपति 5वां
13. चेलणा सति सज्झाय- समयसुन्दर ”

T

14. सीता सज्झाय- जिनहर्ष	,,
15. सनतकुमार सज्झाय- सुरपति	5-6
16. वाहुवलि सज्झाय- समयसुन्दर	6ठा
17. नंदषेण सज्झाय	,,
18. राम वल देव सज्झाय- सकलमुनि	,,
19. नेम राजीमति वारामासा- कवियण	11वां
20.महाराज चडे गजरथ गीत	11वां
21. चतुर चौमासो पडकमी गीत	,,
22. जो तुम चाल्या सिवपुरी गीत-सिवचंद	11-12
23. नेमजी थे कांइ हठ माण्डयो गीत-हर्षचंद	12वां
24. थूलभद्र गीत- रुघपति	,,
25.भूलभद्र सज्झाय- समयसुन्दर	,,
26. नेमकुमार जी थे चढयाट- समुद्र विजय	12-13
27. थूलिभद्र वारामासो- पाठक रूघपति र.का. 1689	13वां
28. नेम राजुल वारामासो- र.का. 1689	13-14
29. नेमजी गीत- लछराज	15वां

1960/15526 सज्झाय संग्रह

1. सोरठ देश भंडार	1-2
2. गौतम पृच्छा- पदमसागर	2रा
3. जीवडा मेलो रे- पदमसागर	,,
4. उपदेश सज्झाय-	2-3
5. राजमती सज्झाय-ऋषि सुन्दरहर्ष	3रा
6. आवत जावत सव कोई	4था
7. रे जीव जगत सुपनो	,,
8. वीर वखाणी राणी-समयसुन्दर	,,
9. स्वीपुर नगर सुहावणो-तिलक सुन्दर	,,
10. अहो सिद्ध सिला सगले-ऋषि रायचंद	4-5
11. उवा होसी आज है जी-संत	5वां
12. प्रवचन सिद्धांत सुहावणा-समेरचंद	,,
13. ए संसार अधिर कर जाण-सदाराम	,,
14. समकत जलनी मेल	,,
15. समकत ने चोखी अराधे- जैमल	6ठा
16. रत्न चिन्तामणि रे	,,
17. आउ तुटान संधो को नहीं चौथ	,,
18. नरक को चौढालियो -सेवक	7वां
19. बारखड़ी -सिवपुर	,,
20. हथनापुर अति भला	7-8
21. रे जीव ममता तू फिरा	8वां
22. दूल्हो मनुष जनम लाधो-रायचंद	,,
23. इण सवारथ सिद्ध रे-धनहर्ष	,,
24. रमणीय सुपंडग तणी रे	,,

25. चन्दण वाला सिज्झाय- आणन्द 9वां
26. नवघाटी में भटकता-भगवंत लि.क. मनसा 1838 ”
27. प्रथम जिनेसर 10वां
28. धनसारथ वाह साधु ”
29. सील कहै जग हूं बडो-समयसुन्दर ”
30. तप बोल्या तटकी करो ”
31.द्रढ प्रहार अति पापियो-समयसुन्दर ”
32. भाव कहिन तप तु किसु ”
33. कानन माहि काउ-समयसुन्दर 10-11
34. वीर कहे तुम्हे सामलो-भगवंत 11वां
35. वीर जिणेसर इम- समयसुन्दर ”
36. सूर तरनी परे दे हिलोरो- बीजैदेव ”
37. एक चढी चलै पालखी-जैमल ”
38.पांचों इन्द्री राखे वार- र.स्था. व्राह्मणपुरा लि.क.मनसा 1838 गुहाणा ”
39. श्रावक गुण सज्झाय- समयसुन्दर 12वां
40. साधु गुण सज्झाय- विजयदेव ”
41. बारहमासा 12-13
42. धन धन सील सिरोमणि 13वां
43. स्यामसुन्दर मेरे नैना ”
44. समस सरस्वती स्वामिनी- शिवजी 13-14
45. भव भव सज्झाय-समुद्र विजय 14वां
46. राजुल सज्झाय- ”
47. श्री धमाल-किसना ”
48. अवन्ता कवर चतुर ढाल 14-15
49. धन्नाजी की सज्झाय 16-17
50. ढंढण मुनि सज्झाय-मुनि सरू 17वां
51. मार गये मुझ ने मिलो 17-18
52. उपदेश सज्झाय 18वां
53. नार की सज्झाय ”
54. ” माणक ”
55. सुदर्शन की सज्झाय-देव 19वां
56. वैराग की सज्झाय- रूपचंद ”
57. साधु गुण सज्झाय- समयसुन्दर 20वां
58. लघु साधु वन्दना 20-21
59. सुभद्रा सती सज्झाय 21वां
60. नेम राजुल सज्झाय-राम ”
61. शरणभद्र चौढालियो- दौलत 22वां
62. दस श्रावक सज्झाय- ऋषि रायचंद र.का. 1829 ”
63. गरभावास में चितवई-सज्झाय 23वां
64. शील उपदेश सज्झाय ”
65. परिवार- कर्मसी ”
66. नेमचरित्र-जैमल 24-25

67. नेमनाथ राजेमति काव्य व्याहला-जिणदास 25-26
68. राजुल पचीसी- लालचंद विनोदी 26-27
69. नेमनाथ राजमती वारैमासो- 27वां
70. नेमनाथ राजमती सज्झाय- मुनिसाणो "

1961/15583 सज्झाय संग्रह

1. तेणे क्या करतूत करी-धणीदास 2रा
2. विषय भोग मण भायो- कुचामन "
3. भले भलाई बुरे बुराई- 1980 पंजाव "
4. जीतो रे चेतन मोहपति "
5. असो मू लाखेटो जाय "
6. चंचल छैल छवीला "
7. दया विना करनी दुखदानी-लालचंद "
8. अैसे रे सुभट नर-जिणदास 2-3
9. दंगा कोई किणस नहीं नवभव- -
10. चार वर्ण में सोई बड़ा-माधोलाल 4था
11. अबकै लोग मिल्या है-ऋषि जैमल "
12. सुगुर ध्यान मण मेघ री-ऋषिराज 1924 हनुमानगढ "
13. चेत नर चेत "
14. मेरे सजन से यूं जा कहिये-नैनसुख "
15. जाग रे जंजाली जीवा "
16. मेरे स्याम चले गिरनार- जियालाल "
17. तेरे थोड़े दिन के सास "
18. तन वस्तु को रंग लग्यो है-जिनदास 4-5
19. मुखडा क्या देखे- संत 5वां
20. माया का गुलाम- कबीर "
21. जन बारो बार नहीं "
22. समझे के सिर धूल-भूधर "
23. दिल दरवेस दुनि से न्यारो-वीर "
24. नगर में चोर आवेगा-लालदास "
25. विषिया रो संग निवारो- इन्द्रशशि "
26. खल कई करे न का सुपना- भूदरदास "
27. तुम तजकर राजल नार- जिणदास "
28. म मनमत की जो राज-प्रेम "
29. रे तूं मान मेरी कही "
30. सिवर मनि ने जादुडा रा- धनीदास 5-6
31. अर हम मन माते- हर्षचंद 6ठा
32. बडा पंथ है जैन धर्म का- धर्मचंद 1933 अवसर पर "
33. जै जै भयो जिन सासन-हर्षचंद "
34. हां रे तू तोड कर्म-धनीदास "
35. श्री नेम प्रभु मुझ प्यारा सादीरा "
36. आपस की फूट में गई टूट-तुलसीदास "

1965/15533 समवसंरण स्तवन

2042/15163 स्तवन संग्रह

1. शत्रुंजय रास-समयसुन्दर	25-29
2. गौतम स्वामी रास-	29-31
3. मुनि मालिका- चरित्रसिंह	31-33
4. गौतम स्वामी स्तवन-समयसुन्दर	33वां
5. तीर्थावली स्तवन	"
6. वीर जी नो पारणो स्तवन-	33-34
7. नवकार मंत्र स्तवन-पदमराज गणि	34-35
8. नवकार मंत्र स्तवन	35वां
9. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन-जिनराजसूरि	"
10. " "	"
11. " दीपचंद	35-36
12. " गुणशेखर शिष्य	36वां
13. स्तभन पार्श्वनाथ स्तवन-कुशललाभ	36-38
14. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन-प्रीत विमल	38-40
15. क्षमा छतीसी-समयसुन्दर	40-41
16. पुण्य छतीसी-"	41-42
17. नेम राजुल बारहमासा-शांतिहर्ष पुत्री सोम	42-43
18. "जिनहर्ष	43वां
19. नेमनाथ जिन स्तवन-हर्षचंद	43-44
20. जीवोत्पति गर्भावास सज्झाय- श्रीसार पुत्री जिनहर्ष	44-46
21. जीव राशि खमावणा- समयसुन्दर	46वां

2043/15408 स्तवन संग्रह

1. सिद्धाचल स्तवन-नयविमल	23ए-23बी
2. नाकोडा पार्श्वनाथ स्तवन-समयसुन्दर	23बी वां
3. शांतिनाथ जिन स्तवन-हर्षधर्म हर्ष विशाल	23बी-24बी
4. उपप्रधान तप स्तवन-समयसुन्दर	24बी- 25बी

2044/15409 स्तवन संग्रह

1. सीमन्धर स्वामी स्तवन -भक्तिलाभ उपाध्याय	1-2
2. ज्ञान पंचमी वृद्ध स्तवन- समयसुन्दर	2-3
3. पंचमी लघु स्तवन-"	3-4
4. मौन एकादशी स्तवन-"	4था
5. अजित शांति स्तवन- मेरुनंदन उपाध्याय	4-6
6. गति अगति विचार स्तवन- धर्मसी पुत्री विजयहर्ष र.का. 1729	6-9
7. अढाई द्वीप वीस विहरमान स्तवन- धर्मसी र.का. 1729 स्था.जैसलमेर	9-11
8. चवदह गुण स्थानक गर्भित स्तवन- धर्मसी र.का. 1729 स्था. बाड़मेर	11-13
9. शत्रुंजय मण्डन आदिनाथ स्तवन-रतनचंद मुनि	13-15
10. चौबीस तीर्थंकर अन्तरकाल स्तवन-धर्मसी रका. 1725 र.स्था.रिणी	15-17
11. त्रिषष्ठी शलाका पुरुष स्तवन- वस्तामुनि	17-18
12. तेबीस पदवी गर्भित स्तवन-उदयप्रभ पुत्री सुन्दरमुनी	18-19
13. स्याटवाद दसबोल नी सज्झाय- श्रीसार	19-20
14. बयालीस दोष विवरण स्तवन- रुघनाथ मुनि र.का. 1808 स्था. देसलसर	20-23

2045/15413 स्तवन संग्रह

2046/15415 स्तवन संग्रह

1. करि पडि कमणो भाव सू -मायाचंद	1-2
2. दोष	1ला
3. रात्रि सज्झाय- पून्यव	1-2
4. सुतर भंगो नीज तंग पहल मेरे लाल- ऋषि रायचंद	2-3
5. नमस्कार अरिहन्त नै	3-4
6. भक्त की सज्झाय-जिनराय	4था
7. कामदेव नी-कुसलचंद सं. 1886 जयपुर	4-5
8. अरण सज्झाय	5वां
9. साधु गुण माल-ऋषि रमनचंद	5-6
10. श्रावक नी करनी	6ठा
11. समाय करनी-चन्द्रभान	6-7
12. बोल बोल की सज्झाय- जैमल सं. 1833 मेडतनगर	7वां
13. भक्त की सज्झाय	7-8
14. साधो भाई-ज्ञान चरित्र	8वां
15. अयोध्या, अभिराम, अजीतनाथ सज्झाय-रायचंद लाहौर	8-9
16. उपदेश की सज्झाय-	9वां
17. जुवानी की सज्झाय- आनन्द	9-10
18. धन्ना की ढाल-विनयचंद	10-11
19. धन्ना की सज्झाय- तिलोकसी अकवरावाद	11वां
20. धन्ना की ढाल- तिलोकसी	11-12
21. जबू तो दीपै रे ढाल	12वां
22. श्री जिन वचन वैरागियो दो ढाल धन्ना	"
23. नगर का कही हो -रत्न	12-13
24. वीर जिणन्द समो सरया री मेघ कुंवर नी-पून्य	13वां
25. दुख आरो पांचमो- लालचंद	13-14
26. दूहा	14-15
27. ढाल मीणाका गीत नी-कलजुग नी सज्झाय	15वां
28. काल की सज्झाय-रत्नचंद सं. 1867 किशनगढ़	15-16
29. काल की सज्झाय-रत्नचंद सं. 1867 किशनगढ़	16-17
30. वाणी श्री जिणराज तणी	17-18
31. गज मुनि ध्यानारूढ़ भए पद	18वां
32. गज सुकमाल ढाल	18-19
33. वाइसमा अरिद्ध नेम जी ढ़ाल	19वां
34. हां जी तुम घर छाड़ि ने	"
35. राजुलाकी सज्झाय	19-20
36. अधूरी सज्झाय	20वां
37. वारहमासो-रतनचंद	20-21
38. विनवै उग्रसेन की लाडली काय सज्झाय	21-23
39. करनी श्रावक नी- जिनहर्ष	23वां
40. सोलह सपना -भद्रवाहु	23-25
41. वाहुबल नो ढाल-कुशल	25-26
42. उपदेशी-	26-27
43. जिण जी रो पारणो-मुनिमाल	27-28

44. नातो की सज्झाय-ऋषि लालचंद	28-29
45. सीलका छिनै कंवरमी- " 1861 कोटा	29-31
46. शील पचीसी विजैत	31-32
47. साधु गुण माल-ऋषि चन्द्रभान फतहपुर	32वां
48. समर्थ राजानी-	32-33
49. मान बतीसी-मान	33-34
50. एला पुत्र की सज्झाय- लब्धि विजय	34-36
51. सुभाव पंचमी- ऋषि चन्द्रभान	36-37
52. प्रमादी सज्झाय-दास गुपाल	37वां
53. चन्द्रा प्रभजी की सज्झाय-ऋषि लालचंद	37-38
54. शांतिनाथ स्तवन-दुतियाचंद	38-39
55. त्रिसानामी सज्झाय- ऋषि जैमल	39वां
56. सीमन्धर स्वामी स्तवन	39-40
57. वागो नजारो तेरे घर में	40वां
58. मंत्र जपो नवकार	"
59. चेतन माले साडी	"
60. मैं आवणा वीर नेमी	"
61. लगी लोणा जिनन्द	"
62. इस मार्ग मति जा-भूधर	40-41
63. छबि प्रभु पाई-केवलराम	41वां
64. जैन धर्म पायो	41वां
65. धारी फूल सै पलक में-रतनचंद	"
66. रणवण से ती-संत	"
67. पापतणा फल कडवा	"
68. पास नी सज्झाय	41-42
69. पुण्य पाप की सज्झाय	42
70. उपदेशी -ममलूक	"
71. उपदेसी	42-43
72. रेखता	43वां
73. असीस्म झुके सिर धूल-भूधर	"
74. त्रिसना सज्झाय-दयाकलश	43-44
75. सुन ठगनी माया-भूधर	44वां
76. हे जग में कोई मेरा	"
77. ज्ञान दशा में खेले- आनन्द	"
78. सादा नेहा लगा- मान	"
79. धर्म करते भूल तेजी- भूधर	"
80. म्हारै गुरु दीनी है-भक्तषरी	44-45
81. अरे भाई कुर्णा	45वां
82. सोवन सिघासण बैठी	"
83. धर्म पावै तो कोई पुण्य	"
84. आभ्रण अलंकार सव	45-46
85. देव निरजण गुरु निर्लोभी पद-रतनचंद	46वां
86. अरि मोसूं हित मत	"
87. नुगणी काया तेरा-कबीर	"

88. अरे सजन तेरा मन	46-47
89. धर ध्यान भगवान का	47वां
90. सुकृत की वात मेर-जिणदास	"
91. श्रेणी करे छाडी- ऋषिराय	"
92. अनाथी की सज्झाय-चौथमल	47-48
93. आउखानी सज्झाय- भूधर	48वां
94. काय चली- रूपचंद	"
95. होरी पद- राम	48वां
96. समद विजै को कवर	"
97. अरे मन खेल ज्ञानरंग-साधुप्रसाद	49वां
98. अरे मनहोली के खिलाए- रतनचंद	"
99. सुध ज्ञानी जी का फागुन	"
100. अैसे भव जन खेले	"
101. श्री ऋषभ अजीत जिन	49-50
102. चौबीसी	50-51
103. ''' ऋषि चन्द्रभान	51-52
104. सीमन्धन स्वामी-''	52वां
105. चौबीसी- गुण सुजस	52-53
106. ''	53-54
107. पो उठी प्रभाते बहु- जैमल	54वां
108. जिन स्तवन	"
109. नेमनाथ स्तवन- चौथमल	"

110. पहले पद अहिन्त- ऋषि रायचंद	54-55
111. नवकार मंत्र की सज्झाय- चौथमल	55वां
112. सीतलनाथ का स्तवन- रूपसमुद्र	55-56
113. काया पिण्ड काचो राज	56वां
114. तजो तजो में उनकु गुरन कूं	"
115. उपदेश की सज्झाय	"
116. तेरा तन का तनक भरोस	"
117. सजन तेरा मन- चम्पाराम	56-57
118. मणनी जब लगे मन-''	57वां
119. घडी दो मेला-रतनचंद	"
120. बैमेला सोई ''	"
121. जैसे काग उडावण ''	"
122. मान और लीया सो	"
123. त्रिभुवन गुरू सामी- भूधर	57-58
124. श्री वीर जिणन्द	58वां
125. जग गुरू जुगमद्र सामी सीमन्धर-ऋषिरायचंद 1844	58-59
126. जम्बू स्वामी सज्झाय	59वां
127. लावणी-रामचन्द्र	"
128. रे जीव भ्रमत तू	59-60
129. आदि जिण अर्ज उपदेसी ऋषि रतनचंद	60वां
130. चिन्तामणि प्रभु पारस स्तवन	"
131. आरती करूं पार्श्वनाथ आरती- अमृतविजय	60-61

132. गणधर स्तवन- ऋषि रायचंद	61वां
133. परदेशी राजा नी सज्झाय- सेवक	61-62
134. उपदेस की सज्झाय-रतनचंद नागौर	62वां
135. दान की सज्झाय- जयतीदास	62-63
136. गजसुकुमाल की छई- चौथमल 1858 जोधपुर	63वां
137. तुम तजकर राजुल- जिणदास	63-64
138. सासण नायक महावीर-ऋषि रतनचंद बिहाणी	64वां
139. श्री वीर तणा त्रिकाल -	64-65
140. सोलह सति नी सज्झाय- कुशल	65वां
141. संयामनी सज्झाय- रिद्धिहर्ष	65-6
142. कर्म री लावणी-	66वां
143. वार री सज्झाय	66वां
144. धन्ना री सज्झाय	66-67
145. जीवन उत्पत नी सज्झाय- सूरमणि	67-69
146. विखिया लाल रस सज्झाय	69वां
147. काया नी सज्झाय-राजसमद	"
148. ए संसार खार सागर सज्झाय- भूधर	69-70
149. रतन जडत का पिंजरा सज्झाय -	70वां
150. बूढा नी सज्झाय	70-71
151. लग जा हो जिनवर पद- जिणदेव	71वां
152. दान सील सज्झाय- दुर्गादास गणधर	"
153. अैमता नी सज्झाय-लक्ष्मी रतन	71-72
154. सपना नी सज्झाय-सील	72वां
155. वीर रो स्तवन- ऋषि रायचंद र.का. 1837 र.स्था. मेडता	"
156. वर्द्धमान स्तवन- धर्मसी	"
157. ऋषभदेव-ज्ञान	72-73
158. गौतम स्तवन- मुनिलाव	73वां
159. ते दस लछन लावणी-जिणराज	"
160. देख दुनिया विच पद- भूधर	73-74
161. भजीयै श्री जिण वचन पद	74वां
162. भजीये श्री जिण वचन पद- रायचंद	"
163. उपदेशी	"
164. सोवत थोडी रे जीव सज्झाय	74-75
165. भूधर की जोड़ पद- भूधर	75वां
166. वीर नो स्तवन- समयसुन्दर र.स्था.जैसलमेर	75-76
167.रे जीव को कहनो नहीं सज्झाय	76वां
168. गौतम स्वामी पृच्छा प्रश्न उत्तर	"
169. थापण मो साजै करै गौतम पृच्छा	76-77
170. मगध देश के माहे विराजै सज्झाय- ऋषि रायचंद,	77वां

2047/15417 स्तवन संग्रह

42. शत्रुंजय स्तवन- जिनभक्ति सूरि ”
43. सतरह चौढालियो- समयसुन्दर 35-37
44. वृद्धि स्तवन-धर्मसी 37वां
45. ऋषभदेव स्तवन ”
46. आदिजिन स्तवन-सहजकीर्ति 38वां
47. अमीझरा स्तवन- जिणचंद 38-39
48. दस पंचखाण- रामचंद्र 39-40
49. वीस विहरमान वृद्धि स्तवन-धर्मसी 40-41
50. लौद्रपुर स्तवन-वसतो 41वां
51. बयालीस दोष-रूघनाथ मुनि 41-43
52. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन-ऋषिहर्ष 43वां
53. शांतिनाथ स्तवन 43-44
54. फलवृद्धि स्तवन-रत्नधीर वाचक 44-45
55. आत्मा शिष्या स्तवन- कनककीर्ति 45वां
56. सीमन्धर स्तवन- लाभ उदय पी./ओ जिनचंद्र 45-46
57. आलोयणा स्तवन- धर्मसी 46-47
58. सामायक बतीसी दोषण स्तवन- जिन लब्धि सूरि 47-49
59. रोहिणी- स्तवन-श्रीसार 49-50
60. सहस्र कूट जिन विंव वरनन स्तवन- रामविजय पाठक 50-51
61. समो सरणत-सोमसुन्दर सूरि 51-52
62. पोसह विधि समयसुन्दर 53-55
63. वीस स्नातक 55वां

2048/15531 स्तवन संग्रह

1. चौबीसी-आणन्द मुनि 1-7
2. ऋषभदास-विनयशील 7वां
3. अजीतनाथ भास ”
4. संभव भास ”
5. अभिनंदन भास ”
6. सुमतिनाथ भास-गुणशील ”
7. पदमप्रभु गीत-विनयशील ”
8. सुपार्श्व गीत ”
9. चन्द्रप्रभु गीत 8-9
10. सुविधनाथ 9वां
11. शीतलनाथ गीत-गुणशील ”
12. श्रेयांस भास-विनयशील ”
13. वासूपूज्य भास 9-10
14. विमल जिन गीत 10वां
15. अनन्तनाथ भास ”
16. धर्मनाथ गीत 10-11
17. शांतिनाथ गीत 11वां
18. कुंथुनाथ गीत ”
19. अरुनाथ गीत ”

20.मल्लीनाथ गीत-विनयशील	11-12
21. मुनि सुव्रत गीत	12वां
22. नेमीनाथ गीत	"
23. नेमीनाथ गीत	12-13
24. पार्श्वनाथ गीत	13वां
25. श्रीवीर जिन गीत	"
26. श्रीभास	"

2050/15544 स्तवन संग्रह

1. देखा दरसण तुम्हारा-रूपचंद	1ला
2. अंखियाँ भर भर भारी-निरंजन	"
3. थारा कोजरा बतावै मे वारी-"	"
4. तुम ही मेरे दिल जानी "	"
5. श्रेणिक मन अचरीज- देवकुशल	1-2
6. सुविधनाथ जिण कडखानी	2रा
7. म्हारे आगपाडे प्रिउ रमे -सहजसुन्दर	2-3
8. मगसी स्तवन-नरसंघदास	3-4
9. सीतल जिन स्तवन- समयसुन्दर	4-5
10. नेमनाथ स्तवन-जिनराज	5-6
11. महावीर स्तवन-	6ठा
12. हडती जनवाणी गीत-पदमराज	6-7
13. पार्श्वजिन स्तवन-उदयरतन	7वां
14. ऋषभ स्तवन-जस	7-8
15. अभिनंदन जिन स्तवन- देवकुशल	8-9
16. शांतिनाथ जिनलमा जिन स्तवन- प्रेमकुशल	9-10
17.अजीतनाथ स्तवन	10वां
18. अनंतनाथ स्तवन-	"
19. ऋषभ जिन स्तवन	10-11
20. महावीर स्तवन	11वां
21. श्रेयांस जिन स्तवन- वाचक जस	11वां
22. नवपद सज्झाय-विनोद	11-12
23. महावीर स्तवन- उदयरत्न	12वां
24. रंगीला रे- पं. सुखचंद	12-13

2051/15577 स्तवन संग्रह

1. ऋषभ जिन पद (जिन लाभ सूरि)	1ला
2. अजित जिन पद	"
3. संभव गीत	"
4. अभिच्छिन्न गीत	"
5. सुमति गीत	"
6. पदमप्रभु गीत	"
7. सुपार्श्व गीत	"

8. चन्द्रप्रभु गीत	1ला
9. सुंघिघिगी गीत	"
10. शीतलनाथ गीत	1-2
11. श्रेयांस गीत	2रा
12. वासुपूज्य गीत	"
13. विमलजिन गीत	"
14. अत्यनन्त गीत	"
15. धर्म जिन गीत	"
16. शांति जिन गीत	"
17. कुंथुजिन गीत	"
18. अरनाथ गीत	"
19. मल्लिनाथ गीत	"
20. मुनि गीत	2-3
21. नेमिनाथ गीत	3रा
22. नेमिनाथ जिन गीत	"
23. पार्श्व जिन गीत	"
24. महावीर गीत	"
25. वर्तमान चौवीस तीर्थंकर	"
26. सीमन्धर गीत	"
27. युगन्धर गीत	"
28. वाहु गीत	"
29. सुबाहु गीत	3-4
30. सुजात गीत	4था
31. स्वयंभू गीत	"
32. ऋषभ गीत	"
33. अत्यनन्त वीर	"
34. वशाल गीत	"
35. सूरी प्रभु गीत	4था
36. वज्रधर गीत	"
37. चन्द्रानन गीत	4-5
38. चन्द्रबाहु गीत	5वां
39. भुज गीत	"
40. महाभद्र गीत	5-6
41. अत्यजिन वीर्य गीत	6ठा
42. वीस विहरमान जिन स्तवन	"
43. नवकार छन्द जिन वल्लभसूरी	6-7
44. सीमन्धर गीत	7वां
45. पार्श्व स्तवन समयसुन्दर- जैसल	7-8
46. पूर्व विदेह पुकलावती- जिनहर्ष	8वां
47. श्री सीमन्धर साहिबा (जिनहर्ष)	"
48. सेवा पास संखेसर- (उदयरत्न)	"
49. गौड़ी पार्श्व स्तवन- (समयरंग)	8-9

T

50. श्री नवकार जपो मन- (पदमराज गणि) 9वां
51. पाचमी तप तुम्हें करो -(समयसुन्दर) "
52. आज आपां चलां सखी -(जिनचंद) "
53. भगवती सज्झाय -(विनय विजय) 9-10
54. आणन्द संधि (हेमकीर्ति) र.का. 1618 पुरी 10-17
55. आषाढभूति चौढालियो -(कनकसोम) 1638 17-19
56. सुकमाल रो चौढालियो -(जिनहर्ष) 1741 राजनगर 19-22
57. साहिब सुविध जिनेसर -(रूपचंद) 22वां
58. अन्तरजामी सुणि (जिनहर्ष) "
59. मनडो अष्टप्रद मोहणो -(समयसुन्दर) "
60. उठो स मोरा अन्तर राम- (लाभ उदय पी/ओ जिनचंद) "
61. राणपुर स्तवन- (समयसुन्दर) "
62. शीतल सिज्झाय कुमुदचंद 22-23
63. भाव धरि धन्य दिन जिनराज 23वां
64. ऋषभ की मेरे मन समयसुन्दर "
65. श्री जिन प्रतिमा हो "

2052/15578 स्तवन संग्रह

1. खन्दक मुनि सज्झाय/माणिक्य रंग 1ला
2. " 1-2
3. जम्बू सज्झाय 2-3
4. थूलभद्र जी री सज्झाय 3रा
5. नेमनाथ जी रो स्तवन 3-4
6. नेम राजुल स्तवन 4था
7. नेमनाथ जी स्तवन "
8. नेम राजुल गीत 4-5
9. पार्श्व जी स्तवन-हीरसुन्दर 5वां
10. पार्श्वनाथ जी स्तवन-अमृत "
11. जीव परमोद सज्झाय- सरूपचंद पंडित "
12. नेम राजुल गीत 5-6
13. सीमन्धर स्तवन-हरख 6ठा
14. मात पिता प्रभु जी रा नाम माणिक्य रंग "
15. नेमराजुल गीत "
16. बाहुबल सज्झाय-विमल कीरत 6-7
17. मोहि कैसे तारोगे-रूपचंद 7वां
18.

2053/15580 स्तवन संग्रह

1. गौडी पार्श्वनाथ जिन का स्तवन	1-6
2. सीमन्धर स्वामी वृद्ध स्तवन- भगतलाभ	6-8
3. ज्ञान पंचमी तप वृद्ध स्तवन-जिनचन्द्र	8-10
4. मुनि इग्यारस स्तवन-समयसुन्दर	10-11
5. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन- गुणशेखर पी/ओ समयरंग	12-14

2054/15695 स्तवन संग्रह

1. गौडी पार्श्वनाथ स्तवन	1-2
2. कुशल गुरु कुशल करो गीत	2रा
3. आत्मा सज्झाय	3रा
4. सिद्धान्त सज्झाय-समयसुन्दर लि.क.	3-4
5. वैराग्य सज्झाय	4था
6. आलीधन ओ पीय धन ओ प्यारी पद	"

2055/16141 स्तवन संग्रह

1. नवकार मे ही महामंत्री स्तवन-पदमराज	1ला
2. मयण रेहा सती सज्झाय-राजसमुद्र	"
3. इक काया अरु कामणी गीत	1-2
4. गौडी पार्श्वनाथ लघु स्तवन-सुखरतन	2रा

2056/17581 स्तवन संग्रह

1. वीजा अध्ययन गीत-शिवनिधान वाचक गणि पी/ओ मानमुनि गणि	91-93
2. तीज अध्ययन गीत	93-95
3. चौथा अध्ययन गीत	95-96
4. पांचवां अध्ययन गीत	96-98
5. छठा अध्ययन गीत	98-99
6. सातवां अध्ययन गीत	99-102
7. अष्टम अध्ययन गीत	102-105
8. नवमा अध्ययन गीत	105-106
9. दशमा अध्ययन गीत	106-108
10. इग्यारवां अध्ययन गीत	108-111
11. बारहवां अध्ययन गीत	111-114
12. तेरहवां अध्ययन गीत	114-117
13. चोदहवां अध्ययन गीत	117-119
14. पन्द्रहवां अध्ययन गीतं	119-121
15. सोलहवां अध्ययन गीत	121-122
16. सतरहवां अध्ययन गीत	122-126
17. अठारहवां अध्ययन गीत	126-129
18. उन्नीसवां अध्ययन गीत	129-132
19. बीसवां अध्ययन गीत	133-134

2057/18100 स्तवन संग्रह

28. रे जीव जिनधर्म कीजी-समयसुन्दर	145-146
29. अंग उमाहो मौने- जिनचंद	146-148
30. संतनाथ जी रो स्तवन- गुरु सूर	148-151
31. पंचमी नो स्तवन- समयसुन्दर	151-155
32. श्रावक नी करनी	156-158
33. आरती	158-159
34. आरती	159वां
35. संखेसर पार्श्वनाथ स्तवन-सेवक	159-160
36. नहीं ऐसो जिन-हर्षजिन	160-161
37. वन्दौ श्री जिनराय-कनककीर्ति	161-163
38. पंचतीर्थ स्तवन- मुनि लावण्य	163-166
39. पार्श्वनाथ स्तवन- सुमति कुशल	167-168
40. तेबीसमा जिन राज-पद	168वां
41. ब्रजवासी रे कान मेरी गागद कुण ढोरी पद- जिनचंद	168-169
42. दादाजी नो स्तवन- जिनहर्ष	169-170
43. वाजत रंग बधाई पद- ज्ञानसागर	170वां
44. प्राणी प्राणी सुण-बुधरदास	170-173
45. लोद्रवपुर रो स्तवन- गणजेसार	173-174
46. भावधर धन्यदीन-जिणचंद	174-175
47. जांग जगत मुकुट-महिमराज गणि	175वां
48. कहा रे अज्ञानी- जिनराज	175-176
49. रूप भलो जान- चन्द	176वां
50. चिन्तामणि चित- जिनचंद	176-177
51. पावापुर महावीर	177-178
52. जीव रे तू चल्यो- जिनराज	178वां
53. मन रे तू छोर माया	"
54. कैसे सा को बेसास-ज्ञानचंद	178-179
55. देखो कुडी दुनिया-आनन्दघन	179-180
56. एहि अरज सुण हो-जती अमर	180वां
57. ए यूं ही जनम गया- नायक	180-181
58. दादा जी नो स्तवन-	181वां
59. गरज गरज घन	182वां
60. सतगुरु श्री जिन कुशल-जिनचंद	182-183
61. आयो आयो री-समयसुन्दर	183वां
62. दादाजी स्तवन-जिनराज	183-184
63. "-जिनचंद सूरि	184वां
64. जिनकुशल सूरि जी स्तवन- कनककीर्ति	184-185
65. सवैया कवित-दादाजी-	185-186
66. भला भेटिया-स्तवन- सेवक	186-187
67. कुसल सुरन्द सहाई- आनन्दघन	187वां
68. चोथा जिनपत आगले-बुधसागर	188वां
69. नमन जाणी मेरी स्तवन-शिवरतन	188-189

2058/18232 स्तवन संग्रह

2059/16527 स्तुति संग्रह

2060/17045 स्तुति संग्रह.

2061/17596 स्तुति संग्रह

2141/18099 स्फुट स्तवन

1. वडो नवकार-कुशललाभ	95-99
2. कायापुर पाटण-सहजसुन्दर	99वां
3. नेमजी मिलैं मैं वारी-सुन्दरदास	100वां
4. मोतीयन थाल भरकै-अश्वसेन	,,
5. नेम जिणनन्द गिरनारी-हरखचंद	100-101
6. समुद्र विजय सुत नेम-सारंग	101-102
7. तेवीसमा जिन राज- रूपविमल	102वां
8. सम्पत राजा स्तवन- कानजी	102-104
9. जीवड़ा मेरा लग्या-खुशाल	104वां
10. माइ रै मैं जिन सूं-हरखचंद	104-105
11. शिखर जी रो स्तवन-जिनचंद	105-106

2142/18105 स्फुट स्तवन

1. जै जै आद मुनि स्तवन	276-278
2. जती अचलदास-पद	278-279
3. प्रभु जी को पद अश्वसेन	279वां
4. सुख आना दुख	279-280
5. दादाजी पूरो- राज	280-281
6. आज मच्यो उछाह	281वां
7. श्रीधर कुसल सूरीन्द	281-285
8. सुलभो स्याम	285वां
9. सोरठ सुवान सचर	285-286
10. चारो री सखी प्रभु दरसन	286वां
11. अष्टापद गीर यात्रा	286-287
12. तोर मतवाले नयन	288वां
13. जै जै आदि नमु अरिहन्त	288-290
14. अहो जगत गुरराय सुणी	290-292
15. खतरा दूर करणा	292वां
16. एक जीन के पाय लाग	,,
17. मेरे ए तनो चाहिए	293वां
18. भोर भयो भवी भव	,,
19. सोलम जिनवर	294वां
20. प्रदसभ प्रणमानेमीनाथ	294-295
21. आज चलो तुम पावापुरी	-
22. वे कर जोड़ी जी वीनऊ	295
23. अपने घर बयवा लील करो	295-296
24. कोई ल्याव गुर साह की	296-297
25. वीसै वेर भाणजी न रामा	297-298
26. दादा जी को अष्टक	298-299
27. सूची पत्र	299वां
300-301, 310-312	

2144/18154 स्फुट स्तवन

2145/18295 स्फुट स्तवन

20. पोढे प्रभु आदि जिन-आनन्दघन	”
21. आत्म अनुभव री- आनन्दघन	36-37
22. चेतन चतुर वो-आनन्दघन	37वां
23. तेरी हूं तेरी हूं-आनन्दघन	”
24. मेरी तूं मेरी तू-आनन्दघन	37-38
25. कित जा	38वां
26. सात पांच सखीयन-सुमतिसागर	38-39
27. रंगमच्यो जिन द्वार	39वां
28. मेरे पारस प्रभु-जिनचंद	”
29. प्रह सम समरी जै- जैन रतन	39-40
30. जय जय हो स्वामी जैन- कविरूप	40वां
31.श्री नेम कुमार खेलत वसन्त- पदमराज	40-41
32. माई रंग भर खेले- जिनभक्ति	41वां
33. होरी खेलियै नर-जिनचंद	”
34. मेरे लागो नवल सनेह-रूपचंद	41-42
35. ज्यू जाणै त्यूं तारो-खुशालचंद	42वां
36. समझ के सिर धूल-भूधर	42-43
37. क्यूं जिन नाम निसार यो-हर्षचंद	43वां
38. जीवड़ा जिन चारणा री सेवा- रूपविविध	”
39. गिरनारे बोल्या मोर-लालचंद	43-44
40. कीजै आराधना तेरी- नवल	44वां
41. उस मारग मत जारे- भूधर	44वां
42. वाहु जिन पद-कल्याण सागर	45वां
43. छोर बन्यो जोर वन्यो ढाल- मुनि वसता	45-46
44. हेली दे हेली-हरिसिंह	46वां
45. आछी सूरत आदि जिणन्द-चन्द	”
46. क्या सोचे उठि-आणन्दघन	47वां
47. रे घरीया रे चाल-	”
48. साधो भाई अव हम	47-48
49. दादाजी गीत-कुशलसुरी-कविराज	49-50
50. ” शिवचंद	50-51
51. तुम दरसण वलिहारी-शील	51-52
52. चूनडी भीजै ओ साहिब शिवचंद	52-54
53. हस्ती तो चढ ज्यो रे- लक्ष्मी वल्लभ	54-56
54. दादाजी स्तवन- कुशलसूरि- कनककीर्ति	56-57
55. ” शीलराज	57-58
56. अत्कै नैनां जिन चारणा	58वां
57. जिन कुशल सूरी स्तवन- भगति अमन्द	58-59
58. ” मुनि माणक	60वां
59. दादो दरसण दाखै-समयसुन्दर-	61वां
60. विलसै रिद्धि समृद्धि-साधु कीरति	61-63
61. जिन कुशल सूरि स्तवन-जिनभक्ति जति	64वां

62. जिन कुशल सूरि स्तवन- जिनभक्ति जति 64-65
63. जिन कुशल सूरि गीत-राजसागर 65-67
64. जिन कुशल सूरि स्तवन- जिनभक्ति 67वां
65. दादाजी स्तवन- जिनरंग 68वां
66. दादाजी स्तवन-जिनलाभ 68-69
67. दादाजी स्तवन- जिनभक्ति 69-70
68. दादाजी जिन कुशल सूरी जी रो छंद-अभयसोम 70-74
69. दादाजी स्तवन- गुणविनय 74वां
70. दादाजी स्तवन- जिनचंद 74-75
71. दादाजी स्तवन- 75-76
72. दादाजी स्तवन- रतननिधान 76वां
73. दादाजी स्तवन-जिनचंद 76-77
74. दादाजी स्तवन- जिनचंद सूरि 77-78
75. अरे श्री लाल जिन दत सूरी- राजहर्ष 78-80

2146/18322 स्फुट स्तवन

1. मेरे इतनो ही चाहियै-आणन्द 38वां
2. मो मन वीर सुहावै- भुवनकी रत 39वां
3. सत जिणेसर सोल- सुन्दर 39-40
4. विरहमान तीर्थंकर वीस स्तुति- भाखर 40-41

5. पार्श्वपद- अश्व..न 41-42
6. पार्श्वपद स्तवन- अमरविशाल 42-43
7. नित नमीयै पारसनाथ-धर्मसी 43-44
8. शत्रुंजय नौ वासी प्यारा- ज्ञानविमल 44वां
9. चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तवन-समयसुन्दर 44-45
10. मैं परदेसी दूर का-रूपचंद 44-45
11. देखो माई आज-साधु कीरत 45-46
12. प्यारो पारसनाथ पूजा दो- उदयरत्न 46वां
13. गढ गिरनार सुहावनो रे-नयन प्रमोद 46-47
14. महावीर स्तवन 47वां
15. मोहयो मोहयो री माय- चन्द्र 48वां
16. सम्भव जिन स्तवन- ऋषि कीर्ति 48-49
17. नेमि जी गीत-हर्षचंद 49-50
18. किस भाव पइया हो-नवल 50वां
19. झूम्ब खड़ा नी ढाल अपूर्ण 50वां

कर्ता एवं टीकाकार अनुक्रमणिका

(व)

T